epaper.dehatsandesh.com

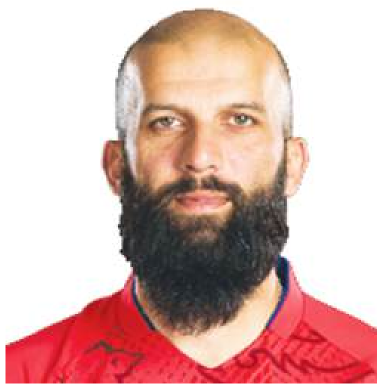

3 सुखनंदन चौधरी ने कृषि सुधार अधिनियम की धारा 6 व 12 को निरस्त करने की मांग की

5 मोईन अली की घरेलू क्रिकेट में वापसी, यार्कशायर के लिए खेलेंगे

8 झज्जर कोटली क्षेत्र में 21 मवेशी बचाए गए

मौसम जम्मू — न्यूनतम 11 — अधिकतम 17

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-27 | जम्मू तवी, शुक्रवार 30 जनवरी, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

देश की रक्षा में समर्पित अपने सशस्त्र बलों पर हमें गर्व, बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी पर बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली, 29 जनवरी । । बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि यह गणतंत्र दिवस समारोहों के समापन का प्रतीक है। इसमें भारत की समृद्ध सैन्य विरासत की शक्ति दिखाई देगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आज शाम बीटिंग रिट्रीट का आयोजन होगा। यह गणतंत्र दिवस समारोहों के समापन का प्रतीक है। इसमें भारत की समृद्ध सैन्य विरासत की शक्ति दिखाई देगी।

देश की रक्षा में समर्पित अपने सशस्त्र बलों पर हमें अत्यंत गर्व है।

उन्होंने एक संस्कृत सुभाषित भी शेयर किया, जिसमें एक योद्धा के जीत की ओर बढ़ते समय ज्ञान और सम्मान पर जोर दिया गया है। उन्होंने लिखा,

एको बहूनामसि मन्य ईडिता विशं विशं युद्धाय सं शिशाधि। अकृत्तरुक्त्वया युजा वयं द्युमन्तं घोषं विजयाय कृण्मसि॥ सुभाषित में कहा गया है, हे वीर।

तुम्हारा क्रोध विवेकपूर्ण होना चाहिए। तुम हजारों में एक शूरवीर हो। सम्मान के साथ अपने लोगों को तुम शासन करना व युद्ध करना सिखाओ। तुम्हारे साथ हम लोग विजय प्राप्ति के लिए जयघोष करना चाहते हैं। बता दें कि बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी 29 जनवरी को विजय चौक में आयोजित की जाएगी।

विजय चौक पर यह आयोजन भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। इस खास अवसर पर भारतीय सेना, भारतीय नौसेना, भारतीय वायुसेना तथा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के बैंड अपनी मनमोहक और देशभक्ति से ओत-प्रोत धुनों का प्रदर्शन करेंगे। बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी के कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, अन्य केंद्रीय मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और आम लोग मौजूद रहेंगे। गणतंत्र दिवस के औपचारिक कार्यक्रम तीन दिन बाद 29 जनवरी को संपन्न होते हैं। इसे बीटिंग द रिट्रीट समारोह कहा जाता है, यह विजय चौक पर होता है और गणतंत्र दिवस समारोह के औपचारिक समापन का प्रतीक है। बीटिंग रिट्रीट सदियों पुरानी सैन्य परंपरा का प्रतीक है, जब सूर्यास्त के समय रिट्रीट की ध्वनि बजने पर सैनिक लड़ना बंद कर देते थे, अपने हथियारों को म्यान में रख लेते थे और युद्ध के मैदान से हटकर शिविरों में वापस लौट जाते थे।

सिर्फ़ सरकारी नौकरियों से बेरोज़गारी दूर नहीं की जा सकती : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने सांबा में 10 एमवीएसी रिसीविंग स्टेशन की आधारशिला रखी, ठंडी खुई में बस टर्मिनल का किया उद्घाटन

सांबा, 29 जनवरी । मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज सांबा जिले का दौरा किया और हरमिंदर में 10 एमवीएसी रिसीविंग स्टेशन की आधारशिला रखी। उन्होंने विजयपुर के ठंडी खुई स्थित बस स्टैंड का भी उद्घाटन किया। हरमिंदर, सांबा में रिसीविंग स्टेशन का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने स्थानीय लोगों से बातचीत करते हुए कहा कि हरमिंदर में 10 एमवीएसी रिसीविंग स्टेशन की आधारशिला विशेष रूप से इस क्षेत्र में बिजली की उपलब्धता बढ़ाने और वोल्टेज स्थिरता में सुधार करने के एकमात्र उद्देश्य से रखी गई है। उन्होंने आगे कहा कि एक बार चालू होने के बाद रिसीविंग स्टेशन से मौजूदा बुनियादी ढांचे पर भार कम होने की उम्मीद है और घरों, किसानों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों और औद्योगिक इकाइयों के लिए अधिक विश्वसनीय और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ किसानों को बताते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जिस प्रकार सीमा पर तैनात सैनिक हमें शत्रुओं से बचाते हैं, उसी प्रकार किसान हमें भूख से बचाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि सैनिकों और किसानों दोनों को ही समर्थन और सुरक्षा की आवश्यकता है और सरकार उनके कल्याण और खुशहाली के लिए प्रतिबद्ध है। मौके पर ही स्थानीय लोगों की विभिन्न समस्याओं और मांगों को सुनते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जम्मू-कश्मीर के हर कोने में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि हरमिंदर में रिसीविंग स्टेशन स्थापित करने की यह पहल बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने और क्षेत्र के किसानों की आर्थिक गतिविधियों को समर्थन देने के लिए बिजली के बुनियादी ढांचे को उन्नत बनाने पर सरकार के निरंतर ध्यान को दर्शाती है। उन्होंने स्थानीय लोगों को आश्वासन दिया कि हरमिंदर तक सड़क संपर्क में सुधार किया जाएगा और सांबा के उपायुक्त को इस संबंध में प्रस्ताव तैयार करने के लिए मौके पर ही निर्देश दिए।

जम्मू-कश्मीर के बाहर कश्मीरियों पर हमले मंजूर नहीं, इन्हें तुरंत खत्म किया जाना चाहिए : मुख्यमंत्री

जम्मू, 29 जनवरी (हि.स.)। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को देश के अलग-अलग हिस्सों में जम्मू-कश्मीर के लोगों पर हाल ही में हुए हमलों की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं मंजूर नहीं हैं और इन्हें तुरंत खत्म किया जाना चाहिए। एक्स पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल के हमलों की श्रृंखला जिसमें हिमाचल प्रदेश और दूसरी जगहों पर हुई ताज़ा घटनाएं शामिल हैं बर्दाश्त नहीं की जा सकतीं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यह दावा करना उलटा है कि जम्मू-कश्मीर भारत का एक अटूट हिस्सा है जबकि कश्मीर के लोग दूसरे राज्यों में अपनी जान के डर में जीने को मजबूर हैं।

एसएसपी अनंतनाग ने कई पुलिस इंस्पेक्टरों के तबादले के आदेश दिए

अनंतनाग, 29 जनवरी(हि.स.)। प्रशासन के हित में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अनंतनाग ने तत्काल प्रभाव से कई पुलिस अधिकारियों के स्थानांतरण और नियुक्ति का आदेश दिया है। 29 जनवरी के आदेश संख्या 26/2026 के अनुसार, इंस्पेक्टर रेयाज़ अहमद (बेल्ट नंबर 7173/एनजीओ) को पीसी अनंतनाग से स्थानांतरित कर दिया गया है और उन्हें एसएचओ पुलिस स्टेशन अनंतनाग के रूप में तैनात किया गया है। इंस्पेक्टर माजिद हसन (बेल्ट नंबर 316/पीएयू) को पुलिस स्टेशन अनंतनाग से स्थानांतरित कर दिया गया है और उन्हें बिजबेहरा पुलिस स्टेशन का एसएचओ नियुक्त किया गया है। इंस्पेक्टर जावीद अहमद को पुलिस स्टेशन एएचटीयू से स्थानांतरित कर दिया गया है और उन्हें एसएचओ पुलिस स्टेशन श्रीगुफवारा के रूप में तैनात किया गया है जबकि इंस्पेक्टर दिलबर अहमद को अभियोजन अनुभाग से स्थानांतरित कर दिया गया है और एसएचओ पुलिस स्टेशन उत्तरसो के रूप में तैनात किया गया है। इंस्पेक्टर रेयाज़ अहमद (बेल्ट नंबर 251/पीएयू) को पुलिस स्टेशन उत्तरसू से स्थानांतरित कर वापस अभियोजन अनुभाग में प्रभारी के रूप में तैनात किया गया है। इंस्पेक्टर परवीज़ अहमद (बेल्ट नंबर 6155/एनजीओ) को पुलिस स्टेशन बिजबेहरा से स्थानांतरित कर दिया गया है और उन्हें एसएचओ पुलिस स्टेशन एचटीयू ,डीपीएल अनंतनाग के पद पर तैनात किया गया है। इंस्पेक्टर निसार अहमद को पुलिस स्टेशन श्रीगुफवारा से स्थानांतरित कर रिजर्व इंस्पेक्टर (आरआई) डीपीएल अनंतनाग के पद पर तैनात किया गया है। सभी अधिकारियों को 30 जनवरी, 2026 तक या उससे पहले कार्यमुक्त करने का निर्देश दिया गया है।

अवैध नियुक्ति-पदोन्नति घोटाले में एसआईसीओपी के वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज

जम्मू, 29 जनवरी (हि.स.)। भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) जम्मू ने राज्य औद्योगिक विकास निगम (एसआईसीओपी) की जम्मू इकाई के वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ नियमों और स्थापित प्रक्रियाओं का घोर उल्लंघन करते हुए कथित अवैध नियुक्तियों, नियमितीकरण और बाद में पदोन्नति के संबंध में औपचारिक मामला दर्ज किया है। एक बयान में एसीबी जम्मू ने पुलिस स्टेशन एसीबी जम्मू में आर.के. राजदान, तत्कालीन एमडी एसआईसीओपी जम्मू (अब सेवानिवृत्त), कुणाल चौधरी (अब उप महाप्रबंधक एसआईसीओपी, जम्मू) और अन्य के खिलाफ अवैध नियुक्ति, नियमितीकरण और पदोन्नति के आरोपों के संबंध में एफआईआर संख्या 01/2026 धारा 5(1)(डी) पठित धारा 5(2) और धारा 120-बी आरपीसी के तहत औपचारिक मामला दर्ज किया है। बयान में कहा गया है कि कुणाल चौधरी जो अब उप महाप्रबंधक, एसआईसीओपी के पद पर कार्यरत हैं की अवैध नियुक्ति, नियमितीकरण और पदोन्नति के आरोपों के संबंध में मामला दर्ज किया गया है। जांच के दौरान यह बात सामने आई कि तत्कालीन प्रबंध निदेशक एसआईसीओपी आर.के. राजदान ने अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करते हुए और अन्य लोगों के साथ आपराधिक साजिश रचते हुए कुणाल चौधरी को बिना किसी समाचार पत्र में विज्ञापन दिए या योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए बिना 6 महीने की अवधि के लिए अस्थायी तकनीकी सहायक के पद पर नियुक्त किया था। यह अस्थायी नियुक्ति तत्कालीन प्रबंध निदेशक एसआईसीओपी आर.के. राजदान द्वारा पूरी तरह से मनमानी और चयन के आधार पर की गई थी।

नई दिल्ली-कटरा के बीच दो वंदे भारत एक्सप्रेस अप्रैल में फिर से शुरू होंगी

जम्मू, 29 जनवरी । नई दिल्ली और श्री माता वैष्णो देवी (एसएमवीडी) कटरा के बीच चलने वाली दो वंदे भारत एक्सप्रेस सहित चार लंबी दूरी की ट्रेनें अप्रैल में फिर से शुरू होंगी।उत्तरी रेलवे के जम्मू डिवीजन ने गुरुवार को बताया कि 20 ट्रेनों का रद्दीकरण दो से तीन महीने के लिए और बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा जम्मू डिवीजन की 14 ट्रेनें परिचालन कारणों से कम समाप्ति या कम आरंभिक समय के साथ चलती रहेंगी। बयान में कहा गया है कि 2 अप्रैल से नई दिल्ली और एसएमवीडी कटरा के बीच दोनों दिशाओं में चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन फिर शुरू होंगी। इसी तरह राजस्थान के भगत की कोठी रेलवे स्टेशन और जम्मू तवी रेलवे स्टेशन के बीच चलने वाली सेवा 1 अप्रैल से फिर से शुरू होगी और वापसी सेवा अगले दिन से शुरू होगी। स्थगित की गई ट्रेनों में गरीब रथ, दुरंतो, हमसफर, जन्मभूमि एक्सप्रेस और चुनिंदा वंदे भारत, मेल और सुपरफास्ट ट्रेनें हैं। बयान में कहा गया है कि इन सेवाओं की संशोधित तिथियां मई के अंत से जून की शुरुआत तक हैं। रेलवे ने जम्मू मेल, दुर्ग-एमसीटीएम एक्सप्रेस, कोटा-एमसीटीएम साप्ताहिक एक्सप्रेस और अहमदाबाद-एसएमवीडी कटरा सहित कई ट्रेनों के लिए प्रारंभिक और अंतिम गंतव्य के बीच की अवधि बढ़ा दी है। बयान में आगे कहा गया है कि यात्रियों को यात्रा से पहले भारतीय रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट या हेल्पलाइन नंबरों के माध्यम से अपनी ट्रेनों की नवीनतम स्थिति की जांच करने की सलाह दी गई है।पिछले साल अगस्त में भारी बारिश के कारण कई पटरियों और पुलों के क्षतिग्रस्त होने के बाद 50 से अधिक ट्रेनों को निलंबित कर दिया गया था या उनके गंतव्य से पहले ही समाप्त कर दिया गया था। हालांकि, निलंबित ट्रेनों में से अधिकांश को अब बहाल कर दिया गया है। मंडल अधिकारी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न खंडों की समय-समय पर समीक्षा कर रहे हैं और सेवाओं को चरणबद्ध तरीके से बहाल किया जा रहा है।

77वां गणतंत्र दिवस समारोह 'बीटिंग रिट्रीट' के साथ संपन्न

जम्मू तवी, 29 जनवरी। गुरुवार को यहां एमए स्टेडियम में पारंपरिक 'बीटिंग रिट्रीट' समारोह के साथ चार दिवसीय गणतंत्र दिवस समारोह का समापन हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाई।

समारोह के दौरान देशभक्ति का माहौल देखने को मिला, जब सशस्त्र बलों और जम्मू-कश्मीर पुलिस के ब्रास एवं पाइप ड्रम बैंडों ने मनमोहक देशभक्ति धुनों की प्रस्तुति दी। फ़ऐ मेरे वतन के लोगोंफ़ सहित अन्य कालजयी गीतों की भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

उत्कृष्ट प्रदर्शन और कलात्मक प्रस्तुति के लिए उपराज्यपाल ने जम्मू-कश्मीर पुलिस एवं सुरक्षा बलों की टुकड़ियों, परेड कमांडर, भूतपूर्व सैनिकों, पाइप और ब्रास बैंड, मार्चिंग टुकड़ियों (बालक एवं बालिकाएं), डेयरडेविल्स, कमेंटेटर्स, सांस्कृतिक कलाकारों तथा सर्वश्रेष्ठ झांकियों को सम्मानित किया।

समारोह के दौरान सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित 'वंदे मातरम्' गायन प्रतियोगिता और केंद्र शासित प्रदेश स्तरीय ऑनलाइन निबंध लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया।

'बीटिंग रिट्रीट' समारोह का समापन लोकप्रिय गीत फ़सारे जहां से अच्छाफ़ की प्रस्तुति के साथ हुआ, जिसके दौरान भव्य आतिशबाजी तथा साउंड एंड लाइट शो का भी आयोजन किया गया। इसके पश्चात राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का विधिवत समापन हुआ।

पति की हत्या के आरोप में महिला गिरफ्तार

जम्मू, 29 जनवरी। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में अपने पति की कथित तौर पर हत्या करने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया गया है।बिलावर के धार डुगनू गांव के रहने वाले बिट्टू राम का शव पिछले साल 9 अक्टूबर को एक नाले में मिला था। पुलिस ने कहा कि पीड़ित के चेहरे और अंगों पर कई चोटें थीं साथ ही गर्दन पर भी चोट का निशान था।घटना के बाद मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। पुलिस ने अपराध स्थल की वैज्ञानिक जांच की और कई चीजें जब्त कीं। जांच के दौरान पुलिस ने सबूत इकट्ठा किए और पीड़ित की पत्नी सिमरो देवी को मुख्य संदिग्ध के रूप में पहचानने से पहले कई संदिग्धों से पूछताछ की पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपराध में शामिल होने की बात कबूल कर ली। एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि उसने खुलासा किया कि उसके अवैध संबंध थे

विधानसभा की कार्य सलाहकार समिति की बैठक आज

जम्मू तवी, 29 जनवरी। आगामी बजट सत्र से पहले जम्मू-कश्मीर विधानसभा की कार्य सलाहकार समिति (बिजनेस एडवाइजरी कमेटी-BAC) आज दोपहर विधायी कार्यों पर चर्चा के लिए बैठक करने जा रही है। नेशनल कॉन्फ्रेंस, भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस तथा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के विधायकों से गठित यह समिति आज दोपहर 3 बजे विधानसभा अध्यक्ष की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में बैठक करेगी। बैठक के लिए आमंत्रित सदस्यों में नेता प्रतिपक्ष सुनील कुमार शर्मा (भाजपा), अली मोहम्मद सागर (नेकां), मुबारक गुल (नेकां), मोहम्मद यूसुफ तारीगामी (सीपीआई-एम), गुलाम अहमद मीर (कांग्रेस), सज्जाद गनी लोन (पीसी), मीर मोहम्मद फैयाज (पीडीपी) तथा चौधरी मोहम्मद अकरम (निर्दलीय) शामिल हैं। समिति का मुख्य कार्य यह सिफारिश करना है कि सरकारी विधायी एवं अन्य कार्यों पर चर्चा के लिए कितना समय निर्धारित किया जाए, जिसे विधानसभा अध्यक्ष सदन के नेता से परामर्श कर समिति को संदर्भित कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, समिति अपने स्तर पर भी सरकार को यह सुझाव दे सकती है कि किन विषयों को सदन में चर्चा के लिए लाया जाए तथा उन पर चर्चा के लिए कितना समय निर्धारित किया जाए। 2 फरवरी से शुरू होने वाला जम्मू-कश्मीर विधानसभा का बजट सत्र काफी हंगामेदार रहने की संभावना है। विपक्षी दल, विशेष रूप से भाजपा, दैनिक वेतनभोगियों के नियमितीकरण से लेकर चुनाव पूर्व मुद्दों तक कई विषयों पर सरकार को घेरने की तैयारी में हैं।

मुख्य सचिव ने आपदा प्रबंधन ढांचे को मजबूत करने के लिए रोडमैप की समीक्षा की

जम्मू, 29 जनवरी। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने जम्मू-कश्मीर की आपदा तैयारियों, प्रतिक्रिया और शमन ढांचे को मजबूत करने के लिए एक व्यापक रोडमैप की समीक्षा की।

यह योजना आपदा प्रबंधन, राहत पुनर्वास और पुनर्निर्माण विभाग (डीएमआरआर एंड आर) द्वारा विकसित की गई है। इसमें हाल की चरम मौसम की घटनाओं से सबक, आपदा के बाद की समीक्षा और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) सहित राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ परामर्श शामिल है। यहां एक बैठक में उपायों की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने अग्रिम कार्रवाई, प्रौद्योगिकी-सक्षम प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली और निर्बाध अंतर-एजेंसी समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने संभागीय और जिला प्रशासनों को अपने संबंधित जिला आपदा प्रबंधन योजनाओं (डीडीएमपी) का समय पर अद्यतन सुनिश्चित करने और समय-समय पर तैयारियों और शमन उपायों की स्थिति की समीक्षा करने का निर्देश दिया। आपदा प्रबंधन की आधारशिला के रूप में तैयारियों को रेखांकित करते हुए मुख्य सचिव ने सभी जिलों के लिए मानसून पूर्व तैयारी उपाय करना अनिवार्य कर दिया। यह फोकस विशेष रूप से अप्रैल से सितंबर की अवधि के दौरान बाढ़ और अन्य मौसम-प्रेरित आपदाओं पर केंद्रित है जिसने ऐतिहासिक रूप से केंद्र शासित प्रदेश में ऐसी घटनाओं की उच्च आवृत्ति देखी है पिछले साल अगस्त में किश्तवाड़ और रियासी जिलों में भूस्खलन, बादल फटने और बाढ़ के कारण 100 से अधिक लोगों की मौत हो गई जिनमें ज्यादातर मचैल माता और वैष्णो देवी मंदिरों में जाने वाले तीर्थयात्री थे और कई घायल हो गए। पैंतीस अन्य लापता हैं। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा कि मुख्य सचिव ने तीर्थयात्राओं विशेष रूप से मचैल माता यात्रा के आरएफआईडी-आधारित प्रबंधन के साथ-साथ मार्ग पर आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण का आह्वान किया। डुल्लू ने आपात स्थिति के दौरान समन्वित और समय पर प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए श्री माता वैष्णो देवी तीर्थस्थल सहित मंदिर-विशिष्ट मॉक अभ्यास आयोजित करने के महत्व पर भी जोर दिया। मुख्य सचिव ने उपायुक्तों को हालिया बर्फबारी के बाद हिमस्खलन के खतरों के प्रति सतर्क रहने को कहा। उन्होंने सभी प्रभावित बस्तियों में सड़क संपर्क, पेयजल आपूर्ति और बिजली की शीघ्र बहाली सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। प्रमुख सचिव, डीएमआरआर एंड आर, चंद्राकर भारती ने मौसम की चेतावनियों के अंतिम-मील प्रसार को मजबूत करने और सचेत ऐप जैसे डिजिटल प्लेटफार्मों को बढ़ावा देने के महत्व पर प्रकाश डाला।

जम्मू-कश्मीर का 40 दिवसीय चिल्लई कलां 30 जनवरी को समाप्त; गुलमर्ग और सोनमर्ग में पर्यटकों की भारी भीड़

श्रीनगर, 29 जनवरी । गुरुवार को कश्मीर में रात का तापमान शून्य से नीचे गिर गया जबकि स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान -9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। श्रीनगर शहर में न्यूनतम तापमान -0.6 डिग्री सेल्सियस और पहलगाम में -4.5 डिग्री सेल्सियस रहा। जम्मू शहर में तापमान 7.2 डिग्री सेल्सियस, कटरा शहर में 6.4 डिग्री सेल्सियस, बटोत में 0.9 डिग्री सेल्सियस, बनिहाल में -2.6 डिग्री सेल्सियस और भदरवाह में -3.4 डिग्री सेल्सियस रहा।मौसम विभाग ने 31 जनवरी की शाम तक आमतौर पर शुष्क और बादल छाए रहने का पूर्वानुमान लगाया है। 1 और 2 फरवरी को आमतौर पर बादल छाए रहने के साथ-साथ छिटपुट से लेकर व्यापक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/बर्फबारी की संभावना है। 3 से 6 फरवरी तक शुष्क मौसम का पूर्वानुमान है। गांदरबल, बांदीपोरा और कुपवाड़ा जिलों के अधिकारियों ने इन जिलों के ऊंचे इलाकों में हिमस्खलन की चेतावनी जारी की है और वहां रहने वाले लोगों को अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह दी है। यह चेतावनी मंगलवार को सोनमर्ग में हुए हिमस्खलन के मद्देनजर जारी की गई है। हालांकि किसी के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है, फिर भी नुकसान का आकलन करने के लिए पुलिस और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमें तुरंत तैनात की गईं। गांदरबल पुलिस ने कहा कि मौजूदा मौसम की स्थिति को देखते हुए हिमस्खलन की संभावना बहुत अधिकफ़ बनी हुई है।

जम्मू-कश्मीर में अमरनाथ यात्रा से पहले दोनों मार्गों पर आपदा-संभावित क्षेत्रों को चिह्नित किया जाएगा

जम्मू, 29 जनवरी। दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित अमरनाथ मंदिर की ओर जाने वाले दोनों मार्गों पर आपदा-संभावित और संवेदनशील क्षेत्रों को यात्रा से पहले चिह्नित किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने यहां एक बैठक में अनंतनाग और गांदरबल के संभागीय प्रशासन और उपायुक्तों को क्षेत्रों को चिह्नित करने के निर्देश दिए हैं। डुल्लू ने निर्देश दिया कि ऐसे उच्च जोखिम वाले आपदा-प्रवण और संवेदनशील क्षेत्रों में जुड़वां मार्गों - अनंतनाग में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबा पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले में 14 किलोमीटर छोटा लेकिन तेज बालटाल मार्ग में टेंट और अस्थायी संरचनाओं सहित कोई उपयोगिता स्थापित नहीं की जानी चाहिए।वार्षिक यात्रा आमतौर पर जुलाई-अगस्त में होती है, जिसमें देश-विदेश से श्रद्धालु मंदिर में आते हैं।बुधवार को श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) की 15वीं उच्च स्तरीय समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों और हितधारकों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि वार्षिक यात्रा शुरू होने से पहले ही इसके लिए व्यापक व्यवस्थाएं कर ली जाएं।अग्रिम योजना और समय पर क्रियान्वयन पर जोर देते हुए उन्होंने पर्यटन और लोक निर्माण विभाग सहित विभागों को आगामी माह के भीतर सभी निविदा, खरीद और अनुबंध संबंधी प्रक्रियाओं को पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यात्रा शुरू होने से पहले निर्बाध व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कार्यों को शीघ्र अंतिम रूप देना महत्वपूर्ण है। मुख्य सचिव ने उपायुक्तों से सभी सेवा प्रदाताओं को सुविधा प्रदान करने और यह सुनिश्चित करने को कहा कि प्रत्येक स्थान पर बनाई गई सुविधाएं तीर्थयात्रियों के साथ-साथ सेवा कर्मियों के लिए पर्याप्त, उचित और पर्याप्त हों।

जम्मू-कश्मीर सरकार ने ग्रीष्मकालीन क्षेत्र बोर्ड परीक्षाओं के लिए पाठ्यक्रम में 15% की छूट दी

जम्मू, 29 जनवरी। जम्मू-कश्मीर सरकार ने गुरुवार को जम्मू संभाग की वार्षिक नियमित परीक्षाओं में शामिल होने वाले ग्रीष्मकालीन क्षेत्र के कक्षा 10वीं, 11वीं और 12वीं के छात्रों के लिए पाठ्यक्रम में 15 प्रतिशत छूट की घोषणा की। सरकार के अधिकारियों ने पुष्टि की कि पिछले साल खराब मौसम और युद्ध जैसी स्थिति के कारण हुए व्यवधानों को ध्यान में रखते हुए जम्मू डिवीजन की वार्षिक नियमित परीक्षाओं में ग्रीष्मकालीन क्षेत्र के कक्षा 10वीं, 11वीं और 12वीं के छात्रों के लिए पाठ्यक्रम में 15% छूट देने का निर्णय लिया गया था। अधिकारी ने कहा कि पिछले शैक्षणिक सत्र के दौरान लंबे समय तक खराब मौसम बाढ़ जैसी स्थितियों और मौजूदा परिस्थितियों के कारण शैक्षणिक व्यवधानों को देखते हुए यह निर्णय लिया गया जिससे पाठ्यक्रम का समय पर पूरा होना प्रभावित हुआ।रियायत का उद्देश्य शैक्षणिक समानता सुनिश्चित करना और ग्रीष्मकालीन क्षेत्र के छात्रों को आगामी परीक्षाओं में किसी भी नुकसान का सामना करने से रोकना है। वार्षिक बोर्ड परीक्षाएं कक्षा 10 के लिए 17 फरवरी, कक्षा 12 के लिए 23 फरवरी और कक्षा 11 के लिए 28 फरवरी से शुरू होने वाली हैं।

'एक ऐसा देश जहां आधुनिक यूरोपीय संस्कृति के साथ-साथ लोग अभी भी अपने पारंपरिक मूल्य और संस्कार भी सहेजे हुए हैं। बादलों में उड़कर बुल्गारिया पहुंच जाना एक सपने जैसा था। चलते हैं यहां'

सपनों की उड़ान जैसी बुल्गारिया की सैर, खूबसूरती ही नहीं यहां का आर्किटेक्चर भी है लाजवाब

तीन दशक पहले मुझे बचपन में बुल्गारिया जाने का मौका मिला था। एक चिल्ड्रेंस कैंप में। उसी की याद को ताजा करने जब मैं दोबारा बुल्गारिया गई, तो महसूस हुआ कि यह स्थान आपको अपनी ओर खींचता है। मुझे अपनी बुल्गारिया यात्रा के दौरान कभी भी सैलानी जैसा एहसास नहीं हुआ, बल्कि ऐसा लगा जैसे मैं कुछ दिनों के लिए वहां बस गई थी। मुझे बुल्गारिया की राजधानी सोफिया और शहर वारना घूमने और रहने का अवसर मिला। बुल्गारिया पहुंचने के लिए हमने नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से तुर्की में इस्तांबुल के लिए फ्लाइट पकड़ी। इस्तांबुल से हमें कनेक्टिंग फ्लाइट से बुल्गारियाई शहर वारना पहुंचना था। किन्हीं वजहों से हमारी वह फ्लाइट मिस हो गई और कुछ समय हमें इस्तांबुल एयरपोर्ट की एक लांउज में बिताना पड़ा। देर रात हमें वारना की फ्लाइट मिली और कुछ घंटों में हम वारना शहर में थे।

विहंगम है वारना का नजारा

मैदान, पहाड़, घाटी, संकरे रास्तों व नदियों का देश है बुल्गारिया। यहां की सबसे बड़ी नदी है इस्कर और सबसे बडी लेक बुर्गस है। आपको जानकर हैरानी भी होगी कि इस देश में करीब 540 नदियां बहती हैं। एक टैक्सी से हम वारना में होटल पैनोरमा पहुंचे। सुनने में अजीब लगता है, लेकिन सच में वहां तक की ड्राइव मन मोह लेने वाली थी। हरे-भरे खेतों, साफ-सुथरी सड़कों और सुरजमूखी के हजारों फूलों के बीच स्टोन फॉरेस्ट तक जाने का रास्ता बेहद मनमोहक था। साथ ही, मन में उतावलापन था कि पत्थरों का जंगल कैसा होगा? स्टोन फॉरेस्ट पहुंचकर सदियों पुराने पत्थर और प्राकृतिक जमीनी सुंदरता और कलात्मकता को देखकर हैरान थे। पेड़, मिट्टी, जंगली पौधे और पत्थरों का यह जंगल पहले एक समुद्र था। पत्थर के खंभों से पटा हुआ यह जंगल बड़े क्षेत्र में फैला हुआ है। यहां का वातावरण बहुत ही साफ और सुंदर है। खूबसूरत फूल-पौधे चारों तरह हरियाली बिखेरते बड़े मनोरम लगते हैं। वारना शहर में घूमते हुए हमारी नजर यहां बने घरों पर पड़ी। बहुत ही सुंदर अपार्टमेंट बने हैं। बुल्गारियाई आर्किटेक्चर बहुत सुंदर, आकर्षक और प्रभावी हैं। बातों-बातों में हम कब वारना पार्क पहुंच गए पता ही नहीं चला। इस पार्क की खासियत है कि आप गार्डन के साथ-साथ बाजार भी घूम लेते हैं। यहां रेस्टोरेंट्स में तुर्की व बुल्गारियाई व्यंजन काफी पसंद किए जाते हैं। अगली सुबह हमें बल्चिक-कलियाकारा जाना है, जो वारना के पास ही बसा एक कस्बा है। यह ब्लैक सी के पास ही स्थित है।

कलियाकारा केप

कलियाकारा केप पहुंचने पर हमें यहां एक आर्कियोलॉजिकल साइट भी देखने को मिली, जो एक म्यूजियम की तरह है। यह एक तरह से यहां की सभ्यता का प्रतीक है। इस म्यूजियम में हजारों साल पुरानी सभ्यता की निशानियां रखी हैं। इनमें बर्तन, हथियार जैसी बहुत सारी चीजें देखने को मिलती हैं। ये सामान खुदाई के दौरान मिले थे। अब इस साइट को टूरिस्ट स्पॉट के रूप में विकसित किया गया है। यहां एक लंबी वॉक के बाद महसूस होता है कि जरूर जीवन यहां कई हजार साल पहले भी रहा होगा। इस तरह के चिन्ह इस वॉक के दौरान देखने को मिलते हैं।

बल्चिक बॉटेनिकल गार्डन

यह एक खूबसूरत बॉटेनिकल गार्डन है। इसे टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया गया है। फूलों से लदे पेड़ आपका स्वागत करते हैं। ढेरों फूल, पौधों, पेड़ों और जड़ी-बूटियों से हरे-भरे इस गार्डन में घूमने का एक अलग ही आनंद है। यहां बुल्गारियाई, जापानी गुलाब के साथ एक से बढ़कर एक कैक्ट्स भी देखने को मिलेंगे।

सस्ते में लेना है घुमक्कड़ी का मज़ा, तो इन टिप्स एंड ट्रिक्स के साथ करें प्लानिंग

बहुत से लोग यह सोचकर घूमने से रह जाते हैं कि पैसे कम हैं कैसे घूमेंगे? लेकिन आपको हम बता दें कि अगर आप ढंग से प्लान बनाएं तो कम पैसों में भी आराम से घूम सकते हैं।

आजकल की भागदौड़ वाली जिंदगी में घुमक्कड़ी संजीवनी जैसी है, जो आपको तरोताजा कर देती है। बड़े शहरों की व्यस्त जिंदगी की जरूरत भी है ट्रैवल ताकि आप प्रदूषण और शोर-शराबे से दूर अपनों के साथ सुकून के कुछ पल बिता पाएं। सोशल मीडिया के इस दौर में घूमना एक ट्रेंड भी बनता जा रहा है। ऐसे बजट फिट ट्रैवल और भी प्रासंगिक हो जाता है।

घुमक्कड़ों की तरह घूमने में है असली मजा

यह बात तो सही है कि घूमने और नई जगहों को एक्स्प्लोर करने से हम तरोताजा होते हैं। बहुत कुछ सीखते भी हैं। मगर आज की महंगाई वाले दौर में बहुत से लोगों के लिए घूमना बजट पर भारी पड़ता है। जो लोग यह सोचते हैं कि घूमना सिर्फ पैसे वालों का शौक है, तो उनको बता दूं कि ऐसा है नहीं। अगर हम थोड़ी मेहनत और थोड़ा रिसर्च करें। इंटरनेट और सोशल मीडिया की मदद लें, तो घूमने का प्लान बजट में बना सकते हैं। बजट फिट ट्रैवल एक भ्रम नहीं है। घूमने का ट्रेंड, जो पहले केवल बड़ों शहरों में ही देखा जाता था, आजकल छोटे-छोटे शहरों में भी इंटरनेट और स्मार्टफोन की वजह से बढ़ रहा है। घूमने का असली आनंद तो घुमक्कड़ों की तरह घूमने में है न की पर्यटकों की तरह पर्यटन करने में।

करनी होगी एडवांस प्लानिंग

ट्रैवल प्लान करने में सबसे बड़ी चुनौती होती है डेस्टिनेशन तक कैसे जाया जाए? कहीं भी जाने से पहले उस जगह की अपने शहर से कनेक्टिविटी देखते हैं, इंटरनेट से समय और दूरी को चेक करने के बाद फिर पब्लिक ट्रांसपोर्ट, जैसे- ट्रेन या बस की बुकिंग कराते हैं। एडवांस बुकिंग से जहां अंतिम समय की भागदौड़ से बच जाते हैं, वहीं तत्काल या अन्य चार्जेज की भी बचत हो जाती है।

होटल की बजाय होमस्टे बेहतर

किसी भी यात्रा की दूसरी समस्या यह होती है कि हम रूकें कहां? जगह सुरक्षित है या नहीं? शहर या घूमने की जगह से बहुत दूर तो नहीं है? सस्ती जगह है तो अच्छी है या नहीं? आजकल ये समस्याएं भी आसानी से हल हो जाती हैं। कई बड़े स्टेशंस पर भारतीय रेलवे के गेस्ट रूम्स भी उपलब्ध होते हैं, जिनकी बुकिंग ट्रेन टिकट के साथ ही एडवांस में की जा सकती है। बहुत से लोकप्रिय ट्रैवल डेस्टिनेशंस में होमस्टे आसानी से मिल जाते हैं वह भी बजट में। यहां रहने पर स्थानीय लोगों का रहन-सहन, खान-पान और उनकी संस्कृति को नजदीक से जानने का मौका मिल जाता है। साथ ही उस जगह से जुड़ी कई ऐसी जानकारियां भी मिलती हैं जो गूगल के पास भी नहीं होंगी। वैसे, अकेले घूमने वाले लोगों के लिए जॉस्टल और होस्टल जैसे कई विकल्प मौजूद हैं, जो बहुत कम पैसे में आपको डोर्मिटरीज और रूम मुहैया कराते हैं। साथ ही, साथ अपने जैसे और भी लोगों से मिलने-जुलने, उनके अनुभवों को साझा करने का मौका भी मिलता है। यकीन मानिए यात्रा और यात्री दोनों ही बेहतरीन गुरु हैं।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट या बाइक ले लें

आप इंटरनेट पर थोड़ा-सा रिसर्च कर कर लें, तो अपने बजट में रहने की जगह खोज सकते हैं। कई वेबसाइट्स हैं, जो उनके रिव्यू भी उपलब्ध कराती हैं। जरूरत है बस थोड़ा-सा समय देने की। घूमने वाली जगहों पर कई बार लोकल ट्रांसपोर्टेशन बहुत महंगे होते हैं, ऐसी स्थिति में ज्यादातर हम लोकल पब्लिक ट्रांसपोर्ट जैसे लोकल बस, ट्रेन या शेयर ऑटो से काम चलाते हैं। युवाओं में दुपहिया वाहनों का क्रेज देखते हुए कई जगहों पर 200-500 रोज के हिसाब से बाइक या स्कूटी किराए पर आसानी से मिल जाते हैं। अगर आप बाइक लेना चाहें, तो आपको बस अपना कोई पहचान पत्र उनके पास जमा करना होता है। यह सस्ता, सुविधाजनक और ट्रेंडी रास्ता भी है।

देश की इन 5 खूबसूरत जगहों की दुनिया भी है दीवानी

वक्त निकाल कर जरूर जाएं घूमने

आमतौर पर भी जब खूबसूरत जगहों क जिक्र होता है तो लोग विदेश की अलग-अलग लोकेशंस को गिनाना शुरू कर देते हैं जबकि देश में भी बेहद शानदार जगहें हैं ।

आमतौर पर भी जब खूबसूरत जगहों क जिक्र होता है तो लोग विदेश की अलग-अलग लोकेशंस को गिनाना शुरू कर देते हैं, जबकि देश में इतनी शानदार जगहें हैं, जिन पर किसी का भी दिल आ जाएगा। खास बात ये है कि इन जगहों की देश में ही नहीं बल्कि दुनिया के लोग भी दीवाने हैं। ऐसे में आज यानी कि नेशनल टूरिज्म डे (National Tourism Day) के मौके पर आइए जानते हैं कौन-कौन सी हैं वे जगहें...

गुलमर्ग

इस लिस्ट में सबसे पहला नाम आता है कश्मीर का। कहते हैं कि कुदरत ने इस जगह को नायाब खूबसूरती से बख्शा है। यूं तो यहां का कोना-कोना बहुत सुंदर और मनमोहक है लेकिन अगर बात गुलमर्ग की करें तो ये

जम्मू कश्मीर का एक खूबसूरत हिल स्टेशन है। इसकी सुंदरता के कारण इसे धरती का स्वर्ग भी कहा जाता है। यह देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक हैं। फूलों के प्रदेश के नाम से मशहूर यह स्थान उत्तरी कश्मीर के बारामुला में स्थित है। एडवेंचर स्पोर्ट्स और स्कीइंग के शौकीन लोगों के लिए गुलमर्ग एक बेहद खास जगह मानी जाती है।

गोवा:

गोवा तो घूमने वाले लोगों की लिस्ट में टॉप पर होता है। खासतौर पर यंगस्टर्स के लिए। युवा यहां जाना खूब पसंद करते हैं। उन्हें यहां के बीच ही नहीं बल्कि यहां की नाइट लाइफ को एंज्वॉय करने जाते हैं। ऐसे में अगर आप भी बीच पर सुकून के पल और फिर एक हसीन शाम गुजारना चाहते हैं तो ये जगह देखनी चाहिए।

लेह-लद्दाख:

देश की और खूबसूरत जगह है लेह-लद्दाख। यहां प्राकृतिक खूबसूरती के साथ-साथ लोग ट्रैकिंग और बाइक राइडिंग के लिए भी आते हैं। इसके अलावा हाइकिंग, क्लाइम्बिंग और कैंपिंग का मजा लेने भी आते हैं। इसके अलावा यहां की जंस्कार वैली, खरदुंग-ला पास, हेमिस नेशनल पार्क और स्पीतुक गोम्पा जैसी जगहें घूमना एक बेस्ट ऑप्शन होता है।

मुंबई

यूं तो मुंबई को 'फिल्म नगरी' के नाम से भी जाना जाता है। इस शहर को सपनों को शहर भी कहते हैं। यहां हर रोज लाखों लोग अपनी आंखों में बेपनाह सपने लेकर आते हैं। मगर इस

शहर में भी कई टूरिस्ट प्लेस हैं, जिन्हें देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। यहां घूमने के लिए जुहू चौपाटी, हाजी अली दरगाह, महालक्ष्मी मंदिर, गेटवे ऑफ इंडिया, मरीन ड्राइव समेत कई जगहें हैं।

केरल:

देश में घूमने के लिए सबसे सुंदर केरल भी एक अच्छा ऑप्शन है। यहां मुन्नार की प्राकृतिक खूबसूरती आपका मान मोह लेगी। इसके अलावा थेककडी, कोवलम, कुमारकोम जैसी जगहें भी घूमना एक बेहतर ऑप्शन है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

कठुआ में बाल विवाह रोकथाम को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कठुआ, 29 जनवरी (हि.स.)। डीसीपीओ वरुण कुमार चैधरी के निर्देश पर जिला बाल संरक्षण इकाई कठुआ एवं चाइल्ड हेल्पलाइन कठुआ की संयुक्त टीम ने सीटीएम कॉलोनी के समीप और रेलवे रोड के हॉटस्पॉट क्षेत्रों में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

डीसीपीयू टीम से नवनिधि शर्मा और मेघना शर्मा तथा चाइल्ड हेल्पलाइन टीम से ईशा शर्मा, प्रियंका सूरी और नीरज अत्री ने स्थानीय लोगों को बाल विवाह निषेध अधिनियम और इससे जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान समुदाय को बाल विवाह के दुष्प्रभावों, बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक विकास, शिक्षा और समग्र भविष्य पर पड़ने वाले नकारात्मक असर के बारे में भी जागरूक किया गया।

टीम ने लोगों से बाल विवाह से जुड़े किसी भी मामले की सूचना देने की अपील की और इस कुप्रथा को रोकने में प्रशासन की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बच्चों की सुरक्षा और अधिकारों को सुनिश्चित करने का संदेश दिया।

सुखनंदन चौधरी ने कृषि सुधार अधिनियम की धारा 6 व 12 को निरस्त करने की मांग की

जम्मू, 29 जनवरी (हि.स.)। पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सुखनंदन चौधरी ने कृषि सुधार अधिनियम की धारा 6 और 12 को निरस्त करने की मांग की। ये धाराएं वर्ष 1976 में शेख अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा लागू की गई थीं। चौधरी ने कहा कि वर्तमान समय में ये धाराएं जम्मू-कश्मीर के ग्रामीण भूमिधारकों के लिए एक बड़ी बाधा बन चुकी हैं। भाजपा मुख्यालय त्रिकुटा नगर जम्मू में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए सुखनंदन चौधरी ने कहा कि इन धाराओं के अंतर्गत आने वाली भूमि को स्वतंत्र रूप से खरीदा या बेचा नहीं जा सकता जिससे वास्तविक भूमिधारकों के अधिकार बुरी तरह सीमित हो गए हैं। उन्होंने कहा कि दशकों पहले कृषि सुधारों का उद्देश्य भले ही जनकल्याण रहा हो लेकिन आज के दौर में इन प्रावधानों का बने रहना ग्रामीण जनता के लिए गंभीर परेशानियां पैदा कर रहा है।सुखनंदन चौधरी के साथ डॉ. प्रदीप माहोत्रा (मीडिया प्रभारी भाजपा) और दीपक पांडेय (जिला प्रवक्ता) भी मौजूद थे। उन्होंने इस मांग का समर्थन करते हुए कहा कि नीतिगत सुधार वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप होने चाहिए न कि पुराने और अप्रासंगिक कानूनों पर आधारित। उन्होंने कहा कि पार्टी लगातार किसानों और ग्रामीण नागरिकों से जुड़े मुद्दों को उठाती रही है और आगे भी उनके हितों की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी। सुखनंदन चौधरी ने कहा कि गांवों में रहने वाले लोगों को बच्चों की शिक्षा, इलाज, विवाह या अन्य पारिवारिक आवश्यकताओं के लिए अक्सर तत्काल धन की जरूरत पड़ती है लेकिन धारा 6 और 12 के तहत लगे कानूनी प्रतिबंधों के कारण वे अपनी जमीन बेचने में असमर्थ हैं।

8वें मास्टर नेशनल गेम्स में जम्मू-कश्मीर के मास्टर्स खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

जम्मू, 29 जनवरी (हि.स.)। 27 से 31 जनवरी तक आयोजित 8वें मास्टर्स नेशनल गेम्स में जम्मू-कश्मीर के मास्टर्स वेटलिफ्टिंग और स्विमिंग दल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का नाम रोशन किया। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन मास्टर्स गेम्स एसोसिएशन महाराष्ट्र द्वारा सुपर मास्टर्स गेम्स एंड स्पोर्ट्स फेडरेशन (इंडिया) के तत्वावधान में किया गया, जिसमें देशभर से अनुभवी खिलाड़ियों ने भाग लिया।

जम्मू-कश्मीर के मास्टर्स वेटलिफ्टर्स ने अपने-अपने वर्गों में दबदबा कायम रखते हुए कुल पाँच स्वर्ण पदक जीते। मोहम्मद असलम ने 40+ आयु वर्ग के 67 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। दयाल सिंह ने 45+ आयु वर्ग के 89 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण जीता, जबकि परवीन कुमार ने 40+ आयु वर्ग के 89 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दलविंदर सिंह ने 35+ आयु वर्ग के 89 किलोग्राम वर्ग में और नरेश कुमार ने 35+ आयु वर्ग के 96 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर टीम की सफलता को और मजबूत किया। तैराकी स्पर्धा में रुद्राक्ष गुप्ता ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो रजत पदक हासिल किए। उन्होंने 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले और 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में दूसरा स्थान प्राप्त किया। जम्मू-कश्मीर मास्टर्स गेम्स एसोसिएशन के अध्यक्ष और पूर्व अंतरराष्ट्रीय हैंडबॉल खिलाड़ी रणजीत सिंह चिब ने खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता न केवल खिलाड़ियों की व्यक्तिगत जीत है, बल्कि पूरे जम्मू-कश्मीर के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन साबित करता है कि खेलों में उत्कृष्टता की कोई आयु सीमा नहीं होती। एसोसिएशन की महासचिव नीते कौर ने भी सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी मेहनत और समर्पण युवा और उभरते खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

गोवंश तस्करी प्रयास विफल, 4 पशु मुक्त करवाए

कठुआ, 29 जनवरी (हि.स.)। कठुआ पुलिस ने गोवंश तस्करों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखते हुए पुलिस पोस्ट हटली के अधिकार क्षेत्र में गोवंश तस्करी की एक कोशिश को नाकाम किया। इस दौरान 4 गोवंशों को मुक्त कराया गया, जबकि तस्करी में इस्तेमाल किया जा रहा एक वाहन जब्त किया गया।

जानकारी के अनुसार पुलिस को पंजाब की ओर से आ रहे एक महिंद्रा बोलेरो वाहन में गोवंश तस्करी की सूचना मिली थी। विशेष नाका जांच के दौरान पुलिस ने संदिग्ध वाहन को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक मौके से फरार हो गया। तलाशी के दौरान वाहन के अंदर 4 गोवंश क्रूर तरीके से बंधे पाए गए, जिन्हें बिना किसी वैध अनुमति के ले जाया जा रहा था। पुलिस ने सभी गोवंशों को सुरक्षित बचाते हुए वाहन को मौके पर ही जब्त कर लिया। इस संबंध में थाना कठुआ में एफआईआर संख्या 53/2026 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

डिग्री कॉलेज हीरानगर को 'ग्रीन कैंपस' की मान्यता

कठुआ, 29 जनवरी (हि.स.)। सरकारी जीएलडीएम डिग्री कॉलेज हीरानगर को स्वच्छ भारत अभियान शहरी 2.0 के तहत आवास एवं शहरी विकास विभाग जम्मू-कश्मीर (यूटी) द्वारा 'ग्रीन कैंपस' के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। यह उपलब्धि कॉलेज की स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

इस अवसर पर नगर समिति हीरानगर के कार्यकारी अधिकारी ने कॉलेज की प्राचार्य डॉ. प्रज्ञा खन्ना को मान्यता प्रमाण पत्र सौंपा। साथ ही कॉलेज और नगर समिति हीरानगर के बीच स्वच्छता, कचरा प्रबंधन और पर्यावरण अनुकूल पहलों को मजबूत करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए गए। यह मान्यता कॉलेज द्वारा अपनाई गई हरित पहलों, कचरा पृथक्करण, स्वच्छता अभियानों और जागरूकता कार्यक्रमों का परिणाम है। प्राचार्य डॉ. प्रज्ञा खन्ना ने विभाग और नगर समिति का आभार जताते हुए भविष्य में भी हरित पहलों को और सशक्त बनाने का संकल्प दोहराया।

पुलिस की मुस्तैदी से लापता महिला बरामद, परिजनों को सौंपा

कठुआ, 29 जनवरी (हि.स.)। कठुआ पुलिस ने एक बार फिर अपनी तत्परता और पेशेवर दक्षता का परिचय देते हुए थाना बिलावर क्षेत्र से लापता हुई एक महिला को सकुशल बरामद कर उसके कानूनी वारिसों के सुपुर्द कर दिया।

यह कार्रवाई एसएसपी कठुआ मोहित शर्मा के समग्र पर्यवेक्षण में की गई। जानकारी के अनुसार 4 अप्रैल 2025 को मछेड़ी तहसील बिलावर निवासी संजय कुमार पुत्र दीप चंद ने थाना बिलावर में अपनी पत्नी सत्या देवी उम्र 33 वर्ष के लापता होने की लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। इस पर थाना बिलावर में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना बिलावर की एक विशेष टीम गठित की गई जिसका नेतृत्व थाना प्रभारी निरीक्षक जहीर मुश्ताक ने किया।

पुलिस टीम ने विभिन्न संभावित स्थानों पर तलाश की, सड़क किनारे लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की और तकनीकी सहायता व मानवीय सूचना तंत्र का प्रभावी उपयोग किया। लगातार प्रयासों के परिणामस्वरूप लापता महिला को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताएँ पूरी करने के बाद महिला को उसके परिजनों के हवाले कर दिया गया।

पुलिस ने फर्जी पहचान से धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया

जम्मू, 29 जनवरी (हि.स.)। डोमाना स्थित जम्मू पुलिस ने त्वरित और निर्णायक कार्रवाई करते हुए फर्जी पहचान से धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया जो जम्मू नगर निगम के अधिकारी बनकर धोखाधड़ी कर रहे थे।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इस प्रकार है मोहम्मद शबीक पिता गुलाम हुसैन निवासी अपर थथर बंतलाब जम्मू, मोहम्मद जफ्फर पिता मोहम्मद सादिक निवासी अपर थथर बंतलाब जम्मू। आरोपियों ने खुद को जेएमसी अधिकारी बताकर मकान निर्माण की आधिकारिक नगरपालिका प्रक्रियाओं से संबंधित भ्रामक दावे किए। अपनी गलत पहचान का इस्तेमाल करते हुए उन्होंने पीड़ित व्यक्तियों को दस्तावेज़ तैयार करने के बहाने ऑनलाइन लेनदेन और नकद के माध्यम से पैसे हस्तांतरित करने के लिए प्रेरित किया। सूचना और डोमाना पुलिस स्टेशन में प्राप्त शिकायत के आधार पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। जम्मू नगर निगम से सत्यापन करने पर पुष्टि हुई कि आरोपी किसी भी रूप में जम्मू नगर निगम से संबद्ध नहीं थे जिससे लेन-देन की धोखाधड़ी सिद्ध हुई। डोमाना पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 318 और 319 के तहत एफआईआर संख्या 23 2026 दर्ज की गई। तत्काल जांच शुरू की गई और एक समर्पित टीम बनाई गई

मालवीय जयंती पर जम्मू में 'विद्या दान महा दान' राष्ट्रीय कला कार्यशाला का शुभारंभ

जम्मू, 29 जनवरी (हि.स.)। पलौडा स्थित बीएसएफ कैंपस के सिंदूर ऑफिसर्स मैस में भारत रत्न पंडित मदन मोहन मालवीय की जयंती के अवसर पर 'विद्या दान महा दान' राष्ट्रीय कला कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। इस राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला का आयोजन मास्टर संसार चंद बारू मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट (एमएससीबीएमसी ट्रस्ट) द्वारा पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (भारत सरकार) के सहयोग से किया जा रहा है।

कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षा और कला के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्र निर्माण के विचार को आगे बढ़ाना है। कार्यक्रम में देशभर से 10 प्रतिष्ठित कलाकार भाग ले रहे हैं, जिनमें दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और कश्मीर के कलाकार शामिल हैं। प्रसिद्ध कश्मीरी कलाकार नौशाद गायूरो की सहभागिता ने कार्यक्रम को क्षेत्रीय पहचान भी प्रदान की।

इस अवसर पर एमएससीबीएमसी ट्रस्ट की अध्यक्ष अनुराधा ऋषि ने कहा कि पंडित मदन मोहन मालवीय का शिक्षा-आधारित विकास का दृष्टिकोण आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि कला न केवल संस्कृति की पहचान है, बल्कि छात्रों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और सामाजिक चेतना विकसित करने का सशक्त माध्यम भी है।

कार्यशाला का एक प्रमुख आकर्षण राष्ट्रीय कलाकारों और बीएसएफ स्कूल के छात्रों द्वारा संयुक्त रूप से किए गए कला कार्य हैं, जिनके तहत कैंपस की दीवारों और स्तंभों पर चित्रांकन किया गया। यह कार्यशाला 4 फरवरीतक चलेगी, जिसमें लाइव पेंटिंग, संवाद सत्र और व्यावहारिक कला प्रशिक्षण शामिल होंगे

ऑटो चालकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया

कटड़ा, 29 जनवरी (हि.स.)। कटड़ा में कार्यरत ऑटो चालकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर बुधवार को एकजुट होकर प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। ऑटो चालकों का कहना है कि लंबे समय से उनकी समस्याओं पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है जिससे उन्हें रोज़गार में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन कर रहे ऑटो चालकों ने मांग रखी कि ऑटो वाहनों की फिटनेस प्रक्रिया रियासी में ही पूरी की जाए। इसके साथ ही कटड़ा में कार्यरत बैटरी ऑटो के लिए उचित रूट उपलब्ध कराया जाए ताकि बैटरी ऑटो चालकों और अन्य ऑटो चालकों को कामकाज में किसी प्रकार की दिक्कत न हो और सभी को समान अवसर मिल सकें

कठुआ में युवा सहभागिता एवं सशक्तिकरण योजना को लेकर हुई बैठक

कठुआ, 29 जनवरी (हि.स.)। उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा ने संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए युवा सहभागिता एवं सशक्तिकरण योजना के लिए कार्ययोजना और तौर-तरीकों को अंतिम रूप देने पर चर्चा की।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और क्षमता को सकारात्मक व रचनात्मक दिशा में उपयोग करने के लिए समन्वित एवं बहु-विभागीय दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सभी हितधारक विभागों को निर्देश दिए कि वे क्षेत्रवार गतिविधियों और कार्यक्रमों की पहचान कर युवाओं के प्रभावी जुड़ाव और सशक्तिकरण के लिए ठोस प्रस्ताव तैयार करें। उन्होंने कहा कि यह समर्पित योजना जिले के युवाओं को संरचित अवसर और सार्थक सहभागिता प्रदान करने के उद्देश्य से बनाई जा रही है। बैठक में बताया गया कि युवा सेवाएं एवं खेल, शिक्षा, समाज कल्याण, पुलिस, ग्रामीण विकास, हथकरघा, हस्तशिल्प, श्रम, रोजगार, सूचना, एनआईसी, कौशल विकास, स्वास्थ्य, कृषि एवं संबद्ध विभाग इस योजना की तैयारी और क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

उपायुक्त ने उपलब्ध बुनियादी ढांचे के बेहतर उपयोग और विभागों के बीच प्रभावी समन्वय पर जोर देते हुए अधिकतम पहुंच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए कौशल विकास, करियर मार्गदर्शन, खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियां, डिजिटल साक्षरता, जागरूकता कार्यक्रम और आजीविका सृजन पहलों को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट भूमिकाओं, समय-सीमा और मापनीय लक्ष्यों के साथ क्रियान्वयन योग्य योजनाएं तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि युवा सहभागिता एवं सशक्तिकरण योजना का संरचित और सतत क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में पीओ आईसीडीएस मोहम्मद सैयद खान, सीपीओ रंजीत ठाकुर, एसीडी, एसीपी, सीएओ, डीवाईएसएसओ, जिला सूचना अधिकारी, डीआईओ एनआईसी, प्रिंसिपल आईटीआई सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर पदयात्रा' का आयोजन

जम्मू, 29 जनवरी (हि.स.)। युवाओं की लोकतांत्रिक भागीदारी को सशक्त बनाने के उद्देश्य से माय भारत जम्मू ने नेशंस डेवलपमेंट एसोसिएशन के सहयोग से जिला स्तरीय राष्ट्रीय मतदाता दिवस पदयात्रा का आयोजन किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नए और पहली बार मतदान करने वाले युवाओं को चुनावी प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना और मतदान को एक मूलभूत लोकतांत्रिक कर्तव्य के रूप में स्थापित करना था। यह आयोजन प्रधानमंत्री के जनभागीदारी से राष्ट्रनिर्माण के विज़न के अनुरूप किया गया।इस अवसर पर सहायक आयुक्त विकास, सांबा, रफीक अहमद जराल मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने युवाओं से जागरूक, नैतिक और जिम्मेदार मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि मजबूत लोकतंत्र के लिए युवाओं की सक्रिय भूमिका अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसोसिएशन के मुख्य कार्यकारी सुशील सिंह चाढ़क ने की। उन्होंने 'माय भारत, माय वोट' पहल की सराहना करते हुए कहा कि युवा भागीदारी ही सशक्त और जीवंत लोकतंत्र की रीढ़ है। पदयात्रा में माय भारत स्वयंसेवकों, युवा क्लब सदस्यों, छात्रों और सिविल सोसायटी प्रतिनिधियों सहित सैकड़ों युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली के दौरान 'माय भारत, माय वोट' के नारों से माहौल लोकतांत्रिक चेतना से गूंज उठा।

शोपियां में पीने के पानी का आया गंभीर संकट

शोपियां, 29 जनवरी (हि.स.)। दक्षिण कश्मीर के शोपियां के कई गांवों में पीने के पानी का गंभीर संकट आ गया है, जिससे पिछले 7 दिनों से लोगों, खासकर महिलाओं को लगभग 3 किलोमीटर दूर से पानी लाना पड़ रहा है। सेडो, बेमनीपोरा, हाजीपोरा, मेमंदर जैसे इन गांवों की महिलाएं रोजाना अपने कंधों पर पानी ढो रही हैं और घर की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए मुश्किल हालात का सामना कर रही हैं। इस स्थिति से लोगों में काफी परेशानी आ रही है स्थानीय लोगों का कहना है कि पीने के पानी की कमी ने सामान्य जीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है और उनकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

उप मुख्य इंजीनियर / पुल / कार्यशाला, उत्तर रेलवे, जालंधर छावनी के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से, ओपन ई-टेंडर को एकल पैकेट सिस्टम के तहत निमंत्रित किया गया है।

क्रम सं.	निविदा सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रुपये)	धरोहर राशि (रुपये)	खुलने की तिथि	IREPS पर बोली लगाने की तिथि	निविदा फार्म की लागत (रुपये)	कार्य समापन का समय
1.	OT-02-JRC-2026	SSE/BR/M/UMB के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत SRE-UMB सेक्शन में पुल संख्या 242 UP (2 x 12.2 मीटर + 1 x 25.62 मीटर), और 242 DN (2 x 12.2 मीटर + 1 x 25.62 मीटर), पुल संख्या 251 UP (1x61 मीटर) और 251 DN (3 x 30.5 मीटर) तथा KLK-SML सेक्शन पर पुल संख्या 272 (1 x 18.3 मीटर) और पुल संख्या 800 (1 x 18.3 मीटर) पर साइड पाथवे का प्रावधान करना।	1,00,05,212.44	2,00,000.00	19.02.2026	05.02.2026 से 19.02.2026	0	10 महीने

निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए दिनांक और समय	प्रत्येक के खिलाफ दिखाए गए तिथियों पर 15:00 बजे तक और उसी समय 15:00 बजे के बाद।
वेबसाइट विवरण जहां निविदा का पूरा विवरण देखा जा सकता है और डाउनलोड किया जा सकता है।	विस्तृत ई-निविदा सूचना उत्तरी रेलवे वेब साइट **www.nr.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध है और निविदा दस्तावेज **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

No. 80-W/30/Bridges/ Invitation Dated: 28.01.2026 322/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

शिक्षा सचिव से शिष्टाचार भेंट कर संस्कृत व वैदिक शिक्षा के संरक्षण पर चर्चा की

जम्मू, 29 जनवरी (हि.स.)। श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष, प्रख्यात ज्योतिषाचार्य एवं स्टेट अवॉर्डी महंत रोहित शास्त्री ने जम्मू सचिवालय में जम्मू-कश्मीर स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव एवं उच्च शिक्षा विभाग का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे श्री राम निवास शर्मा (आईएएस) से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर महंत रोहित शास्त्री ने जम्मू-कश्मीर के माननीय उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा पर प्रकाशित अभिनंदन ग्रंथ सचिव महोदय को भेंट कर सम्मानित किया। यह भेंट प्रदेश में शिक्षा, संस्कृति एवं आध्यात्मिक मूल्यों के संरक्षण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का प्रतीक रही।भेंट के दौरान महंत रोहित शास्त्री ने श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट द्वारा संस्कृत भाषा, वैदिक शिक्षा, ज्योतिष एवं भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा, दर्शन, विज्ञान और सांस्कृतिक चेतना की आधारशिला है।

उन्होंने आग्रह किया कि प्रदेश की शिक्षा प्रणाली में आधुनिक भाषाओं के साथ-साथ संस्कृत को भी विशेष महत्व दिया जाए, ताकि युवा पीढ़ी अपने सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़ सके। विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में संस्कृत अध्ययन को बढ़ावा देने, शिक्षकों की नियुक्ति और संस्कृत आधारित कार्यक्रमों के आयोजन पर भी बल दिया गया।

ड्रोन के माध्यम से सीड डिस्पर्सल कार्यक्रम आयोजित

कटड़ा, 29 जनवरी (हि.स.)। कटड़ा श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए त्रिकूट पर्वत पर ड्रोन के माध्यम से सीड डिस्पर्सल कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पहल का उद्देश्य आने वाले समय में त्रिकूट पर्वत क्षेत्र को अधिक हरा-भरा और पर्यावरण की दृष्टि से समृद्ध बनाना है। इस उपलक्ष्य में वीरवार को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम सीईओ श्राइन बोर्ड की प्रत्यक्ष निगरानी में संपन्न हुआ जिसमें एक निजी विशेषज्ञ टीम द्वारा ड्रोन तकनीक की सहायता से पर्वतीय क्षेत्र में बीजों का छिड़काव किया गया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण भी किया गया। श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि यह पहल न केवल हरित आवरण बढ़ाने में सहायक होगी बल्कि जैव विविधता के संरक्षण और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
PWD (R&B) DIVISION REASI

FINAL NOTICE

Sh. Sohani RajputContractor,
W/O Sh. Mohan Singh ,
R/o village Dhanour Tehsil Arnas,
District Reasi.

No.8018-23 **Date.27-1-2026**

Sub: - Allotment of Contract for construction of disable friendy Toilet (SWSN) at Govt. High School Khanikote Zone Arnas District Reasi.

The above noted work was allotted in your favour by the Executive Engineer Construction Division No. III Education Department (SSA/RMSA) Jammu vide his office allotment NO. Edu/Xen/III-J/SmS/23/5000-5008 Dated 01-12-2022 for an amount of Rs. 199476/- with the completion period of 120 Days. But after lapse of more then 3 years you were failed to start the work.

In this connection, you are hereby requested through the print media to resume the work within 05 Days positively & complete the same within 01 month from the date of issuance of this notice, failing which your performance security as well additional performance security will be forfeited & fresh tender will be invited at your risk & cost, please note.

Treat this as final notice & no correspondence will be made in future.

Sd/-
Executive Engineer
PWD (R&B) Division
Reasi

DIP/J-10769/25
Dtd: 29-1-2026

संपादकीय

छात्रों के लिए उपचारात्मक पहल

जम्मू और कश्मीर सरकार ने छात्रों में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति को रोकने के लिए एक आवश्यक कदम उठाते हुए सभी जिलों में जिला स्तरीय निगरानी समितियों का गठन किया है। यह एक सकारात्मक शुरुआत है और उम्मीद की जा रही है कि आने वाले समय में संबंधित विशेषज्ञों की सहायता लेकर इस दिशा में और ठोस प्रयास किए जाएंगे, ताकि किसी भी निर्दोष जीवन को परिस्थितियों की गलत समझ या अनुचित प्रबंधन के कारण न खोना पड़े।

इस संबंध में, बताया गया है कि सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा गठित इन समितियों की अध्यक्षता उपायुक्त करेंगे, जबकि मुख्य शिक्षा अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी तथा एक सिविल सोसाइटी प्रतिनिधि इनके सदस्य होंगे।

आशा है कि यह व्यावहारिक कदम छात्र समुदाय तक यह सही संदेश पहुंचाने में सफल होगा कि वे अकेले नहीं हैं, उनका जीवन अनमोल है और सरकार उनके तनाव, दबाव या किसी भी प्रकार की आशंका से उबरने में उनकी सहायता के लिए सदैव उपलब्ध है। यद्यपि जिला स्तर पर विशेष समितियों का गठन कर सरकार ने इस गंभीर मुद्दे पर अपनी चिंता दर्शाई है, लेकिन वास्तव में सबसे पहले स्थिति को समझने और युवाओं को सकारात्मक परामर्श देने की भूमिका माता-पिता और शिक्षकों की ही होती है, जो बच्चों को कोई भी गलत या अतिवादी कदम उठाने से रोक सकते हैं।

इसके लिए यह आवश्यक है कि छात्रों को बिना किसी भय या निर्णय के अपने तनाव, असफलताओं और भावनाओं के बारे में खुलकर बात करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

ऐसा वातावरण बनाने की जिम्मेदारी माता-पिता और शिक्षकों पर ही होती है, क्योंकि यदि वे धैर्यपूर्वक बच्चों की बात सुनें और उनकी समस्याओं को छोटा, महत्वहीन या अस्थायी मानकर न टालें, तो कई गंभीर परिस्थितियों से बचा जा सकता है।

इस दिशा में जरूरी है कि ये समितियां विषय विशेषज्ञों की सहायता से शिक्षकों और माता-पिता के लिए समर्पित और व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करें, ताकि युवाओं के संपर्क में आने वाला प्रत्येक व्यक्ति एक परामर्शदाता की भूमिका निभा सके और उनके भय, आशंकाओं तथा भटकाने वाले विचारों का समय रहते समाधान किया जा सके, जिससे वे किसी भी हानिकारक निर्णय की ओर न बढ़ें।

इसके अतिरिक्त, जहां तक संभव हो, स्कूलों और कॉलेजों में प्रशिक्षित काउंसलरों की नियुक्ति की जानी चाहिए और उनके सत्रों को नियमित समय-सारणी में शामिल किया जाना चाहिए। एक और महत्वपूर्ण कदम नियमित मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सत्रों का आयोजन हो सकता है, जिससे छात्र तनाव, चिंता और अवसाद को समझ सकें। वहीं माता-पिता को भी अपने बच्चों से अवास्तविक अपेक्षाएं रखना बंद करना चाहिए, क्योंकि यह भी बच्चों में तनाव, अवसाद और बढ़ते दबाव का एक बड़ा कारण है।

आज के कट्टर प्रतिस्पर्धा वाले दौर में यह बेहद आवश्यक है कि शिक्षक, माता-पिता और अन्य संबंधी बच्चों के साथ करुणा और सौहार्दपूर्ण व्यवहार करें, न कि उन्हें डांट-फटकार कर या दूसरों से तुलना करके उनकी पहुंच से बाहर के परिणामों की मांग करें।

अंतरराष्ट्रीय मीडिया और वैश्विक प्रमुखों ने भारत-ईयू एफटीए की प्रशंसा की

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते के पूर्ण होने पर दुनिया भर में, अंतरराष्ट्रीय मीडिया, विदेशी राजनीतिक नेतृत्व, वैश्विक व्यापार प्रमुखों और सम्मानित नीति विशेषज्ञों ने मज़बूत और सकारात्मक प्रतिक्रियाएं दी हैं। इस समझौते को आर्थिक और भू-राजनीतिक दोनों तरह से ऐतिहासिक, रणनीतिक और सही समय पर उठाया गया कदम बताया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया दुनिया के प्रमुख मीडिया संस्थानों ने भारत-ईयू एफटीए की व्यापकता, महत्वाकांक्षा और रणनीतिक समय का उल्लेख किया है। द टेलीग्राफ ने जेम्स क्रिस्प के मोदी इज़ द रियल विनर इन मदर ऑफ ऑल ट्रेड डील्स विद् ईयू; शीर्षक से एक लेख में इस समझौते को सभी व्यापार समझौतों की जननी बताते हुए कहा कि भारत इस मामले में असली रणनीतिक विजेता के रूप में उभरा है। अख़बार ने बताया कि यह समझौता ईयू से भारत को होने वाले 96.6 प्रतिशत निर्यात पर टैरिफ को खत्म या कम करता है, जबकि ईयू सात वर्षों में 99.5 प्रतिशत भारतीय सामानों पर टैरिफ कम करेगा। ब्लूमबर्ग ने डैन स्ट्रमफ के ऑल रोड्स लीड टू मोदी एज़ वर्ल्ड हेजिज ट्रम्प; शीर्षक से एक लेख में कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुआ मदर ऑफ ऑल डील्स समझौता एक उभरते हुए पैटर्न का नवीनतम उदाहरण है- भारत देशों के लिए पसंदीदा पार्टनर बन रहा है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने इस समझौते को वैश्विक टैरिफ बाधाओं के प्रति मध्यम शक्तियों की प्रतिक्रिया के रूप में पेश करते हुए लिखा कि कैसे भारत और ईयू अमेरिकी व्यापार नीतियों से पैदा हुई अनिश्चितता के बीच गठबंधन का विस्तार कर रहे हैं। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह समझौता लगभग दो दशकों की बातचीत के बाद दुनिया के सबसे बड़े आर्थिक ब्लॉक और सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था को एक साथ लाता है। द वाशिंगटन पोस्ट ने इसे एक ऐतिहासिक समझौता बताया और अपनी हेडलाइन में कहा कि ;भारत और ईयू ने एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते में 'मदर ऑफ ऑल डील्स पर मुहर लगाई। द गार्जियन ने इसे 'मदर ऑफ ऑल डील्स- ईयू और भारत ने मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए के तौर पर अपनी खबरों में जगह दी। इसी तरह की हेडलाइन बीबीसी ने भी देते हुए कहा- भारत और ईयू ने मदर ऑफ ऑल डील्स की घोषणा की। ब्लूमबर्ग ने अपने एक और लेख में सघन आपूर्ति श्रृंखला समेकन की संभावनाओं पर चर्चा करते हुए बताया कि कारों पर ड्यूटी पहले के 100 प्रतिशत से अधिक के स्तर की तुलना में 10 प्रतिशत तक कम हो जाएगी और ऑटो कंपोनेंट्स पर ड्यूटी खत्म कर दी जाएगी। एसोसिएटेड प्रेस ने इस समझौते की व्यापकता की जानकारी देते हुए अपनी हेडलाइन में कहा कि भारत और यूरोपीय संघ ने एक मुक्त व्यापार समझौते पर सहमति जताई जो वैश्विक व्यापार का एक तिहाई हिस्सा है। इस समझौते के पैमाने को अल जज़ीरा ने भी इस समझौते को प्रमुखता से दिखाते हुए कहा कि मदर ऑफ ऑल डील्स- भारत-ईयू ट्रेड डील से 27 ट्रिलियन डॉलर का बाज़ार बनेगा। रॉयटर्स ने इसे एक ऐतिहासिक समझौता बताते हुए कहा कि भारत, ईयू ने ऐतिहासिक व्यापारिक समझौता किया, ज़्यादातर सामानों पर टैरिफ कम किए जाएंगे। फॉक्स न्यूज़ पर पाकिस्तानी पत्रकार कमर चीमा ने कहा कि इस समझौते से भारत को फायदा होने वाला है, क्योंकि कई अहम सेक्टर में टैरिफ घटाकर ज़ीरो कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देश अब यूरोपीय बाज़ार में भारत से मुकाबला नहीं कर पाएंगे। वैश्विक प्रमुख पूरे यूरोप के कई वरिष्ठ राजनीतिज्ञों ने सार्वजनिक तौर पर इस समझौते का स्वागत किया। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ ने बातचीत के नतीजे को बहुत ही सकारात्मक संकेत बताया और इस वृद्धि और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए इसे शीघ्र अति शीघ्र लागू करने की अपील की। फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने भारत-ईयू एफटीए को ऐतिहासिक और दोनों पक्षों द्वारा अब तक का सबसे बड़ा व्यापार समझौता बताते हुए कहा कि इससे आर्थिक और राजनीतिक संबंध काफी मजबूत होंगे। स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने कहा कि यह समझौता सहयोग के एक नए युग की शुरुआत है, जो व्यापार और साझेदारी के माध्यम से समृद्धि, प्रतिस्पर्धा और सुरक्षा को मजबूत करेगा। ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉक ने कहा कि यह समझौता दो अरब लोगों को फायदा पहुंचाने वाला एक मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाता है और इसे तेजी से बदलती वैश्विक व्यवस्था में यूरोप की उदार नीति के लिए एक बड़ा कदम बताया। डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन ने समझौते को पूरा समर्थन देते हुए इसे भू- राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बताया और दो अरब लोगों के संयुक्त बाजार में पहले कदम उठाने के लाभ पर जोर दिया। फ्रांस के विदेश व्यापार और आर्थिक मंत्री निकोलस फोरिसियर ने ईयू-भारत समझौते को एक बड़ा राजनीतिक कदम बताते हुए इस बात पर जोर दिया कि यह दूसरे समझौतों से अलग है। यूरोपीय संसद के सदस्य सैंड्रो गोज़ी ने कहा कि यह समझौता साफ तौर पर साझेदारी में विविधता लाने और अपनी स्वायत्तता और स्वतंत्रता बढ़ाने की ईयू की जरूरत को दिखाता है। उन्होंने भारत को एक प्रमुख वैश्विक राष्ट्र बताते हुए कहा कि भू-राजनीतिक और कूटनीतिक नजरिए से, यह समझौता यूरोपीय और भारतीयों दोनों के लिए महत्वपूर्ण अवसर खोलता है। व्यापार प्रमुख और संगठन भारत में काम कर रहे यूरोपीय और वैश्विक व्यापार प्रमुखों ने इस समझौते से अत्यंत उम्मीद जताते हुए इसे लंबे समय से प्रतीक्षित सफलता बताया। एयरबस में भारत और दक्षिण एशिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक और फेडरेशन ऑफ यूरोपियन बिजनेस इन इंडिया के अध्यक्ष जुर्गन वेस्टरमेयर ने एफटीए को 20 वर्ष की वार्ता के बाद एक बड़ा पल बताते हुए कहा कि यह दोनों पक्षों के लिए अवसरों को बढ़ाने का काम करेगा। एयरबस इंटरनेशनल के अध्यक्ष वाउटर वैन वर्श ने इसे शानदार दिन बताया, और मेक इन इंडिया, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, रक्षा, अंतरिक्ष और अत्याधुनिक विनिर्माण के प्रति एयरबस की लंबी अवधि की प्रतिबद्धता को दोहराया इंडो-जर्मन चैंबर ऑफ कॉमर्स के महानिदेशक जान नोएथर ने कहा कि यह समझौता दो अरब लोगों और वैश्विक जीडीपी के लगभग एक चौथाई हिस्से को एक साथ लाता है, और इसे मदर ऑफ ऑल ट्रेड्स बताया। बर्लिन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईएचके बर्लिन) के अध्यक्ष, सेबेस्टियन स्टीज़ेल ने भारत-ईयू एफटीए को लगातार तनावपूर्ण वैश्विक स्थिति में खुलेपन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि भारत अब भविष्य का बाज़ार नहीं, बल्कि वर्तमान का बाज़ार है, जिसमें बर्लिन को अब अवसरों का फ़ायदा उठाना चाहिए। वोक्सवैगन, बीएमडब्ल्यू और मर्सिडीज-बेंज जैसी प्रमुख जर्मन कार निर्माताओं के सीईओ सहित प्रमुख उद्योग प्रतिनिधियों ने भारत में जर्मन निर्यात को बढ़ावा देने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने के इस समझौते की क्षमता की सराहना की। क्रोएशियाई एम्प्लॉयर्स एसोसिएशन (एचयूपी) और बिजनेसयूरोप ने वैश्विक संरक्षणवाद के बीच ईयू-भारत एफटीए को ईयू के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक कदमों में से एक बताया। स्वीडिश व्यापार संगठनों जैसे स्वेन्स्कट नेरिंग्सलिव और फ़ोरेटैगार्ना ने इसे एक बड़ा अवसर बताया है, जिसमें कम टैरिफ और बेहतर बाज़ार पहुंच का हवाला दिया गया है। आयरिश आर्थिक और व्यावसायिक निकायों ने ईयू-भारत एफटीए का स्वागत किया है। चैंबर्स आयरलैंड ने इसे एक ऐतिहासिक समझौता बताया जो आयरिश निर्यातकों, विशेष रूप से मशीनरी और कृषि-खाद्य क्षेत्रों के लिए बाज़ार पहुंच और विविधीकरण को बढ़ाता है। अन्य वरिष्ठ व्यावसायिक हस्तियों, जिनमें फ्रैंक श्लोडर (मैनेजिंग डायरेक्टर, हेफ़ेल साउथ एशिया), थॉमस वोल्टर (मैनेजिंग डायरेक्टर, क्रोन्स मशीनरी इंडिया), लार्स एरिक जोहानसन (एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट, ऑक्सिया जीएमबीएच), जान-ओलोफ़ जैक (सीईओ, कन्फेडरेशन ऑफ़ स्वीडिश एंटरप्राइज) और फ्रेडरिक पर्सन (प्रेसिडेंट, बिजनेसयूरोप) शामिल हैं, ने इस समझौते का नियमों पर आधारित व्यापार, आपूर्ति-श्रृंखला उदारता, एसएमई विकास और दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धा के लिए एक मजबूत संकेत के रूप में स्वागत किया। अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ और थिंक टैंक वैश्विक नीति विशेषज्ञों और थिंक टैंक ने इस समझौते को ठोस रूप से मजबूत और रणनीतिक रूप से सही समय पर किया गया फैसला बताया। सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस) के वरिष्ठ सलाहकार रिचर्ड रॉसो ने कहा कि यह समझौता दुनिया की एक चौथाई आबादी और वैश्विक व्यापार के एक बड़े हिस्से को एक साथ लाता है और उन्होंने कहा कि यह सकारात्मक दृष्टिकोण मजबूत आधार को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के हाल के एफटीए गहरे और अधिक महत्वाकांक्षी व्यापार प्रतिबद्धताओं की ओर एक स्पष्ट बदलाव दिखाते हैं। अटलांटिक काउंसिल के सीनियर फेलो माइकल कुगेलमैन ने भारत-ईयू एफटीए को सही समय पर सही समझौता बताते हुए इस बात पर जोर दिया कि यह अमेरिकी टैरिफ से परे है और एक व्यापक, तेजी से बढ़ती रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करता है। भू-राजनीतिक रणनीतिकार वेलिना चकारोवा ने इसे पैमाने और रणनीतिक इरादे दोनों के मामले में इस दशक के सबसे महत्वपूर्ण भू-आर्थिक समझौतों में से एक बताया। कील इंस्टीट्यूट फॉर द वर्ल्ड इकोनॉमी ने कहा कि गहरे ईयू-भारत एकीकरण से द्विपक्षीय व्यापार में 41 से 65 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है, दोनों पक्षों में जीडीपी के 0.12-0.13 प्रतिशत तक वास्तविक आय बढ़ सकती है। यूरोपियन काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस ने ईयू-भारत एफटीए को हाल के वर्षों में हुए सबसे बड़े व्यापार समझौतों में से एक बताया, जिसमें सामान, सेवाएं, निवेश, डिजिटल व्यापार और नियामक सहयोग शामिल हैं। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रेटेजिक स्टडीज (आईआईएसएस) ने कहा कि कई भागीदारों के साथ व्यापार समझौतों को आगे बढ़ाने पर भारत की हाल की प्रगति- एक अधिक खुली अर्थव्यवस्था की ओर एक कदम का संकेत देती है और यह भारत के अपने दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की संभावनाओं को बढ़ाएगा।

शिक्षा बजट में समाज-विज्ञानों पर ध्यान देने की जरूरत

– गिरीश्वर मिश्र

अंग्रेज़ों से स्वतंत्रता मिलने के समय भारत को एक पिछड़ा और तीसरी दुनिया का देश मान कर उसके लिए 'विकास' को जरूरी कदम ठहराया गया। इस क्रम में विकास को पश्चिमी देशों की स्थिति के अनुसार पहचाना और परिभाषित किया गया। इसके अनुरूप विकसित भारत के रूपांतरण के लिए आधुनिक भारत में शिक्षा की योजना में प्राकृतिक विज्ञानों और प्रौद्योगिकी पर ज़्यादा बल दिया जाता रहा। इसी बात को ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिक दृष्टिकोण या मनोवृत्ति (साइंटिफ़िक टेम्पर) अपनाने की बात भी की जाती रही है। इसके लिए अभियान भी चले। आज भी यह फैशन में है और बहुतों की नजर में भारतीयता या भारतीय ज्ञान संपदा वैज्ञानिक मनोभाव के लिए खतरा है। साथ ही समस्याओं के समाधान के लिए प्रौद्योगिकी के अध्ययन पर भी विशेष बल दिया गया। इसी क्रम में व्यावसायिक शिक्षा के विविध पक्षों (जैसे-कानून, चिकित्सा, प्रबंधन आदि) की ओर भी ध्यान दिया गया, अनेक संस्थाएं खड़ी हुईं और अनेक उच्चस्तरीय शिक्षा संस्थानों की नींव पड़ी और इसका क्रम आगे भी जारी है।

आम जनता में भी यही क्रम प्रचारित-प्रसारित होता रहा और यही छवि स्वीकार की गई। विज्ञान और प्रौद्योगिकी को आर्थिक दृष्टि से अधिक महत्वपूर्ण माना गया। इस कारण छात्रों और उनके अभिभावकों की रुझान भी इसी दिशा ओर बढ़ती रही। इसी वरीयता क्रम के साथ सरकार की ओर से शिक्षा के लिए संसाधन भी मुहैया किए जाते रहे। सामाजिक विज्ञानों और मानविकी पर अध्ययन-अनुसंधान के लिए कोई ख़ास तवज्जो नहीं रहा। इसके परिणामस्वरूप सामाजिक विज्ञानों के लिए आवश्यक सुविधा और अनुदान के लिए सहयोग भी अपेक्षाकृत कम मात्रा में मिलता रहा।

गौरतलब है कि समाज हर तरह के विकास की कसौटी है और लक्ष्य भी। अंततः सारी योजनाएं और आयोजन समाज की स्थिति को सुधारने और जीवन की गुणवत्ता सुधारने से जुड़ी होती हैं। सामाजिक परिवर्तन को किसी तरह नजरअंदाज़ नहीं किया जा सकता। हर समाज में निरंतरता और परिवर्तन दोनों होते रहते हैं। ऐसे में समाज की गतिविधि और उसकी संस्थाओं को समझना और उनमें सुधार की निरंतर जाँच पड़ताल होती रहनी चाहिए।

दरअसल, समाज का उद्विकास (इवोल्यूशन) होता है, यानी जो है उसमें से फिर पनपता है। बाहर से आरोपित होने पर वह आत्मसात नहीं हो पाता है। इसलिए बिना जाने-समझे परम्परागत ज्ञान की उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए। केवल प्राकृतिक विज्ञानों से ही सामाजिक विकास का लक्ष्य नहीं पूरा हो सकता। समाज भी कई स्तरों पर संचालित होता है। समुदाय, देश के अंदर, देश के बाहर, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले परिवर्तन एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं। इसलिए समाज विज्ञानों और मानविकी का अध्ययन आवश्यक है।

समाज गतिशील संरचना है। इसलिए समय के साथ सहयोग और संघर्ष भी बढ़ते हैं।

शिक्षा समाज की अत्यंत महत्वपूर्ण आवश्यकता होती है और भारत में अति प्राचीनकाल से इसकी समृद्ध परम्परा रही है। यहाँ विश्व प्रसिद्ध शिक्षा केंद्र और गुरुकुल रहे हैं। जब अंग्रेज़ आए थे तो उन्हें भारत में एक अच्छी शिक्षा मौजूद मिली थी। परंतु उन्होंने अपने शासन को स्थापित करने के लिए देश के मानस को बदलने की ज़रूरत महसूस की और ऐसी शिक्षा को यहाँ रोपा जो समाज को उसकी संस्कृति से काट दे। इसलिए औपनिवेशिक शिक्षा में अंग्रेजों ने अपने हित के अनुसार भारतीय शिक्षा को उखाड़ दिया था। वह हाशिए पर पहुँच गई और उसकी जगह पश्चिमी शिक्षा को स्थापित किया था। औपचारिक रूप से उसे आजीविका से भी जोड़ दिया गया। शिक्षा का माध्यम भी विदेशी भाषा अंग्रेज़ी को बना दिया गया। इसका अभ्यास लगभग दो सदियों में इस तरह सुदृढ़ किया गया कि भारतीय भाषाएँ अनौपचारिक प्रयोग का विषय बनकर रह गईं और शिक्षा में आगे बढ़ने के लिए अंग्रेज़ी अनिवार्य हो गई। इस तरह विषय वस्तु, सिद्धांत और उसके अध्ययन और शोध के लिए माध्यम के रूप में अंग्रेजी का प्रचार-प्रसार लगातार बढ़ता गया। इस प्रक्रिया ने अंग्रेजी की प्रतिष्ठा को ठोस आधार प्रदान किया। इसने लोगों की सांस्कृतिक अभिरुचि और सांस्कृतिक ज्ञान दोनों को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया। उसी की व्यवस्था में भारतीय शिक्षा जकड़ती चली गई।

इस पाश्चात्य मॉडल की शिक्षा को वैश्विक मान लिया गया और उसी रूप में इसके प्रति हमारी श्रद्धा बनती गई जबकि सभी विकसित देशों में शिक्षा का आयोजन स्वाभाविक रूप से उनकी अपनी भाषा और उनकी अपनी संस्कृति से जुड़ कर ही किया जाता रहा। भारत द्वारा स्वीकार की गई नई शिक्षानीति समावेशी दृष्टि अपनाते हुए देश की सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता को बौद्धिक और सामाजिक संसाधन की तरह देखती है। इसके अंतर्गत स्थानीय और राष्ट्रीय परिदृश्य को स्थान दिया गया है। यह भी एक महत्वपूर्ण संकल्प किया गया है कि मातृभाषाओं को शिक्षा प्रक्रिया के केंद्र में लाया गया है। देश में संपर्क, सौहार्द और समरसता लाने के लिए त्रिभाषा सूत्र को अमल में लाने के लिए यत्न किया जा रहा है। साथ ही शिक्षा नीति में भारत की विशाल सांस्कृतिक विरासत के साथ सक्रिय संवाद स्थापित करने का अधिकाधिक अवसर बनाया गया है। इन बातों को ध्यान में रखकर नए बजट में शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। अब तक शिक्षा के लिए नगण्य प्रावधान होता रहा है। युवा भारत को कुशल और सक्षम मानव संसाधन में रूपांतरित करने के लिए उदारतापूर्वक संसाधन उपलब्ध कराने होंगे। आशा है भारत सरकार इस दिशा में ज़रूरी व्यवस्था करेगी।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

विमान हादसों में नेताओं की असमय विदाई: दुर्योग या विमानन व्यवस्था की कमजोरी

– डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत की राजनीतिक यात्रा बार-बार आकाशी हादसों की भेंट चढ़ती रही है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की बारामती विमान दुर्घटना ने एक बार फिर पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। पांच लोगों की मौत के साथ राजनीति में एक ऐसा शून्य पैदा हुआ, जिसकी भरपाई केवल संवेदनाओं से संभव नहीं। यह पहला मामला नहीं है- संजय गांधी (1980), माधवराव सिंधिया (2001), वाई.एस. राजशेखर रेड्डी (2009) जैसे उदाहरण बताते हैं कि उच्च पदस्थ नेताओं की अकाल मृत्यु बार-बार एक ही प्रश्न खड़ा करती है- क्या विमान हादसे महज़ संयोग हैं, किसी साजिश का परिणाम या विमानन व्यवस्था की संरचनात्मक कमजोरी?

भारतीय राजनीति में हवाई यात्रा अब सुविधा नहीं बल्कि जीवनरेखा बन चुकी है। चुनावी दौर में एक प्रत्याशी औसतन 120-150 सभाएँ करता है; सप्ताह में 40-50 उड़ानें असामान्य नहीं। महाराष्ट्र जैसे बड़े और राजनीतिक रूप से सक्रिय राज्य में बारामती-मुंबई-दिल्ली के बीच निरंतर आवाजाही समय की मजबूरी है। ऐसे में चार्टर्ड विमान और हेलीकॉप्टर नेताओं की पहली पसंद बनते हैं।

लेकिन यही विकल्प सबसे अधिक जोखिमपूर्ण भी हैं। आंकड़े बताते हैं कि प्राइवेट और चार्टर्ड विमानों की दुर्घटना दर कमर्शियल एयरलाइंस की तुलना में कई गुना अधिक है। कारण स्पष्ट हैं- सीमित पायलट अनुभव, पुराने विमानों का उपयोग, मौसम पर अत्यधिक निर्भरता, अस्थायी हेलीपैड और डीजीसीए की अपेक्षाकृत ढीली निगरानी।

अजित पवार की दुर्घटना हो या वाईएस राजशेखर रेड्डी का हेलीकॉप्टर हादसा या माधवराव सिंधिया का चार्टर्ड विमान- प्रारंभिक और अंतिम जाँचें बार-बार पायलट त्रुटि, तकनीकी विफलता या प्रतिकूल मौसम की ओर इशारा करती हैं।

यह भी स्पष्ट है कि नेता रेल या कमर्शियल फ्लाइट से इसलिए बचते हैं क्योंकि वे चुनावी प्रचार की गति से मेल नहीं खा पातीं।

चुनावी मौसम में यह जोखिम कई गुना बढ़ जाता है। साल 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान सैकड़ों हेलीकॉप्टर और चार्टर्ड विमान किराये पर लिए गए। कई मामलों में रखरखाव प्रमाणपत्रों, पायलट रेस्ट-नॉर्म्स और हेलीपैड मानकों की अनदेखी सामने आई। राजनीतिक दलों द्वारा लिए जाने वाले तथाकथित 'पॉलिटिकल पैकेज'- कम कीमत, पुराने मॉडल- जोखिम को और बढ़ाते हैं।

एक बड़ा सवाल यह भी है कि क्या वास्तव में केवल नेता ही विमान हादसों में मरते हैं? उत्तर है- नहीं। भारत में हर वर्ष सैकड़ों छोटे विमान और हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएँ होती हैं, जिनमें आम नागरिक भी मारे जाते हैं। लेकिन मीडिया का फोकस हाई-प्रोफाइल चेहरों पर टिक जाता है। यही चयन-पूर्वाग्रह है- जो दिखता है, वही पूरा सत्य लगने लगता है।

वैश्विक स्तर पर भी यही प्रवृत्ति दिखती है। अमेरिका में जॉन एफ. कैनेडी जूनियर, यूरोप में पोलैंड के राष्ट्रपति लेह काचिंस्की, अफ्रीका और रूस में राष्ट्राध्यक्षों की हवाई दुर्घटनाएँ- हर जगह साजिश की थ्योरी पहले आती है, तथ्य बाद में। जबकि अंतरराष्ट्रीय विमानन आंकड़े बताते हैं कि अधिकांश दुर्घटनाएँ मानवीय भूल और सिस्टम फेलियर का परिणाम होती हैं। दुर्भाग्य से सनसनीखेज़ी पत्रकारिता इन हादसों को 'राजनीतिक षड्यंत्र' में बदल देती है। इससे न केवल जांच प्रक्रिया प्रभावित होती है बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं पर अविश्वास भी गहराता है।

समस्या मूलतः व्यवस्थागत है। डीजीसीए के पास चार्टर्ड विमानों की निगरानी के लिए संसाधन सीमित हैं। चुनाव आयोग के दिशा-निर्देश मौजूद हैं, पर उनका प्रवर्तन कमजोर है। पायलट प्रशिक्षण, मौसम पूर्वानुमान प्रणाली और अस्थायी हेलीपैड- तीनों में गंभीर सुधार की ज़रूरत है।

अब समय आ गया है कि शोक के बाद भूलने की परंपरा छोड़ी जाए। इसके लिए कुछ ठोस और व्यावहारिक कदम अनिवार्य हैं।

सबसे पहले, राजनेताओं के लिए एक डेडिकेटेड एयर विंग विकसित किया जाना चाहिए, ठीक उसी तरह जैसे भारतीय वायुसेना का वीवीआईपी बेड़ा संचालित होता है, जिसमें आधुनिक हेलीकॉप्टर, उन्नत जीपीएस-रडार सिस्टम और अत्यधिक प्रशिक्षित पायलट हों। दूसरा, चुनावी मौसम में उपयोग होने वाले चार्टर्ड विमानों और हेलीकॉप्टरों के लिए सख्त राष्ट्रीय मानक तय किए जाएँ और उनकी रियल-टाइम डिजिटल ट्रैकिंग अनिवार्य की जाए, ताकि सुरक्षा से कोई समझौता न हो। तीसरा, नेताओं की अत्यधिक यात्रा को कम करने के लिए वर्चुअल रैलियों, डिजिटल संवाद और तकनीक आधारित प्रचार को प्रोत्साहित किया जाए, जिससे अनावश्यक उड़ानों का दबाव घटे। चौथा, पायलट प्रशिक्षण, उड़ान से पहले तकनीकी जाँच और विमान रखरखाव पर जीरो-टॉलरेंस नीति अपनाई जाए तथा नियमों का उल्लंघन करने वाली प्राइवेट कंपनियों पर कठोर दंड लगाया जाए। अंततः, मीडिया के लिए भी जिम्मेदार रिपोर्टिंग संबंधी स्पष्ट गाइडलाइंस तय हों, ताकि हर विमान हादसे को साजिश में बदलने की प्रवृत्ति पर रोक लग सके।

नेताओं की असमय मृत्यु केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं होती- वह सत्ता संतुलन, नीतिगत निरंतरता और लोकतांत्रिक भरोसे को भी चोट पहुँचाती है। अजित पवार, वाई.एस.आर. या संजय गांधी- हर हादसा हमें चेतावनी देता है। विमान दुर्घटनाएँ साजिश नहीं बल्कि लापरवाही, दबाव और कमजोर व्यवस्था का परिणाम हैं। अगर आज सुधार नहीं हुआ तो कल शोक केवल दोहराया जाएगा।

लोकतंत्र के पायलटों को सुरक्षित आकाश चाहिए- यह केवल एक भावनात्मक नारा नहीं बल्कि समय की ठोस माँग है। बार-बार होने वाले विमान और हेलीकॉप्टर हादसे यह स्पष्ट कर चुके हैं कि समस्या किसी एक नेता, एक दल या एक राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारी राजनीतिक यात्रा-संस्कृति और विमानन व्यवस्था की गहरी संरचनात्मक कमजोरी से जुड़ी है।

जब लोकतंत्र के प्रतिनिधि असुरक्षित साधनों से यात्रा करने को मजबूर होते हैं तो उसका दुष्परिणाम केवल एक परिवार या दल नहीं बल्कि पूरे शासन तंत्र को भुगतना पड़ता है।

नेताओं की असमय मृत्यु सत्ता में शून्य, नीतियों में अस्थिरता और जनता के भरोसे में दरार पैदा करती है। इसके साथ ही साजिश की अफवाहें लोकतांत्रिक संस्थाओं को और कमजोर करती हैं। इसलिए ज़रूरत इस बात की है कि हर हादसे के बाद संवेदना व्यक्त कर आगे बढ़ जाने के बजाय ठोस सुधारों को राजनीतिक इच्छाशक्ति से जोड़ा जाए। सुरक्षा मानकों में ढील, निगरानी की कमजोरी और जल्दबाज़ी में भरी गई उड़ानें घातक साबित हो सकती हैं।

सुधार आज होंगे, तभी कल शोक की पुनरावृत्ति रुकेगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मोईन अली की घरेलू क्रिकेट में वापसी, यॉर्कशायर के लिए खेलेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर मोईन अली ने घरेलू क्रिकेट से संन्यास वापस ले लिया है। मोईन ने सीजन 2026 के लिए ब्लास्ट कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। इस कॉन्ट्रैक्ट को 2027 तक बढ़ाया जा सकता है। मोईन अली की घरेलू क्रिकेट में वापसी और कॉन्ट्रैक्ट की पुष्टि यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने की। मोईन ने क्लब द्वारा जारी एक बयान में कहा, 'मैं ब्लास्ट के लिए यॉर्कशायर में शामिल होकर बहुत खुश हूं। यह एक बहुत बड़ा क्लब है जिसका इतिहास बहुत शानदार रहा है, लेकिन जो बात मुझे सबसे ज्यादा पसंद है, वह यह है कि टीम किस ओर जा रही है। टीम में बहुत प्रतिभा है। एंथनी के साथ काम करने और ग्रुप को आगे बढ़ाने में मदद करने का मौका मेरे लिए रोमांचक है। मुझे हमेशा हेडिंग्ले में खेलना पसंद रहा है। विकेट, माहौल और समर्थक इसे एक खास जगह बनाते हैं। यह एक नई चुनौती जैसा लगता है और मैं इसके लिए भूखा हूं। मैं अपना अनुभव लाना चाहता हूं, अपने क्रिकेट का आनंद लेना चाहता हूं और यॉर्कशायर को मुकाबला करने में मदद करना चाहता हूं।' यॉर्कशायर ने अभी तक ब्लास्ट का खिताब नहीं जीता है और पिछले साल नॉर्थ ग्रुप की नौ टीमों में से आठवें स्थान पर रही थी। क्लब ने ऑफ-सीजन के दौरान डेविड मलान को ग्लूस्टरशायर और जॉर्डन थॉम्पसन को वारविकशायर के हाथों गंवा दिया। टीम ने कुछ विदेशी खिलाड़ियों सैम व्हाइटमैन, एंड्रयू टाई, नवीन-उल-हक और लोगान वैन बीक को साइन किया था।

हार के बावजूद इस बल्लेबाज के मुरीद हुए सुनील गावस्कर

विशाखापत्तनमः चौथे टी20 इंटरनेशनल में भारत की 50 रन की हार के बावजूद शिवम दुबे की तूफानी बल्लेबाज़ी चर्चा का केंद्र बनी रही। न्यूजीलैंड के खिलाफ 23 गेंदों में 65 रन की विस्फोटक पारी खेलने वाले दुबे की दिग्गज सुनील गावस्कर ने जमकर तारीफ की और इसे भारत के लिए एक बड़ा सकारात्मक संकेत बताया।

नंबर-6 पर उतरकर संभाली पारी

भारत की शुरुआत खराब रही और टीम 63 रन पर चार विकेट गंवा चुकी थी। ऐसे मुश्किल हालात में नंबर-6 पर बल्लेबाज़ी करने आए शिवम दुबे ने हालात की परवाह किए बिना आक्रामक अंदाज़ अपनाया। उन्होंने हर्षित राणा के साथ 63 रनों की अहम साझेदारी कर भारत को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

पहली गेंद से दिखाया इरादाः गावस्कर

सुनील गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स पर बातचीत के दौरान कहा कि दुबे ने पहली ही गेंद से अपने इरादे साफ कर दिए थे। उन्होंने कहा, 'जब आप छठे या सातवें नंबर पर बल्लेबाज़ी करते हैं तो आमतौर पर तीन-चार ओवर ही मिलते हैं, लेकिन इस मैच में विकेट जल्दी गिर गए और दुबे को जल्दी आना पड़ा। उन्होंने पहली ही गेंद पर ऐसा छक्का लगाया जो सीधे स्टेडियम की दूसरी मंज़िल में गया। यही आत्मविश्वास की निशानी है।'

प्रो रेसलिंग लीग 2026 : अनिरुद्ध गुलिया की जीत से हरियाणा थंडर्स लीग चरण में टॉप पर

नोएडा : प्रो रेसलिंग लीग 2026 में अनिरुद्ध गुलिया के शानदार हेवीवेट प्रदर्शन की बदौलत हरियाणा थंडर्स ने यूपी डोमिनेटर्स को 6-3 से शिकस्त दी और और लीग चरण में शीर्ष स्थान पक्का कर लिया। हरियाणा ने पांच मुकाबलों में आठ अंक और कुल 29 बाउट जीत के साथ लीग चरण का समापन किया।

बराबरी के बाद नाटकीय मोड़

छह बाउट के बाद मुकाबला 3-3 से बराबरी पर था। ऐसे में प्लेयर ऑफ द मैच इरीना कोलियादेंको ने सातवीं बाउट में फॉल के जरिए हरियाणा को निर्णायक बढ़त दिलाई और मैच की दिशा पूरी तरह बदल दी।

यूपी डोमिनेटर्स की स्थिति

यूपी डोमिनेटर्स लीग चरण में दो जीत, चार अंक और 23 बाउट जीत के साथ चौथे स्थान पर रहे। अब उन्हें सेमीफाइनल की तस्वीर साफ होने के लिए पंजाब रॉयल्स और दिल्ली दंगल वॉरियर्स के मुकाबले के नतीजे का इंतजार रहेगा। यूपी की ओर से तपस्या गहलावत को फाइटर ऑफ द मैच चुना गया।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 : रोहित शर्मा ने बताई टीम इंडिया की सबसे बड़ी चुनौती

नई दिल्ली। भारत T20 वर्ल्ड कप 2026 में खिताब बचाने के इरादे से उतरेगा और मौजूदा फॉर्म को देखते हुए टीम इंडिया को टूर्नामेंट का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। दुनिया की नंबर-1 T20I टीम ने पिछले एक साल में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का मानना है कि यह सफर उतना सरल नहीं होगा जितना बाहर से दिखता है। वर्ल्ड कप से पहले रोहित ने उस अहम चुनौती की ओर इशारा किया है, जो टीम मैनेजमेंट के लिए सबसे बड़ा सिरदर्द बन सकती है। टीम इंडिया मौजूदा समय में ञ्20ढ्ढ क्रिकेट की सबसे संतुलित और मजबूत टीमों में गिनी जाती है। बल्लेबाजी में गहराई, ऑलराउंडरों की भरमार और बेहतरीन गेंदबाजी विकल्प भारत की ताकत हैं। यही वजह है कि फैंस और एक्सपर्ट्स भारत को सेमीफाइनल तक का पक्का दावेदार मान रहे हैं। हालांकि, रोहित शर्मा के मुताबिक टूर्नामेंट में असली परीक्षा टीम कॉम्बिनेशन को लेकर होगी, जहां हर फैसला बेहद सोच-समझकर लेना पड़ेगा।

अबू धाबी ग्रां प्री ने जीता प्रमोटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड्स

एजेंसी

नई दिल्ली। लंदन में आयोजित वार्षिक फॉर्मूला 1 प्रमोटर अवॉर्ड्स 2025 में अबू धाबी ग्रां प्री को प्रमोटर ऑफ द ईयर चुना गया। यास मरीना सर्किट पर हुए शानदार सीजन फिनाले और बेहतरीन आयोजन के चलते यह प्रतिष्ठित सम्मान अबू धाबी ग्रां प्री के नाम रहा।

एथारा के सीईओ सैफ राशिद अल-नोइमी ने यह ट्रॉफी ग्रहण की। यह अवॉर्ड उस प्रमोटर को दिया जाता है, जिसने पूरे सीजन में ग्रां प्री के स्तर को लगातार ऊंचा उठाया हो और उसे एक वैश्विक खेल गंतव्य के रूप में स्थापित किया हो। इस साल अबू धाबी ग्रां प्री के दौरान नई हॉस्पिटैलिटी सुविधाएं, इनोवेटिव ऑन-साइट एक्टिवेशन, सस्टेनेबिलिटी पहल और अंतरराष्ट्रीय संगीत कलाकारों की प्रस्तुतियां देखने को मिलीं। इस आयोजन में कैटी पेरी, पोस्ट मेलोन और बेंसन बून जैसे वैश्विक सितारों ने परफॉर्म किया। वहीं, यास मरीना

सर्किट ने एक ऐतिहासिक तीन-तरफा टाइटल डिसाइडर की मेजबानी की और पूरे वीकेंड में रिकॉर्ड 3.39 लाख दर्शकों की मौजूदगी दर्ज की गई। अवॉर्ड समारोह में फॉर्मूला 1 कैलेंडर की सभी 24 ग्रां प्री के प्रतिनिधि शामिल हुए। कुल पांच श्रेणियों में अवॉर्ड दिए गए, जो सस्टेनेबिलिटी, फैन एक्सपीरियंस, इवेंट स्पेक्टेकल और सांस्कृतिक पहचान जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देते हैं।

2025 फॉर्मूला 1 प्रमोटर अवॉर्ड्स के विजेता इस प्रकार रहेः

प्रमोटर ऑफ द ईयरः अबू धाबी ग्रां प्री

इवेंट स्पेक्टेकलः सऊदी अरब ग्रां प्री

फैन एक्सपीरियंस (हाइनेकेन द्वारा प्रस्तुत): हंगेरियन ग्रां प्री

ईएसजी चेंजमेकर (ऑलविन द्वारा प्रस्तुत): जापानी ग्रां प्री

आउटस्टैंडिंग कल्चरल आइडेंटिटीः चीनी ग्रां प्री

फॉर्मूला 1 के अध्यक्ष और सीईओ स्टेफानो डोमेनिकाली ने कहा कि 2025 फॉर्मूला 1 के लिए एक शानदार साल रहा और इसकी सफलता के केंद्र में सभी 24 प्रमोटरों की कड़ी मेहनत रही। वहीं, चीफ रेस प्रमोशन ऑफिसर लुईस यंग ने प्रमोटरों की नवाचार क्षमता और फैंस के लिए अनुभव को बेहतर बनाने के प्रयासों की सराहना की।

एथारा के सीईओ सैफ राशिद अल-नोइमी ने कहा कि यह सम्मान पूरी टीम की मेहनत का नतीजा है और वे भविष्य में भी दुनिया भर के फैंस के लिए यादगार अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे।

मुंबई के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच नहीं खेलेंगे आयुष बडोनी और प्रियांश आर्य

एजेंसी

नई दिल्ली । आयुष बडोनी और प्रियांश आर्य मुंबई के खिलाफ दिल्ली के आखिरी रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मैच में नहीं खेलेंगे। यह मुकाबला बीकेसी ग्राउंड पर आयोजित होगा। टेबल-टॉपर मुंबई पहले ही नॉकआउट के लिए क्वालीफाई कर चुकी है। ऐसे में छठे स्थान पर मौजूद दिल्ली अच्छे नोट पर घरेलू सीजन का अंत करना चाहती है। आयुष बडोनी और प्रियांश आर्य को मेंस टी20 वर्ल्ड कप के दो वार्म-अप मुकाबलों के लिए इंडिया ए टीम में शामिल किया गया है। बडोनी इंडिया ए के लिए चार-दिवसीय और लिस्ट-ए मैच खेल चुके हैं। वह प्रियांश आर्य के साथ इंडिया ए टीम में वापसी करेंगे, जिन्होंने अब तक सिर्फ व्हाइट-बॉल फॉर्मेट में टीम का प्रतिनिधित्व किया है। मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 की तैयारी के तहत इंडिया ए की टीम 2 फरवरी को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में यूएसए का सामना करेगी, जिसके बाद उसे 6 फरवरी को बेंगलुरु के बीसीसीआई सीओई ग्राउंड पर नामीबिया से भिड़ना है। इन वार्म-अप मुकाबलों के बाद 7 फरवरी से 8 मार्च के बीच भारत और श्रीलंका की सह-मेजबानी में टी20 वर्ल्ड कप खेला जाना है। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के सचिव अशोक शर्मा ने 'आईएएनएस' को बताया कि मौजूदा रणजी ट्रॉफी में सर्वाधिक रन बनाने वाले आयुष दोसेजा को मुंबई के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के सातवें राउंड में दिल्ली की कप्तानी सौंपी गई है। अशोक शर्मा ने कहा, 'आयुष बडोनी और प्रियांश आर्य मुंबई के खिलाफ आगामी रणजी ट्रॉफी मैच में नहीं खेलेंगे, क्योंकि उन्हें इंडिया ए टीम में चुना गया है जो नवी मुंबई और बेंगलुरु में यूएसए और नामीबिया के खिलाफ मेंस टी20 वर्ल्ड कप वार्म-अप मैच खेलेगी।

ऑस्ट्रेलियाई महिला टी20 टीम की कप्तान बनीं मोलिनेक्स

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम में नए युग की शुरुआत हो गई है। विक्टोरिया की ऑलराउंडर सोफी मोलिनेक्स को टी 20 टीम का कप्तान और टेस्ट व वनडे टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया है। मोलिनेक्स भारत के खिलाफ आगामी मल्टी-फॉर्मेट सीरीज में टी20 टीम की कप्तानी से अपने कार्यकाल की शुरुआत करेंगी।टी20 टीम में ताहलिया मैक्ग्राथ और एश्ले गार्डनर को संयुक्त उपकप्तान बनाया गया है। चयनकर्ताओं ने भारत के खिलाफ सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की टी20, वनडे और टेस्ट टीमों की घोषणा भी कर दी है। सफेद गेंद क्रिकेट में निकोला केरी की वापसी हुई है, जबकि 19 वर्षीय तेज गेंदबाज लूसी हैमिल्टन को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। चोट के बावजूद फोएबे लिचफील्ड को तीनों टीमों में जगह दी गई है। चयन प्रक्रिया में कुछ बड़े फैसले भी देखने को मिले। लेग स्पिनर अलाना किंग को टी20 टीम से बाहर रखा गया है, जबकि वनडे टीम में मेगन शट, ग्रेस हैरिस और हीदर ग्राहम को मौका नहीं मिला।

राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा कि मोलिनेक्स अपने नेतृत्व कौशल, संयम और घरेलू क्रिकेट में सफलता के दम पर इस भूमिका के लिए पूरी तरह उपयुक्त हैं, हालांकि उनकी फिटनेस को ध्यान में रखते हुए वर्कलोड का प्रबंधन किया जाएगा। भारत की महिला टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी, जबकि स्मृति मंधाना उपकप्तान होंगी। दोनों टीमों के बीच टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 15 फरवरी को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया टी20 टीम

सोफी मोलिनेक्स (कप्तान), एश्ले गार्डनर (उपकप्तान), ताहलिया मैक्ग्राथ (उपकप्तान), डार्सी ब्राउन, निकोला केरी, किम गार्थ, ग्रेस हैरिस, फोएबे लिचफील्ड, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम

भारत टी20 टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चाराणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष, उमा छेत्री, अरुंधति रेड्डी, अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, भारती फुलमाली, श्रेयांका पाटिल

ऑस्ट्रेलिया वनडे टीम

एलिसा हीली (कप्तान), सोफी मोलिनेक्स (उपकप्तान), डार्सी ब्राउन, निकोला केरी, एश्ले गार्डनर, किम गार्थ, अलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, बेथ मूनी, ताहलिया मैक्ग्राथ, एलिस पेरी, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम

ऑस्ट्रेलिया टेस्ट टीम

एलिसा हीली (कप्तान), सोफी मोलिनेक्स (उपकप्तान), डार्सी ब्राउन, एश्ले गार्डनर, किम गार्थ, लूसी हैमिल्टन, अलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, बेथ मूनी, ताहलिया मैक्ग्राथ, एलिस पेरी, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

सेंट जॉन्स क्लब ने इफको को हराया

एजेंसी

प्रयागराज। सेंट जॉन्स क्लब ने इफको क्लब को 83 रन से हराकर मनीष देब बी डिवीजन क्रिकेट लीग में पूरे अंक प्राप्त किये। इफको फूलपुर मैदान पर बुधवार से शुरू हुई प्रतियोगिता में सेंट जॉन्स क्लब ने 40 ओवर में छह विकेट पर 209 रन (आर्य श्रेष्ठ 56, अनुराज बिंद 52, निकेश कुमार 25, अकोष प्रताप 22, संजय सोनकर 20 नाबाद, प्रदीप यादव 3-37, शिवांग शर्मा 2-32, अरविंद 1-29) बनाए। जवाब में इफको क्लब की टीम 25.1 ओवर में 126 रन (दीपक यादव 63, सतीश कुमार 17, आयुष द्विवेदी 4-34, दिवाकर यादव 2-25, सनी कुमार 1-20, वैभव पांडेय 1-25) पर सिमट गई। मैच में हितेश श्रीवास्तव व रामचंद्र यादव अम्पायर एवं अनूप कुमार शर्मा स्कोरर रहे। इसके पूर्व प्रतियोगिता का उद्घाटन फूलपुर इफको इकाई प्रमुख पीके सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके किया। इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के संयुक्त संयोजक (लीग एवं मंडल) एलबी काला ने बुके देकर उनका स्वागत किया। इस मौके पर इफको खेल सचिव शैलेश, यूनियन महामंत्री विजय कुमार यादव और इफको टीम के कोच यशवर्धन उचहारिया मौजूद रहे।

कुरुक्षेत्र में सब-जूनियर नेशनल खो खो चैंपियनशिप के लिए भिडेंगी 70 टीमें

एजेंसी

कुरुक्षेत्र (हरियाणा)। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में 31 जनवरी से 4 फरवरी तक 35वीं सब-जूनियर नेशनल खो खो चैंपियनशिप होगी। इसमें खिताब के लिए 27 राज्यों, 5 केंद्र शासित प्रदेशों और 3 एसोसिएट सदस्य संघों की कुल 35 लड़के एवं 35 लड़कियों की टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी। चैंपियनशिप में भाग लेने वाले केंद्र शासित प्रदेशों में पुडुचेरी, लद्दाख, दादरा एवं नगर हवेली, चंडीगढ़ और जम्मू-कश्मीर शामिल हैं। इसके अलावा मध्य भारत, कोल्हापुर और विदर्भ की टीमें भी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा, 'उभरती हुई युवा प्रतिभाओं को सही मार्गदर्शन और प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है। फेडरेशन उन्हें सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण और सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि वे खेल में अपना करियर जारी

रखें और ऊँचाइयाँ हासिल करें। सभी सब-जूनियर खिलाड़ियों को मेरी शुभकामनाएँ। ' हरियाणा स्पोर्ट्स खो खो एसोसिएशन के अध्यक्ष जवाहर सिंह यादव ने कुरुक्षेत्र में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा, 'यह हरियाणा के लिए गर्व का क्षण है। 2012 में गुरुग्राम में आयोजित जूनियर नेशनल के बाद, 2026 में सब-जूनियर नेशनल खो खो चैंपियनशिप हरियाणा में हो रही है। 31 जनवरी को केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर चैंपियनशिप का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर हरियाणा सरकार के मंत्री कृष्ण लाल पंवार एवं राज्यसभा सांसद सुभाष बराला भी उपस्थित रहेंगे। चैंपियनशिप के दौरान मंत्री कृष्ण कुमार बेदी भी भ्रमण पर आएंगे।' उन्होंने आगे बताया, 'समापन समारोह में हरियाणा के राज्य मंत्री (खेल) गौरव गौतम भी उपस्थित रहेंगे। ' हरियाणा स्पोर्ट्स खो खो एसोसिएशन के महासचिव महेंद्र कम्बोज ने जानकारी दी कि चैंपियनशिप में लगभग 1100 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं तथा इसके सुचारू संचालन के लिए 300 कोच और तकनीकी अधिकारी तैनात किए गए हैं। खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) के महासचिव उपकार सिंह वीरक ने कहा, 'मैं चैंपियनशिप में भाग लेने वाली सभी टीमों को बधाई देता हूँ। प्रतियोगिता के सुचारू आयोजन के लिए सभी व्यवस्थाएँ पूरी कर ली गई हैं। इन युवा खिलाड़ियों का खेल में उज्ज्वल भविष्य है और हम उन्हें हर आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे। '

कभी नहीं सोचा था कि बारामती न आने का पछतावा होगाः सिंधु ने अजित पवार के निधन पर जताया दुख

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर शोक जताया है। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट को इस बात का मलाल है कि वह एनसीपी प्रमुख के कई बार बुलावे के बावजूद बारामती नहीं गईं। जिला परिषदों और पंचायत समितियों के चुनावों के बीच, डिप्टी सीएम अजित पवार एक जनसभा में शामिल होने के लिए मुंबई से बारामती जा रहे थे।

इस बीच एक विमान दुर्घटना में उनका निधन हो गया। यह घटना सुबह करीब 9 बजे हुई। इस हादसे में एनसीपी प्रमुख और 5 अन्य लोगों की जान चली गई। पीवी सिंधु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'रेस्ट इन पीस, अजित दादा। मुझे आपसे कई बार मिलने का सौभाग्य मिला, और हर बार मैं आपके अनुशासन, आपके काम के प्रति समर्पण और अपने लोगों के प्रति आपके प्यार से प्रभावित हुई। आपने मुझसे अक्सर कहा था, 'मेरे बारामती आओ।' मैं सोचती रही कि कभी समय मिलेगा। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे इस तरह से न आने का पछतावा होगा।

' सिंधु ने लिखा, 'कैप्टन शांभवी पाठक, कैप्टन सुमित कपूर, पिंकी माली और पीएसओ विदीप जाधव के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। इतनी सारी जानें चली गईं। इतने सारे परिवार बिखर गए। भगवान सभी को इस दुख से उबरने की शक्ति दे। ' अजित पवार ने साल 1991 से लगातार 7 बार बारामती विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें हर बार भारी अंतर से जीत हासिल की।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : मुसैटी ने चोटिल होकर मैच छोड़ा, सेमीफाइनल में पहुंचे जोकोविच

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के पुरुष एकल क्वार्टरफाइनल में बड़ा उलटफेर देखने को मिला, जब इटली के युवा टेनिस खिलाड़ी लोरेंजो मुसैटी ने चोट के कारण मुकाबला बीच में ही छोड़ दिया। इसके चलते सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी और 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच बिना जीत दर्ज किए सेमीफाइनल में पहुंच गए।मैच में मुसैटी ने शानदार शुरुआत करते हुए जोकोविच के खिलाफ पहले दो सेट 6-4, 6-3 से अपने नाम कर लिए थे। तीसरे सेट के दौरान उन्हें दाहिने पैर के ऊपरी हिस्से में परेशानी महसूस हुई, जिसके बाद उन्होंने लंबा मेडिकल टाइम-आउट लिया। उपचार के बाद मुसैटी दोबारा कोर्ट पर लौटे, लेकिन एक गेम खेलने के बाद उन्होंने मुकाबला छोड़ने का फैसला

कर लिया। मुसैटी की रिटायरमेंट के समय स्कोर 6-4, 6-3, 1-3 था और इस तरह जोकोविच को अपने सबसे सफल ग्रैंड स्लैम में एक बार फिर जीवनदान मिल गया। 10 बार के ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन जोकोविच अब अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की दौड़ में बने हुए हैं, जिससे वह मार्गरेट कोर्ट का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। मैच के बाद जोकोविच ने मुसैटी के प्रति सहानुभूति जताते हुए कहा, 'मुझे उसके लिए बहुत बुरा लग रहा है। आज वह मुझसे कहीं बेहतर खिलाड़ी था। सच कहूं तो मैं आज घर लौटने वाला था। ' इससे पहले भी जोकोविच बिना खेले ही क्वार्टरफाइनल में पहुंच गए थे, जब उनके चौथे दौर के प्रतिद्वंद्वी याकुब मेंसिक पेट की मांसपेशियों में चोट के कारण टूर्नामेंट से हट गए थे। दोनों के बीच सोमवार को सेंटर कोर्ट पर नाइट मैच खेला जाना था। अब सेमीफाइनल में जोकोविच का सामना यानिक सिनर और बेन शेल्टन के बीच होने वाले क्वार्टरफाइनल मुकाबले के विजेता से होगा।

टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में डी. गुकश की हार, प्रज्ञानानंद की पहली जीत

एजेंसी

वाइक आन ज़ी, नीदरलैंड्स। टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकश का उतार-चढ़ाव भरा सफर जारी है। मंगलवार को खेले गए नौवें राउंड में गुकश को जर्मनी के ग्रैंडमास्टर मैथियास ब्लूबाम के हाथों हार का सामना करना पड़ा। सफेद मोहरों से खेल रहे 19 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी इस मुकाबले में पूरी तरह पिछड़ते नजर आए और यह उनकी पिछले चार मुकाबलों में तीसरी हार रही।

इस जीत के साथ ब्लूबाम अपने करियर में पहली बार 2700 रेटिंग क्लब में शामिल होने के बेहद करीब पहुंच गए हैं। उनकी लाइव रेटिंग 2695.1 हो गई है और अब वह फिडे कैंडिडेट्स में 2700+ खिलाड़ी के रूप में क्वालिफाई करने से सिर्फ एक जीत दूर हैं। इस बीच, भारत के आर. प्रज्ञानानंद ने हमवतन अरविंद चितंबरम को हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की और लंबे समय से चला आ रहा जीत का इंतजार खत्म किया। अर्जुन एरिगैसी ने अमेरिकी ग्रैंडमास्टर हांस नीमन के खिलाफ मुकाबला ड्रॉ खेला। नौ राउंड के बाद गुकश, एरिगैसी और प्रज्ञानानंद–तीनों के चार-चार अंक हैं, जबकि अरविंद चितंबरम 2.5 अंकों के साथ तालिका में सबसे नीचे बने हुए हैं। उज़्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव छह अंकों के साथ अंकतालिका में

शीर्ष पर अपनी पकड़ बनाए हुए हैं। खेले जाने वाले 10वें राउंड में भारतीय खिलाड़ियों के मुकाबले इस प्रकार होंगेः गुकेश का सामना यागिज़ कान एर्दोगमुस से होगा, अर्जुन एरिगैसी की टक्कर विंसेंट कीमर से होगी, प्रज्ञानानंद हांस मोके नीमन के खिलाफ खेलेंगे, जबकि अरविंद चितंबरम का मुकाबला थाई दाई वान गुयेन से होगा।

मार्गाओ में ताजिकिस्तान से दो मैत्री मैच खेलेगी भारतीय अंडर-17 पुरुष टीम

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय अंडर-17 पुरुष फुटबॉल टीम जनवरी के अंत और फरवरी की शुरुआत में ताजिकिस्तान के खिलाफ दो मैत्री मुकाबले खेलेगी। ये दोनों मैच 29 जनवरी और 1 फरवरी को गोवा के मार्गाओ स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित होंगे। दोनों मुकाबले बंद दरवाजों के पीछे खेले जाएंगे और शाम 4 बजे शुरू होंगे। मुख्य कोच बिबियानो फर्नांडिस ने इन मुकाबलों के लिए 25 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। ब्लू कोल्ट्स इस समय गोवा में प्रशिक्षण शिविर लगा रही है, जहां टीम एएफसी अंडर-17 एशियन कप सऊदी अरब 2026 की तैयारियों में जुटी हुई है।

भारत ने नवंबर में अहमदाबाद में खेले गए क्वालिफाइंग राउंड में ईरान, लेबनान, फिलिस्तीन और चीनी ताइपे को पीछे छोड़ते हुए टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई किया था। ताजिकिस्तान ने फीफा अंडर-17 विश्व कप 2025 के लिए क्वालिफाई कर एशियन कप में स्वतः प्रवेश हासिल किया है। ये मैत्री मैच भारतीय टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय अनुभव और रणनीति को मजबूत करने का अहम मौका होंगे।

चौथे टी20 में न्यूजीलैंड की जोरदार वापसी, भारत को 50 रन से हराया

एजेंसी

विशाखापट्टनम। न्यूजीलैंड ने चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारत को 50 रनों से शिकस्त देकर सीरीज में अपनी पहली जीत दर्ज की। एसीए-वीडीसीए स्टेडियम में खेले गए इस मैच में कीवी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 215 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया, जिसके जवाब में भारतीय टीम 18.4 ओवर में 165 रन पर सिमट गई। इस जीत के बावजूद चार मैचों के बाद भारत सीरीज में 3-1 से आगे है।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया की शुरुआत बेहद खराब रही। पहली ही गेंद पर अभिषेक शर्मा आउट हो गए, जबकि सूर्यकुमार यादव भी सस्ते में पवेलियन लौट गए। संजू सैमसन और रिंकू सिंह ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन कप्तान मिचेल सैंटनर ने सैमसन (24) और हार्दिक पांड्या को आउट कर मैच का रुख न्यूजीलैंड की ओर मोड़ दिया। रिंकू सिंह ने 30 गेंदों में 39 रन बनाए, लेकिन उनकी पारी जीत के लिए पर्याप्त नहीं रही। 63 रन पर चार विकेट गिरने के बाद शिवम दुबे ने तूफानी

अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए मैच में जान फूंकी। दुबे ने सिर्फ 15 गेंदों में अर्धशतक जड़कर भारत के लिए टी20 इतिहास का तीसरा सबसे तेज अर्धशतक लगाया और 23 गेंदों में 65 रन बनाए। हालांकि, उनके रन आउट होने के साथ ही भारत की उम्मीदें भी खत्म हो गईं। न्यूजीलैंड के लिए कप्तान मिचेल सैंटनर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 26 रन देकर 3 विकेट लिए। जबकि जैकब डफी और ईश सोढ़ी ने दो-दो विकेट चटकाए। वहीं, मैट हेनरी और जैक फॉल्क्स को एक-एक सफलता मिली। इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने पारी की शुरुआत बेहद आक्रामक अंदाज में की। डेवोन कॉनवे और टिम साइफर्ट ने दूसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी कर भारत को दबाव में डाल दिया। इस साझेदारी को कुलदीप यादव ने तोड़ा। कॉनवे ने 23 गेंदों में चार चौके और तीन छक्कों की मदद से 44 रन बनाए, जबकि रचिन रवींद्र सिर्फ तीन रन बनाकर आउट हुए। साइफर्ट ने इसके बाद ग्लेन फिलिप्स के साथ तेजी से रन जोड़े, लेकिन अर्शदीप सिंह ने साइफर्ट को आउट कर इस साझेदारी को खत्म किया। साइफर्ट ने सात चौके और तीन छक्कों की मदद से 36 गेंदों में 62 रन की शानदार पारी खेली। कुलदीप ने 14वें ओवर में फिलिप्स (24) को पवेलियन भेजा। अंत में डेरिल मिचेल ने नाबाद 39 रन (18 गेंद) बनाकर स्कोर को 215 तक पहुंचाया। भारत की ओर से कुलदीप यादव और अर्शदीप सिंह ने दो-दो विकेट लिए, जबकि जसप्रीत बुमराह और रवि बिश्नोई को एक-एक सफलता मिली।

नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी ने तीन दिवाला खातों में लाभ दिया, सरकार की पूंजी चुकाई

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (एनएआरसीएल) ने तीन अधिग्रहीत दिवाला कंपनियों के खातों के माध्यम से अब लाभ का वितरण शुरू कर दिया है और सरकार की पूरी प्रतिभूति चुकता कर दी है। यह जानकारी वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नागराजू की अध्यक्षता में कंपनी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के साथ बैठक में दी गयी। बैठक को बताया गया कि एनएआरसीएल द्वारा अधिग्रहित खातों की संख्या 29 से बढ़कर 30 हो गई है, जिससे कुल अधिग्रहित ऋण जोखिम का आंकड़ा लगभग 1.63 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। ऐसे खातों की पहचान भी की गई है जो वर्तमान पाइपलाइन में हैं, जिनसे अधिग्रहण का कुल आंकड़ा दो लाख करोड़ रुपये (एनएआरसीएल के लिए परिकल्पित लक्ष्य) के करीब पहुंच सकता है। वित्त मंत्रालय की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही की इस पहली बैठक में आगामी तिमाही की आकांक्षाओं पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ तीसरी तिमाही के प्रदर्शन पर चर्चा की गयी। विज्ञप्ति के अनुसार गत आठ अक्टूबर को इससे पिछली तिमाही की समीक्षा के बाद से एनएआरसीएल वसूली में लगभग 1,439 करोड़ रुपये की शुद्ध वृद्धि हुई है और कुल वसूली 5,496 करोड़ रुपये तक पहुंच गयी है।

एआई और एनर्जी कारोबार के दम पर टेस्ला का चौथी तिमाही में मुनाफा उम्मीद से बेहतर

मुंबई। इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता टेस्ला ने वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में बाजार अनुमानों से बेहतर नतीजे पेश किए हैं। कंपनी का समायोजित प्रति शेयर लाभ (EPS) 0.50 डॉलर रहा, जो वॉल स्ट्रीट के 0.44 से 0.45 डॉलर के अनुमान से अधिक है। इस दौरान टेस्ला का कुल राजस्व 24.9 अरब डॉलर रहा, जबकि बाजार का अनुमान करीब 24.5 अरब डॉलर था।हालांकि, वाहन डिलीवरी में सालाना आधार पर 16 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह 4,18,227 यूनिट पर आ गई। कमजोर मांग को इसका मुख्य कारण बताया गया है। इसके बावजूद टेस्ला के एनर्जी स्टोरेज कारोबार ने शानदार प्रदर्शन किया। कंपनी ने रिकॉर्ड 14.2 गीगावॉट-घंटे की एनर्जी स्टोरेज तैनाती की, जिससे 3.8 अरब डॉलर का राजस्व हासिल हुआ। टेस्ला ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के क्षेत्र में भी बड़ा कदम उठाते हुए xAI के साथ सहयोग के लिए 2 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की है। कंपनी ने 2026 की योजनाओं का भी खुलासा किया, जिनमें ऑप्टिमस ह्यूमनॉइड रोबोट का उत्पादन शुरू करना और नए वाहनों की उत्पादन क्षमता बढ़ाना शामिल है।वित्तीय मोर्चे पर टेस्ला का सकल मार्जिन 20.1 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो कंपनी की परिचालन मजबूती को दर्शाता है। कुल मिलाकर, वाहन बिक्री में गिरावट के बावजूद AI और एनर्जी कारोबार की मजबूती ने टेस्ला के नतीजों को सहारा दिया।

एसीसी सीमेंट को तीसरी तिमाही में 404 करोड़ रुपये का मुनाफा

नई दिल्ली। अडानी समूह की कंपनी एसीसी सीमेंट को चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2025) में 404 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है। कंपनी ने जारी वित्तीय परिणामों में बताया कि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 637 करोड़ रुपये के सरकारी अनुदान और आयकर पर 530 करोड़ रुपये के ब्याज को छोड़ दें, तो एक साल पहले सामान्य स्थिति आने के बाद उसे 85 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जबकि बीती तिमाही में सामान्य स्थिति आने के बाद शुद्ध लाभ 380 करोड़ रुपये रहा। इस प्रकार, शुद्ध मुनाफा 346 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी ने बताया कि तिमाही के दौरान उसका परिचालन से प्राप्त राजस्व 6,483 करोड़ रुपये और परिचालन लाभ 700 करोड़ रुपये रहा जो अपने-आप में रिकॉर्ड है। प्रति टन परिचालन लाभ 619 रुपये रहा। तिमाही के दौरान सीमेंट की बिक्री बढ़कर 113 लाख टन पर पहुंच गयी। तिमाही के दौरान कंपनी का नेटवर्थ 389 करोड़ रुपये बढ़कर 20,326 करोड़ रुपये हो गया। आलोच्य तिमाही में प्रति शेयर कंपनी की कमाई 21.5 रुपये रही।

स्कोप और कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन ने इंडियन स्कूल ऑफ बिजनस के साथ किया समझौता

नई दिल्ली। केंद्रीय लोक उपक्रमों के मंच स्टैंडिंग कॉन्फ्रेंस ऑफ़ पब्लिक एंटरप्राइजेज (स्कोप) और क्षमता निर्माण क्षेत्र पर केंद्र सरकार की एजेंसी कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन (सीबीसी) ने दीक्षा नेतृत्व कार्यक्रम के तहत तीसरे बैच के प्रशिक्षण के लिए इंडियन स्कूल ऑफ़ बिजनेस (आईएसबी) के साथ एक करार किया है। दीक्षता नेतृत्व कार्यक्रम का उद्येश्य संस्थाओं में भविष्य की नेतृत्व को तैयार करना है। स्कोप की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार स्कोप के डायरेक्टर जनरल अतुल सोबती, सीबीसी के संयुक्त सचिव जगदीश गुप्ता और आईएसबी के डीन प्रोफेसर मदन पिल्लुटला ने इस करार पर हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर सीबीसी की सदस्य डॉ. अलका मित्तल, सीबीसी के पूर्व चेयरमैन आदिल ज़ैनुलभाई और तीनों संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। दीक्षा (डेवलपमेंट ऑफ़ एस्पिरेशन, नॉलेज, सक्सेशन एंड हार्मनी) नेतृत्व क्षमता विकास की अपनी तरह की पहली बड़ी पहल है जिसे स्कोप और सीबीसी ने मिलकर बनाया है। इसका मकसद सरकारी कार्पोरेट क्षेत्र में उच्च क्षमता के अधिकारियों में, जिनसे बोर्ड लेवल के पदों पर आने की उम्मीद है, उन्नत नेतृत्व क्षमताओं, रणनीतिक सोच और उभरते औद्योगिक परिदृश्य पूरी समझ उत्पन्न करना है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला एक्रेशन न्यूट्रावेद का आईपीओ, 30 तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी

नई दिल्ली। आयुर्वेदिक और न्यूट्रास्यूटिकल उत्पाद बनाने वाली कंपनी ऐक्रेशन न्यूट्रावेद का 24.77 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 30 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 2 फरवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 3 फरवरी को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 4 फरवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। पहले दिन इस आईपीओ को सिर्फ 0.01 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिला है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 122 रुपये से लेकर 129 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। एक्रेशन न्यूट्रावेद के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 2,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,58,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 19.20 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.29 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.33 प्रतिशत हिस्सा, नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.37 प्रतिशत हिस्सा और मार्केट मेकर्स के लिए पांच प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए सौभाग्या कैपिटल ऑप्शंस प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं सनफ्लावर ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 28 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 82 लाख रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 2.61 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2025 में कंपनी को 2.33 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी होती रही। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 3.07 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 5.20 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 16.06 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2025 में कंपनी को 14.07 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है। इस अवधि में कंपनी के कर्ज का बोझ भी बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 1.97 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.17 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 3.86 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

तीसरी तिमाही में मारुति सुजुकी का मुनाफा 4 फीसदी बढ़कर 3,879 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सबसे सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर को समाप्त अक्टूबर-तिमाही में कंपनी का मुनाफा चार फीसदी बढ़कर 3,879 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ चार फीसदी बढ़कर 3,879 करोड़ रुपये रहा। वाहन विनिर्माता कंपनी को पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में 3,727 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। कंपनी ने बताया कि नई श्रम संहिता के कारण 594 करोड़ रुपये के एकमुश्त प्रावधान से लाभ प्रभावित हुआ। मारुति सुजुकी इंडिया का चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में परिचालन आय बढ़कर 49,904 करोड़ रुपये हो गई, जो गत वित्त वर्ष 2024-25 की इसी अवधि में 38,764 करोड़ रुपये रही थी।

लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद दिन के पहले सत्र में लगातार खरीदारी का जोर बना रहा। दिन के दूसरे सत्र में जम कर मुनाफा वसूली भी हुई। हालांकि आखिरी घंटे के कारोबार में खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.60 प्रतिशत और निफ्टी 0.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान डिफेंस और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। निफ्टी का डिफेंस इंडेक्स 5 प्रतिशत तक उछल गया। बीएसई का कैपिटल गुड्स इंडेक्स भी 5 प्रतिशत उछल कर बंद हुआ। इसी तरह इंडस्ट्रियल, एनर्जी, कैपिटल गुड्स, ऑयल एंड गैस, बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, पब्लिक सेक्टर

एंटरप्राइज, हेल्थ केयर, मेटल और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर, एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.69 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.81 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में छह लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 459.73 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 453.67 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 6.06 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

देश के औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर दिसंबर में दो साल के उच्च स्तर 7.8 फीसदी पर

एजेंसी

नई दिल्ली । औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर आधारित देश का औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर दिसंबर में दो साल से अधिक के उच्चतम स्तर 7.8 फीसदी पर पहुंच गई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एनएसओ) के मुताबिक खनन, विनिर्माण एवं बिजली क्षेत्रों में मजबूत प्रदर्शन के दम पर भारत का औद्योगिक उत्पादन दिसंबर में 7.8 फीसदी बढ़ा है, जो दो साल का उच्चतम स्तर है। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संदर्भ में मापा जाने वाला औद्योगिक उत्पादन दिसंबर, 2024 में 3.7 फीसदी बढ़ा था। आंकड़ों के अनुसार नवंबर, 2025 के लिए औद्योगिक उत्पादन वृद्धि के अनुमान को पिछले महीने जारी किए गए 6.7 फीसदी के अस्थायी अनुमान से संशोधित करके 7.2 फीसदी कर दिया गया है। आंकड़ों के अनुसार दिसंबर, 2025

में विनिर्माण क्षेत्र के उत्पादन में 8.1 फीसदी की वृद्धि हुई, जो दिसंबर 2024 में 3.7 फीसदी रही थी। एनएसओ के मुताबिक इस दौरान खनन उत्पादन में 6.8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जो दिसंबर 2024 में 2.7 फीसदी थी। बिजली उत्पादन में दिसंबर 2025 में 6.3 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि 2024 की इसी महीने में यह 6.2 फीसदी थी। इसके अलावा चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान देश के औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर सालाना आधार पर 4.1 फीसदी से घटकर 3.9 फीसदी रह गई।

मजबूती के नए शिखर पर पहुंची चांदी, चेन्नई में भाव 4.25 लाख रुपये के स्तर तक पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में हाजिर चांदी ने आज एक बार फिर जबरदस्त छलांग लगाई है। शुरुआती कारोबार में आई जोरदार तेजी के कारण ये चमकीली धातु लगातार चौथे दिन मजबूती के नए शिखर पर पहुंच गई है। चांदी के भाव में आए उछाल के कारण ये चमकीली धातु आज देश के ज्यादातर हिस्सों में चार लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर को पार कर गई है। देश के अलग अलग हिस्सों में चांदी आज 25,000 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 30,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगी हो गई है। भाव में आई इस तेजी के कारण देश के अलग अलग सर्राफा बाजारों में आज चांदी 4,09,800 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 4,25,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है। दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी आज 30,000 रुपये प्रति किलोग्राम उछल गई, जिसके कारण ये चमकीली धातु आज चार लाख का स्तर पार कर 4,10,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में चांदी 4,09,800 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही है। जबकि जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 4,10,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। वहीं बेंगलुरु में चांदी 4,10,300 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 4,09,900 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। इसके अलावा हैदराबाद में चांदी 25,100 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी के साथ 4,25,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत आज भी चेन्नई में है, जहां ये चमकीली धातु आज 25,000 रुपये प्रति किलोग्राम महंगी होकर 4,25,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है।

मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन का कहना है कि वैश्विक स्तर पर मची हलचल सोना और चांदी की कीमत को सपोर्ट कर रही हैं। जियो पॉलिटिकल टेंशन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ को लेकर मनमाना रवैया अपनाने की वजह से निवेशकों में डर का माहौल बना हुआ है। किसी भी जोखिम से बचने के लिए निवेशक सोना और चांदी जैसे सेफ इनवेस्टमेंट इंस्ट्रूमेंट की ओर रुख कर रहे हैं।

मयंक मोहन के अनुसार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है। इसके अलावा दक्षिण कोरिया की कारों, दवाओं और लकड़ी पर भी 25 फीसदी टैरिफ बढ़ाया गया है। इससे निवेशकों में चिंता बढ़ी है। जानकारों का कहना है कि जब आर्थिक और राजनीतिक अनिश्चितता बढ़ती है, तो सोना-चांदी जैसे सुरक्षित विकल्पों की मांग बढ़ जाती है। यही कारण है कि इन दोनों चमकीली धातुओं की मांग लगातार तेज बनी हुई है। इसके साथ ही सोना और चांदी की तेजी के कारण नए निवेशकों का रुझान भी इन दोनों धातुओं की ओर बढ़ा है और वे लगातार खरीदारी कर रहे हैं, जिसका असर इनकी तेजी के रूप में नजर आ रहा है। खासकर, चांदी को लेकर अंतरराष्ट्रीय बाजार से लेकर घरेलु सर्राफा बाजार तक पॉजिटिव नोट्स बना हुआ है। और तो और, चांदी की इंडस्ट्रियल डिमांड ने भी इसकी कीमत में आग लगाने का काम किया है।

कनिष्क अल्युमिनियम का आईपीओ खुला, 30 तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी

नई दिल्ली। अल्युमिनियम उत्पाद बनाने वाली कंपनी कनिष्क अल्युमिनियम इंडिया लिमिटेड का 29.20 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 30 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 2 फरवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 3 फरवरी को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 4 फरवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। आज शाम 3:30 बजे तक इस आईपीओ को 12 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिला था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 73 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। कनिष्क अल्युमिनियम इंडिया लिमिटेड के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 3,200 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,33,600 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 40 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 47.52 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 47.48 प्रतिशत हिस्सा और मार्केट मेकर्स के लिए पांच प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए सन कैपिटल एडवाइजरी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। सनफ्लावर ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.76 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

एमसेफ इक्विपमेंट्स का आईपीओ लॉन्च, पहले दिन मिला 20 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन

एजेंसी

नई दिल्ली । सेफ्टी इक्वीपमेंट्स बनाने वाली कंपनी एमसेफ इक्विपमेंट्स लिमिटेड का 66.42 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 30 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 2 फरवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 3 फरवरी को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 4 फरवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। पहले दिन इस आईपीओ को 20 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिला है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 116 रुपये से लेकर 123 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। एमसेफ

इक्वीपमेंट्स लिमिटेड के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 2,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,46,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 54 लाख शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 41.02 लाख नए शेयर और 10 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये जारी किए जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.07 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.07 प्रतिशत हिस्सा, नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.33 प्रतिशत हिस्सा और मार्केट मेकर्स के लिए 5.52 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए सेरेन कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि मांशीतला सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं एवरमोर शेयर ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 3.65 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 6.55 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 13.01 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2025 में कंपनी को 10.50 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

अमेजन ने 16 हजार कर्मचारियों की छंटनी करने का किया ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने अपनी री-स्ट्रक्चरिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) विस्तार की योजना के तहत ग्लोबल लेवल पर 16 हजार कर्मचारियों को निकालने का फैसला लिया है। बड़े स्तर पर छंटनी अगले तीन महीनों के भीतर होने की संभावना है।

कंपनी ने इस फैसले के बारे में कोई ऑधिकारिक जानकारी नहीं साझा की है, बल्कि अमेजन के भीतर एक इंटर्नल ई-मेल कुछ कर्मचारियों को भेजा गया है। अमेजन ने 28 जनवरी को भेजे मेल में 16 हजार कर्मचारियों की छंटनी करने की घोषणा कर दी है। कंपनी यह छंटनी अगले तीन महीनों में चरणबद्ध तरीके से पूरी करेगी। अमेजन ने इससे पहले अक्टूबर के अंत में 14 हजार व्हाइट-कॉलर

नौकरियों में कटौती की थी। प्रबंधन का कहना है कि अचानक फैसलों के बजाय यह कटौती तय योजना के तहत बदलाव किए जा रहे हैं। अमेजन ने यह भी साफ किया है कि हर कुछ महीनों में बड़ी छंटनी करना उसका स्थायी तरीका नहीं है। इससे कर्मचारियों में स्पष्टता बनी रहेगी। कंपनी ने कहा कि महामारी के दौरान ज्यादा भर्ती के बाद अब वह संगठन का पुनर्गठन कर रही है। अमेजन का कहना है कि खर्च घटाने, कामकाज सरल बनाने और नई तकनीक अपनाने के लिए यह कदम जरूरी है। इस फैसले से दुनियाभर के कॉर्पोरेट कर्मचारियों पर असर पड़ेगा, जबकि वेयरहाउस स्टाफ पर सीमित प्रभाव रहेगा।

स्टॉक होल्डिंग सर्विसेज ने नये खुदरा निवेशकों को सशक्त बनाने के लिए पेश किया स्टॉकफिन 2.0

मुंबई। स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया की पूर्ण स्वामित्व वाली ब्रोकरेज कंपनी स्टॉक होल्डिंग सर्विसेज लिमिटेड ने बुधवार को अपना निवेश ऐप स्टॉकफिन 2.0 पेश किया। स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन भारत सरकार के उपक्रम आईएफसीआई लिमिटेड की सहायक कंपनी है। वित्तीय सेवा विभाग से संयुक्त सचिव मनोज मुत्तथिल अय्यप्पन ने इस ऐप का अनावरण किया। इस अवसर पर आईएफसीआई लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी (एमडी एवं सीईओ) अधिकारी राहुल भावे, स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन के एमडी एवं सीईओ अतुल सक्सेना और स्टॉकहोल्डिंग सर्विसेज के एमडी एवं सीईओ प्रभात कुमार दुबे भी उपस्थित थे। स्टॉकफिन 2.0 एक नयी पीढ़ी का निवेश ऐप है, जिसे निवेशकों को सरल, सुरक्षित और सहज निवेश अनुभव देने के लिए डिजाइन किया गया है। महानगरों से लेकर तेजी से बढ़ते टियर-2 और टियर-3 शहरों तक, यह ऐप देशभर में वित्तीय भागीदारी को मजबूत करने और निवेश को अधिक सुलभ, समझने में आसान और भरोसेमंद बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। भविष्य के लिए तैयार तकनीकी संरचना, बेहतर प्रदर्शन और नये इंटरफेस के साथ यह ऐप देश के तेजी से बदलते निवेश परिदृश्य के अनुरूप है।

स्टॉक मार्केट में केआरएम आयुर्वेद की शानदार एंट्री, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। आयुर्वेदिक दवा का उत्पादन करने और देश के अलग अलग हिस्से में आयुर्वेदिक हॉस्पिटल का संचालन करने वाली कंपनी केआरएम आयुर्वेद के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 135 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 27.48 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 172.10 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर कुछ ही देर में उछल कर 180.70 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। हालांकि बाद में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण अपर सर्किट ब्रेक हो गया। सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 174.60 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 39.60 रुपये यानी 29. केआरएम आयुर्वेद का 77.49 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 से 23 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 74.27 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 63.31 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 135.37 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 54.21 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 57.40 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी टेलीमेडिसिन ऑपरेशनल फैसिलिटी को डेवलप करने, सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करने, पुराने कर्ज को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 7.60 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 3.41 करोड़ रुपये रह गया। इसके अगले वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी मुनाफे में दोबार तेजी आ गई। इस साल कंपनी को 12.10 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही में यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 8.14 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 89.38 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 67.57 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 76.95 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही में यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 48.65 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में लगातार बढ़ोतरी होती रही। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 19.87 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 23.18 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 31.20 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 25.07 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 8.22 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 11.63 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 23.73 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2025 तक ये 20.61 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

यूक्रेन युद्ध पर त्रिपक्षीय वार्ता फिर होगी शुरू, एक फरवरी को अबू धाबी में होगी बैठक

एजेंसी

मॉस्को। यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की दिशा में रूस, यूक्रेन और अमेरिका के बीच त्रिपक्षीय बातचीत का अगला दौर 1 फरवरी को अबू धाबी में आयोजित किया जाएगा। रूसी समाचार एजेंसी इंटरफैक्स ने क्रेमलिन के हवाले से यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार, इन तीनों देशों के प्रतिनिधि एक बार फिर आमने-सामने बैठकर युद्ध समाधान के संभावित रास्तों पर चर्चा करेंगे। इससे पहले इसी स्थान पर पिछले सप्ताहांत तीन-पक्षीय वार्ता का पहला चरण हुआ था, जिसमें चार साल से जारी संघर्ष को खत्म करने के प्रयासों पर विचार किया गया था। यूक्रेन युद्ध ने न केवल यूरोप बल्कि वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था पर गहरा असर डाला है। ऐसे में इस तरह की बातचीत को कूटनीतिक समाधान की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। हालांकि, अभी तक किसी ठोस नतीजे की घोषणा नहीं की गई है। आगामी बैठक से उम्मीद की जा रही है कि युद्धविराम, मानवीय सहायता और सुरक्षा गारंटी जैसे मुद्दों पर कुछ प्रगति हो सकती है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय भी इन वार्ताओं पर करीबी नजर बनाए हुए है।

प्रतिकूल मौसम के कारण काठमांडू आ रहे कई विमान भारत डाइवर्ट किये गए

काठमांडू। काठमांडू का मौसम अचानक बिगड़ने के कारण भारत सहित अन्य देशों से आ रहे विमानों को भारत के अलग-अलग शहरों में डाइवर्ट किया गया है। इनमें दिल्ली से काठमांडू की ओर आ रहे इंडिगो और एयर इंडिया का विमान भी डाइवर्ट किया गया है। एयरपोर्ट ऑथोरिटी ने काठमांडू स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर विजिबिलिटी कम होने के कारण विमानों को भारत की तरफ डाइवर्ट किए जाने की जानकारीं दी है। अब तक चार विमानों को भारत के अलग-अलग शहरों में डाइवर्ट किया गया है। विमानस्थल प्रशासन के प्रवक्ता तेज बहादुर पौडेल ने कहा कि काठमांडू में लगातार तेज बारिश के कारण विमानस्थल की विजिबिलिटी न्यूनतम से काफी कम होने के कारण अंतरराष्ट्रीय विमानों को डाइवर्ट किया गया है। पौडेल के मुताबिक भारत के नई दिल्ली से काठमांडू आ रहा एयर इंडिया और इंडिगो का विमान वाराणसी डायवर्ट कर दिया गया है। इसी तरह चीन के लहासा से काठमांडू आ रहे हिमालयन एयरलाइंस और कतर से आ रहे एयर कतर के विमानों को लखनऊ डाइवर्ट किया गया है। पौडेल के मुताबिक अगर मौसम में सुधार नहीं हुए, तो अगले एक घंटे में यानी शाम 5 बजे तक कई अन्य विमानों को भी डाइवर्ट किया जा सकता है।

ईरान में जिंदगी पटरी पर लौटी जरूर, मगर अमेरिकी हमले की आशंका से बेचैनी

तेहरान (ईरान)। ईरान में कई हफ्तों के घमासान के बाद काफी हद तक जिंदगी पटरी पर लौट आई है। हजारों नागरिकों के मारे जाने के बाद मंगलवार को राजधानी तेहरान में जनजीवन पूरी तरह से सामान्य दिखा, लेकिन इस माहौल में एक बेचैनी दिखी। तेहरान के बहुत से लोग इस्लामिक गणराज्य और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सैन्य कार्रवाई की धमकियों के बीच फंसा हुआ महसूस कर रहे हैं। सीएनएन ने तेहरान पर केंद्रित एक रिपोर्ट में स्थानीय नागरिकों में गम और गुस्से की उठ रही टीस के आधार पर यह आकलन किया है। इसमें यह भी जिक्र है कि ट्रंप की चेतावनी के बाद अमेरिका के शक्तिशाली युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन ने ईरान को आसानी से निशाना बनाने वाले स्थान पर पहुंच गया है। उसे सिर्फ इशारा मिलने का इंतजार है। तेहरान ने इसके जवाब में राजधानी के एंघेलाब यानी क्रांति स्क्वायर में एक ऊंचा पोस्टर लगाया है। इसमें एक अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर को तबाह करने की धमकी दी गई है। पोस्टर पर अंग्रेजी और फारसी में चेतावनी लिखी है, अगर तुम हवा बोओगे, तो बवंडर काटोगे। इसके साथ ही एयरक्राफ्ट कैरियर के डेक की एक तस्वीर है, जिस पर लाशें बिखरी हुई हैं और खून के धब्बे हैं जो पानी में फैलकर अमेरिकी झंडे की धारियों जैसा आकार बना रहे हैं। क्रांति स्क्वायर से कुछ दूर एक दूसरे सरकारी पोस्टर में 2016 में अमेरिकी नेवी की एक नाव को पकड़े जाने को दिखाया गया है।

बलोचिस्तान के सीपीईसी के मार्ग पर रुखशान नदी का पुल विस्फोट से क्षतिग्रस्त

क्वेटा (बलोचिस्तान)। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलोचिस्तान के पंजगुर जिले में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) के प्रमुख मार्ग पर स्थित रुखशान नदी के पुल का कुछ हिस्सा विस्फोट से क्षतिग्रस्त हो गया। विस्फोट की आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। फिलहाल किसी भी विद्रोही समूह ने इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार धमाके के कुछ देर बाद पाकिस्तान की सेना पहुंची और इलाके को घेर लिया। सैन्य अधिकारियों का कहना है कि पुल के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। जिला प्रशासन के अनुसार विस्फोट की प्रकृति और उसके कारणों का पता लगाने के लिए जांच चल रही है। पुल को हुए नुकसान का तकनीकी आकलन किया जा रहा है। शुरुआती सूचना के अनुसार विस्फोट से पुल के कुछ हिस्से प्रभावित हुए हैं। इसलिए यातायात को अस्थायी रूप से रोक दिया गया। बाद में सीमित यातायात बहाल कर दिया गया। यह पुल चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। गौरतलब है कि इससे पहले भी पंजगुर के ग्वार्गो इलाके में एक पुल के क्षतिग्रस्त होने की खबरें आई थीं।

बांग्लादेश चुनाव से पहले बढ़ा विवाद, बीएनपी ने जमात पर फासीवादी प्रोपेगेंडा फैलाने का लगाया आरोप

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने वाले चुनाव से पहले राजनीतिक विवाद बढ़ता जा रहा है। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहा है, राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप भी बढ़ गया है। ताजा मामले में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी जमात-ए-इस्लामी पर आने वाले चुनाव में मतदाताओं को प्रभावित करने के मकसद से फासीवादी प्रोपेगेंडा, राजनीतिक पाखंड और गुमराह करने वाली बातें फैलाने का आरोप लगाया। ढाका में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, बीएनपी इलेक्शन स्टीयरिंग कमेटी के प्रवक्ता और पार्टी चेयरपर्सन के एडवाइजर महदी अमीन ने कहा कि जमात बीएनपी को भ्रष्टाचार का वर्ल्ड चैंपियन बताकर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने इस आरोप को राजनीति से प्रेरित और सच्चाई से बहुत दूर बताया। उन्होंने यह भी कहा कि 2001 से 2006 के बीच बीएनपी के समय में जब जमात के पास मंत्री पद और संसदीय सीटें थीं तब उन्होंने भ्रष्टाचार पर कोई एतराज नहीं जताया था। बांग्लादेशी अखबार द ढाका ट्रिब्यून ने महदी के हवाले से कहा, 'अब चुनाव के मैदान में, वे वही पुराना फासिस्ट प्रोपेगेंडा जारी रखे हुए हैं, जो साफ तौर पर राजनीतिक पाखंड के अलावा और कुछ नहीं है। 'महदी ने यह भी दावा किया कि जमात वोटरों को जन्नत के वादे, कुरान की कसम और वित्तीय फायदे देकर उन्हें प्रभावित करने के लिए धार्मिक भावनाओं का फायदा उठा रही है। जिन लोगों पर वोट खरीदने का आरोप है, उनमें दूसरों को भ्रष्टाचार पर भाषण देने का भरोसा नहीं है। बीएनपी नेता ने चेतावनी दी कि इस तरह के काम चुनावी कोड का उल्लंघन और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करते हैं। इसके साथ ही बीएनपी नेता ने चुनाव आयोग से गलत जानकारी फैलाकर और फासीवादी राजनीति को बढ़ावा देकर जनता के जनादेश को प्रभावित करने की कोशिशों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि बीएनपी जमात के अभियानों का पर्दाफाश करते हुए अपना राजनीतिक और संवैधानिक संघर्ष जारी रखेगी। इस हफ्ते की शुरुआत में, बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने ठाकुरगांव जिले के सदर उपजिला में बीडी हाई स्कूल ग्राउंड में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए जमात के खिलाफ एक अप्रत्यक्ष चेतावनी जारी की और वोटरों से अपील की कि वे उन लोगों के लिए वोट देकर देश को बर्बाद न करें, जिन पर 1971 के बांग्लादेश मुक्ति युद्ध के दौरान पाकिस्तानी कब्जे वाली सेनाओं के साथ सहयोग करने का आरोप है।

फखरुल ठाकुरगांव-1 निर्वाचन क्षेत्र से चुनावी मैदान में उतर रहे हैं। बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार ने फखरुल के हवाले से कहा, 'जिन लोगों ने आखिरी समय में भी पाकिस्तानी आर्मी की मदद की, वे आज देश चलाने के लिए वोट मांग रहे हैं।

कोलंबिया में विमान हादसा, सांसद क्विंटरो समेत सभी 15 लोगों की मौत

एजेंसी

बोगोटा (कोलंबिया)। कोलंबिया में हुए विमान हादसे में संसद (कांग्रेस) के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के सदस्य डियोजेनेस क्विंटरो समेत सभी 15 लोगों की मौत हो गई। कोलंबिया के अधिकारियों ने पुष्टि की कि 13 यात्रियों और दो क्रू सदस्यों वाले इस विमान में कोई भी जीवित नहीं मिला। देश की सिविल एरोनॉटिक्स अथॉरिटी ने भी इसकी पुष्टि कर दी है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, 36 वर्षीय क्विंटरो के विमान दुर्घटना में मारे जाने की पुष्टि प्रतिनिधि सभा में उन्हें नामांकित करने वाली पार्टी ने भी की है। पार्टी ने कहा कि कोलंबिया के कांग्रेसी डियोजेनेस क्विंटरो भी इस विमान में सवार लोगों में शामिल थे। क्विंटरो के कार्यालय की टीम ने कहा कि विमान के गायब होने के बाद उनका और उनके सहायक से संपर्क टूट गया। उनके मोबाइल फोन पर आखिरी लोकेशन कुकुटा में कैमिलो डाजा एयरपोर्ट पर मिली। कोलंबिया की नागरिक विमाननमंत्री मारिया फर्नांडा रोजास ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त विमान (पंजीकरण नंबर एचके 4709) सरकारी एयरलाइन सतेना का है। यह विमान नॉर्टे डी सैंटेंडर के उत्तर-पूर्वी विभाग के कुकुटा से ओकाना जा रहा था।

विमान ने सुबह 11:42 बजे उड़ान भरी। एयर ट्रैफिक कंट्रोल से सुबह 11:54 बजे उसका संपर्क टूट गया। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, कैमिलो डाजा एयरपोर्ट से उड़ान भरने के नौ मिनट बाद विमान का सिग्नल गायब हो गया था।

नेपाल प्रतिनिधि सभा की पुनर्बहाली के लिए पहुंचे सांसदों से नहीं मिले प्रधान न्यायाधीश

एजेंसी

काठमांडू। संसद पुनर्स्थापना की मांग को लेकर सर्वोच्च अदालत पर दबाव बनाने के उद्देश्य से सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को प्रधान न्यायाधीश से मुलाकात करने का प्रयास किया। अदालत पहुंचे इन निवर्तमान सांसदों से प्रधान न्यायाधीश प्रकाश मानसिंह राउत ने मुलाकात करने से ही मना कर दिया।

जेनजी आंदोलन के बाद विघटित प्रतिनिधि सभा की पुनर्स्थापना की मांग को लेकर रिट याचिका दायर करने वाले नेपाली कांग्रेस के निवर्तमान सांसदों का दल आज (गुरुवार) सुबह 10:30 बजे सर्वोच्च अदालत पहुंचा था। पार्टी के संसदीय दल के प्रमुख सचेतक रहे श्याम कुमार घिमिरे के नेतृत्व में अदालत पहुंचे प्रतिनिधिमंडल की यह मांग थी कि इस मामले में फैसला चुनाव से पहले ही आना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश के साथ मुलाकात न होने के बाद जारी सूचना में कहा गया है कि 29 जनवरी को सुबह 10:30 बजे प्रतिनिधि सभा की पुनर्स्थापना के लिए रिट दायर करने वाले नेपाली कांग्रेस के सदस्यों की प्रतिनिधिमंडल टीम का सर्वोच्च अदालत जाने का कार्यक्रम तय था, लेकिन विशेष कारणवश उक्त कार्यक्रम स्थगित किया गया है। इस बारे में श्यामकुमार घिमिरे का कहना है कि प्रधान न्यायाधीश प्रकाशमान सिंह राउत ने मुलाक़ात करने का समय रद्द कर दिया है। उनके सचिवालय से संदेश आया कि आगे एक और सूचना भेजी जाएगी। इसलिए आज का कार्यक्रम स्थगित किया गया।

नेपाली कांग्रेस के 65 निवर्तमान सांसदों ने संसद की पुनर्स्थापना की मांग करते हुए सर्वोच्च अदालत में रिट याचिका दायर की है। हालांकि, इस मामले में अब तक अदालत ने सुनवाई की तारीख तय नहीं की है।

बांग्लादेश में शेख हसीना समेत आठ के खिलाफ जहाजबाड़ी हत्याकांड में आरोप पत्र दाखिल

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) में बहुचर्चित जहाजबाड़ी हत्याकांड में आज औपचारिक आरोप पत्र दाखिल किया गया। इसमें पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना सहित आठ लोगों पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आरोप पत्र में कहा गया है कि कानून लागू करने वालों के कथित तौर पर एक फर्जी छापे में नौ लोग मारे गए थे।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार आईसीटी के अभियोजक गाजी एमएच तमीम ने कहा कि आरोप पत्र में शेख हसीना के अलावा पूर्व गृहमंत्री असदुज्जमां खान कमाल, पूर्व पुलिस महानिरीक्षक एकेएम शाहिदुल हक, पूर्व ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस कमिश्नर असदुज्जमां मियां और पुलिस की स्पेशल ब्रांच के पूर्व प्रमुख मोनिरुल इस्लाम शामिल हैं। अभियोजन पक्ष के अनुसार डीएमपी और रैपिड एक्शन बटालियन की अलग-अलग यूनिट के सदस्यों ने 26 जुलाई 2016 को ढाका के कल्याणपुर इलाके में जहाजबाड़ी नाम के एक घर पर छापा मारा था। इस दौरान घर पर

मौजूद नौ लोगों को आतंकवादी बताकर मार दिया गया था। जबकि इन लोगों का आतंकवाद से कोई लेना-देना नहीं था। यह भी आरोप लगाया गया कि वे लंबे समय से पुलिस हिरासत में थे और उन्हें करीब से गोली मार दी गई थी।

इस घटना के बाद तत्कालीन पुलिस महानिरीक्षक एकेएम शाहिदुल हक ने घटनास्थल का दौरा कर दावा किया था कि सभी मारे गए लोग प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन नियो-जमातुल मुजाहिदीन बांग्लादेश (नियो-जेएमबी) के सदस्य थे।

चीन को सस्ते तेल से मिल रही थी ताकत, वेनेजुएला पर अमेरिका की सख्ती के पीछे रुबियो का खुलासा

एजेंसी

वॉशिंगटन । अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने सांसदों से कहा है कि निकोलस मादुरो के शासन के तहत वेनेजुएला पश्चिमी गोलार्ध में चीन, रूस और ईरान के लिए एक रणनीतिक अड्डा बन गया था। उन्होंने कहा कि बीजिंग वेनेजुएला से भारी छूट पर तेल हासिल कर अमेरिका और उसके आसपास के क्षेत्रों के बेहद करीब अपना प्रभाव बढ़ा रहा था। स्थानीय समयानुसार सीनेट की विदेश संबंध समिति की सुनवाई में रुबियो ने कहा, 'हमारे ही आसपास में एक ऐसा शासन था, जिसे एक नार्को-तस्कर चला रहा था और जो दुनिया के लगभग हर प्रतिस्पर्धी, विरोधी और दुश्मन देश के लिए संचालन का केंद्र बन गया था।' अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि चीन वेनेजुएला का तेल करीब 20 डॉलर प्रति बैरल की छूट पर प्राप्त कर रहा था। कई मामलों में चीन इसके लिए पैसे भी नहीं देता था, बल्कि इसे

अपने पुराने कर्ज की भरपाई के तौर पर इस्तेमाल करता था।

रुबियो ने कहा, 'यह वेनेजुएला की जनता का तेल है, जिसे वस्तु-विनिमय (बार्टर) के रूप में चीन को दिया जा रहा था।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि चीन, रूस और ईरान वेनेजुएला से अपने ऑपरेशन चला रहे थे। उन्होंने इस स्थिति को अमेरिका के लिए एक बेहद गंभीर रणनीतिक खतरा बताया। यह खतरा दुनिया के किसी दूर-दराज हिस्से में नहीं, बल्कि उसी गोलार्ध में था, जहां हम सभी रहते हैं। ' रुबियो ने कहा कि मादुरो सरकार के खिलाफ अमेरिका की कार्रवाई का मकसद इसी स्थिति को खत्म करना और दोबारा रणनीतिक बढ़त हासिल करना था। 'यह हालात अस्वीकार्य थे और इन्हें सही करना जरूरी था। ' उन्होंने कहा कि अमेरिका के नेतृत्व में वेनेजुएला में चीन की सस्ते तेल तक पहुंच में भारी कमी आई है। चीन वेनेजुएला का तेल खरीद सकता है, लेकिन अब उसे वही कीमत चुकानी होगी, जो दुनिया के बाकी देश चुकाते हैं। रुबियो ने बताया कि प्रतिबंधित वेनेजुएलाई तेल से होने वाली आय अब अमेरिकी निगरानी में रखी जा रही है। उससे मिलने वाला पैसा एक ऐसे खाते में जमा होगा, जिस पर हमारी निगरानी होगी और उस धन का इस्तेमाल वेनेजुएला की जनता के हित में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पश्चिमी गोलार्ध में चीन की व्यापक रणनीति विचारधारा नहीं, बल्कि आर्थिक दबदबे पर आधारित है। उन्हें दूरसंचार में गहरी दिलचस्पी है।

अमेरिकी नौसैनिक बेड़ा बढ़ने के बीच ट्रंप की ईरान को चेतावनी, बातचीत के लिए जल्द आने का दबाव

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से जल्द बातचीत की मेज पर आने की अपील की है। यह बयान ऐसे समय आया है, जब एक बड़ा अमेरिकी नौसैनिक बेड़ा पश्चिम एशिया की ओर बढ़ रहा है, जिससे क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। एक रेडियो इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने बेहद शक्तिशाली नौसैनिक बल तैनात किया है और उम्मीद है कि इसका इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। बाद में अपने सोशल मीडिया मंच पर उन्होंने कहा कि यह बेड़ा तेजी से आगे बढ़ रहा है और पूरी तरह किसी भी मिशन को अंजाम देने में सक्षम है।ट्रंप ने स्पष्ट किया कि अमेरिका का उद्देश्य युद्ध नहीं, बल्कि दबाव बनाकर बातचीत के जरिए समाधान निकालना है। उन्होंने ईरान से परमाणु हथियारों के मुद्दे पर 'न्यायसंगत समझौता' करने का आग्रह किया और चेतावनी दी कि समय तेजी से निकल रहा है। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि यदि वार्ता विफल होती है तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने अतीत के सैन्य अभियानों का जिक्र करते हुए संकेत दिया कि अगला कदम और भी कठोर हो सकता है।

ट्रंप ने इस कदम को इजराइल की सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता से भी जोड़ा। उनका कहना है कि अमेरिकी सैन्य ताकत का इस्तेमाल संघर्ष रोकने के लिए किया जा रहा है, लेकिन जरूरत पड़ने पर बल प्रयोग का विकल्प खुला रहेगा।

पाकिस्तान सरकार ने माना- जेल में बंद इमरान खान की आंखों का उपचार कराया गया

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक अध्यक्ष अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की आंखों का उपचार कराया गया है। संघीय सरकार के सूचना मंत्री अताउल्लाह तारड़ ने आज पुष्टि की कि इस्लामाबाद के पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीआईएमएस) में इमरान खान की आंखों की बीमारी के लिए उपचार किया गया। यह चिकित्सा प्रक्रिया 20 मिनट तक चली। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, तारड़ ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। जेल में आंखों के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने उनकी आंखों की जांच की थी। उनकी सलाह पर उन्हें 24 जनवरी की रात

को पीआईएमएस ले जाया गया। तारड़ ने कहा कि पीआईएमएस में उनकी आंखों की दोबारा जांच की गई। इमरान खान की लिखित सहमति से एक छोटा आपरेशन (मेडिकल प्रोसीजर) किया गया। इसके बाद उन्हें जरूरी निर्देशों के साथ अदियाला जेल वापस भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि इमरान के वाइटल्स पूरे समय स्थिर रहे। पूर्व प्रधानमंत्री पूरी तरह स्वस्थ हैं। मंत्री ने दोहराया कि इमरान की सेहत के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है। इस हफ्ते की शुरुआत में पीटीआई ने बताया था कि इमरान की दाहिनी आंख में सेंट्रल रेटिनल वेन ऑक्लूजन का पता चला है। इसका अगर इलाज न किया जाए तो उनकी नजर को खतरा हो सकता है। इसके बाद पीटीआई के सांसदों ने उनसे मिलने की इजाजत मांगने के लिए इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की थी। पीआईएमएस के एक वरिष्ठ डॉक्टर ने पुष्टि की कि इमरान को शनिवार रात कड़ी सुरक्षा के बीच उनके यहां लाया गया। उनके आने की तैयारी में ऑपरेशन थियेटर और एनेस्थीसिया रूम को पूरी तरह से सील कर दिया गया था।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री स्टार्मर चीन की यात्रा पर, राष्ट्रपति शी का बहुपक्षवाद अपनाने का आह्वान

एजेंसी

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने गुरुवार को चीन और ब्रिटेन से बहुपक्षवाद और मुक्त व्यापार के समर्थक होने के नाते बहुपक्षवाद को अपनाने का आह्वान किया। शी ने बीजिंग में ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ मुलाकात में यह बात कही। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून तभी सच में प्रभावी हो सकता है जब सभी देश उसका पालन करें। चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटिश प्रधानमंत्री स्टार्मर चीन की आधिकारिक यात्रा पर हैं। स्टार्मर ने राष्ट्रपति जिनपिंग से मुलाकात की है। आठ साल बाद हुई इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के खराब रिश्तों को सुधारना और व्यापार को बढ़ाना है। जिनपिंग ने कहा कि बड़े देशों को नेतृत्व करना होगा, नहीं तो दुनिया में जंगल के कानून का खतरा पैदा हो जाएगा। स्टार्मर ने राजधानी बीजिंग स्थिति ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में शी जिनपिंग से बातचीत की। उम्मीद जताई जा रही है कि दोनों देश कई अहम समझौतों पर हस्ताक्षर करेंगे। जुलाई 2024 में प्रधानमंत्री बनने के बाद स्टारमर का यह पहला चीन दौरा है। उनका मुख्य उद्देश्य ब्रिटिश कंपनियों के लिए व्यापार के नए अवसर तलाशना है, क्योंकि इस समय

ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था काफी धीमी चल रही है। इस यात्रा में उनके साथ 50 से ज्यादा बड़े कारोबारी और सांस्कृतिक संगठनों के नेता भी शामिल हैं। जिनपिंग से मिलने से पहले ब्रिटिश नेता ने चीन की नेशनल पीपल्स कांग्रेस के चेयरमैन झाओ लेजी से भी मुलाकात की।

भारत-ईयू व्यापार समझौता बना वैश्विक संकेत, अमेरिका को आत्ममंथन की जरूरत

एजेंसी

वाशिंगटन। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) मिलकर दुनिया की 25 फीसदी जीडीपी और 33 प्रतिशत वैश्विक व्यापार कवर करते हैं। ईयू के साथ भारत का व्यापार 25 अरब डॉलर का है। हालांकि अमेरिका के साथ हमारा व्यापार 45 अरब डॉलर का है, लेकिन इसके बावजूद वाशिंगटन ने भारत और ईयू के बीच ट्रेड डील पर चिंता जताई है। अमेरिका के प्रभावशाली सीनेटरों, शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों और नीति विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि भारत और ईयू के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से अमेरिका के हाशिए पर चले जाने का खतरा है। उन्होंने आशंका जताई है कि इस एफटीए से नई दिल्ली और ब्रुसेल्स वैश्विक व्यापार और रणनीतिक गठबंधनों को नया रूप देंगे। सीनेटर मार्क केली ने कहा कि यह समझौता वाशिंगटन के व्यापारिक दृष्टिकोण को लेकर अमेरिका के सहयोगियों के बीच बढ़ती निराशा को दर्शाता है। एरिजोना के डेमोक्रेट सीनेटर ने एक्स पर एक पोस्ट किया, 'यूरोपीय संघ ने भारत के साथ व्यापार और सुरक्षा समझौता किया है। कनाडा और ब्रिटेन चीन के साथ बातचीत कर रहे है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि डोनाल्ड ट्रम्प ने हमारे सहयोगियों को नाराज कर दिया है। '

उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे कदमों का अमेरिका पर बुरा असर पड़ेगा। हमारे सहयोगी अन्य देशों के साथ जो समझौते कर रहे है, उनका हम पर भी असर पड़ रहा है और यह अच्छा नहीं है। भारत-यूरोपीय संघ समझौते की घोषणा इस सप्ताह नई दिल्ली में की गई। दोनों पक्षों के नेताओं ने इसे भारत के इतिहास का सबसे बड़ा व्यापार समझौता बताया है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने इसे सभी समझौतों की जननी कहा है।

उन्होंने कहा कि इस समझौते से 2 अरब लोगों का एक मुक्त व्यापार क्षेत्र बनेगा, जिससे दोनों पक्षों को लाभ होगा। यह समझौता वैश्विक व्यापार तनाव और भू-राजनीतिक अनिश्चितता के समय में दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं को जोड़ता है। ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी यूरोप के इस कदम पर निराशा व्यक्त की। वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने टैरिफ के मुद्दे पर वाशिंगटन के साथ सहमति न बनाने के लिए यूरोपीय संघ की आलोचना की। बेसेंट ने सीएनबीसी को दिए एक साक्षात्कार में कहा, 'उन्हें वही करना चाहिए जो उनके लिए सबसे अच्छा हो, लेकिन मैं आपको बता दूं मुझे यूरोपीय लोग बहुत निराशाजनक लगे।' उन्होंने यह भी कहा, 'वे उच्च टैरिफ पर हमारे साथ शामिल होने को तैयार नहीं थे और पता चला कि वे इस व्यापार समझौते को करना चाहते थे। ' वाशिंगटन में नीति विशेषज्ञों ने कहा कि यह समझौता अमेरिकी व्यापार रणनीति के लिए एक चेतावनी होनी चाहिए। सूचना प्रौद्योगिकी और नवाचार फाउंडेशन ने कहा कि यह समझौता दर्शाता है कि कैसे अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं आगे बढ़ रही हैं, जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका पिछड़ रहा है। आईटीआईएफ में व्यापार, बौद्धिक संपदा और डिजिटल प्रौद्योगिकी शासन के एसोसिएट डायरेक्टर रोड्रिगो बालबोटिन ने कहा, 'यूरोपीय संघ और भारत के मुक्त व्यापार समझौते से वाशिंगटन को सबक मिलना चाहिए।' उन्होंने कहा कि अन्य देशों द्वारा टैरिफ में कटौती और नए व्यापार नियमों को लागू करने के बावजूद संयुक्त राज्य अमेरिका किनारे पर रह गया है। बाल्बोटिन ने कहा कि इस समझौते में कमियां हैं। उन्होंने कहा, 'कई यूरोपीय डिजिटल नियम, विशेष रूप से डिजिटल बाजार अधिनियम, बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ भेदभाव करते हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि बौद्धिक संपदा संरक्षण और प्रवर्तन के मामले में भारत अभी दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।

बलोचिस्तान में सरकारी गोदाम से 233 किग्रा अफीम और 37 किग्रा हशीश चोरी

एजेंसी

क्वेटा (बलोचिस्तान)। पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत के दुक्की जिले में सहायक आयुक्त कार्यालय परिसर में स्थित गोदाम से अज्ञात व्यक्तियों ने 270 किलोग्राम अफीम और हशीश पर हाथ साफ कर दिया। चोरी गए नशीले पदार्थों में 233 किलोग्राम अफीम और 37 किलोग्राम हशीश है।

द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने कहा कि यह घटना दरमियानी रात घटी। संदिग्धों ने खिड़की तोड़कर गोदाम में प्रवेश किया और 233 किलोग्राम अफीम और 37 किलोग्राम हशीश लेकर रफूचक्कर हो गए। थाना प्रभारी फरमान अली खोसा ने कहा कि यह अफीम और हशीश लेवी फोर्स ने जब्त की थी। पुलिस ने हैरानी जताई की है कि आरोपितों ने केवल उसी कमरे की खिड़की को निशाना बनाया, जहां अफीम और हशीश रखी थी। इससे गोदाम के कर्मचारियों पर शक गहरा गया है। इसलिए पुलिस और प्रशासन संयुक्त रूप से घटना की जांच कर रहे हैं। अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

page 1 and 8 jan 30_page 1 Mar 25 final ds.qxd 1/29/2026 10:17 PM Page 2

खबर संक्षेप

यूजीसी के विरोध में श्री ब्राह्मण सभा कठुआ ने की पत्रकार वार्ता, सुप्रीम कोर्ट के फैसले का किया स्वागत

कठुआ, 29 जनवरी (हि.स.)। श्री ब्राह्मण सभा कठुआ ने यूजीसी (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) के नए नियमों के विरोध में एक पत्रकार वार्ता आयोजित कर अपना कड़ा विरोध दर्ज करवाया। साथ ही सभा ने इस कथित काले कानून पर रोक लगाने के लिए

सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले का स्वागत किया।

पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए श्री ब्राह्मण सभा कठुआ के अध्यक्ष सुरेंद्र मेहता, सदस्य अनिल भारद्वाज, नरेश शर्मा सहित अन्यों ने कहा कि केंद्र सरकार इस प्रकार के नियम बनाकर समाज में आपसी भाईचारे को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पहले से ही एसटी-एससी एक्ट जैसा कानून मौजूद है तो फिर इस तरह के नए नियम बनाने की आवश्यकता क्यों पड़ी। उन्होंने कहा कि न तो किसी विधायक दल ने इस तरह के कानून की मांग की, न ही संसद में इसकी जरूरत पर कोई चर्चा हुई और न ही ओबीसी समाज की ओर से ऐसी कोई मांग सामने आई। यदि किसी भी वर्ग या जाति द्वारा इस कानून की मांग नहीं की गई तो फिर इसे जबरन स्वर्ण जातियों पर थोपने का क्या औचित्य है। ऐसे नियम समाज में विभाजन पैदा कर आपसी सौहार्द को नुकसान पहुंचाते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान समय में स्वर्ण जाति के लोग बेहद परेशान हैं। आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को लेकर चिंता बढ़ गई है कि उन पर किस तरह के कानून थोपे जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन नियमों के कारण स्वर्ण वर्ग के युवाओं के लिए न तो विश्वविद्यालयों में पढ़ाई आसान रह जाएगी और न ही वे स्वतंत्र रूप से अपनी बात रख पाएंगे। सभा अध्यक्ष ने सरकार पर वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि आज की सरकार जाति आधारित राजनीति का सहारा ले रही है, जो देश और समाज के लिए उचित नहीं है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि श्री ब्राह्मण सभा इस तरह के नियमों का लगातार विरोध करती रहेगी और जरूरत पड़ी तो आंदोलन का रास्ता भी अपनाया जाएगा। पत्रकार वार्ता के अंत में सभी सदस्यों ने एक स्वर में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए मांग की कि सरकार इस कानून पर पुनर्विचार करे और समाज में समानता व भाईचारे को बनाए रखने की दिशा में ठोस कदम उठाए।

इस अवसर पर सभा के कई गणमान्य सदस्य मौजूद रहे जिनमें दर्शन लाल शर्मा, मनुज केसर, बालकृष्ण शर्मा, जगदीश शर्मा, डॉ. परमजीत शर्मा, प्रोफेसर शुभकरण शर्मा, मनोहर लाल शर्मा, सतीश शर्मा, योगराज शर्मा, सचिन खजुरिया, सिद्धार्थ शर्मा, पंडित रवि शर्मा, सहित अन्य सदस्य शामिल थे।

वीबी ग्राम जी कार्यशाला में अशोक कौल ने मुख्यमंत्री की जन कल्याण की उपेक्षा की आलोचना की

श्रीनगर, 29 जनवरी (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी जम्मू-कश्मीर ने बांदीपोरा में एक जिला स्तरीय बैठक सह कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महासचिव (संगठन) अशोक कौल ने की जहां उन्होंने विकसित भारत - गारंटी फॉर रोजगार एंड रोजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी- ग्राम जी) कार्यशाला को संबोधित किया और बाद में बांदीपोरा में जिला टीम के साथ एक संगठनात्मक बैठक की जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर संगठनात्मक कार्यप्रणाली को मजबूत करना और सरकारी पहलों का प्रभावी प्रसार सुनिश्चित करना था। कौल के साथ भाजपा के प्रदेश महासचिव अनवर खान, प्रदेश सचिव मुदासिर वानी, बांदीपोरा जिला अध्यक्ष मुदासिर जान और अन्य वरिष्ठ पार्टी नेता और पदाधिकारी भी मौजूद थे। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अशोक कौल ने वीबी ग्राम जी अधिनियम के बारे में विस्तार से बताया और इसे रोजगार सृजन, ग्रामीण सशक्तिकरण और समावेशी विकास पर केंद्रित एक ऐतिहासिक पहल बताया। कार्यशाला में जी-राम-जी (रोजगार और आजीविका मिशन - ग्रामीण के लिए गारंटी) ढांचे की विस्तृत जानकारी दी गई जिसमें बताया गया कि नई संरचना ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के लिए रोजगार के अवसरों और आजीविका सुरक्षा को कैसे बढ़ाएगी। उन्होंने पार्टी नेताओं से आग्रह किया कि वे इस अधिनियम के लाभों को लोगों तक विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में सक्रिय रूप से पहुंचाएं ताकि अधिक से अधिक नागरिक इसका लाभ उठा सकें।

झज्जर कोटली क्षेत्र में 21 मवेशी बचाए गए, वाहन जब्त

जम्मू, 29 जनवरी (हि.स.)। ऑपरेशन कामधेनु के तहत मवेशी तस्करी के खिलाफ लगातार कार्रवाई करते हुए जम्मू (ग्रामीण) पुलिस ने मवेशी तस्करी के एक प्रयास को विफल कर बड़ी संख्या में पशुओं को बचाया। 28/29 जनवरी 2026 की दरमियानी रात को झज्जर कोटली पुलिस स्टेशन की एक पुलिस टीम ने नाका प्वाइंट पंजाल पर एक वाहन को रोका जो मवेशियों के अवैध परिवहन में शामिल था। इसके परिणामस्वरूप 21 मवेशियों को बचाया गया और

पंजीकरण संख्या जेके03एम -0343 वाले एक ट्रक को जब्त किया गया। वाहन के चालक जिसकी पहचान हार्डवेयर, कोकरनाग, अनंतनाग निवासी सादिक अहमद के पुत्र मुख्तियार अहमद के रूप में हुई है, को हिरासत में लिया गया। तदनुसार झज्जर कोटली पुलिस स्टेशन में धारा 223 बीएनएस और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 के तहत एफआईआर संख्या 15/2026 दर्ज की गई है। आगे की जांच जारी है।

उर्वरक : कृषि में उपज बढ़ाने के लिए प्रयुक्त रसायन

उर्वरक कृषि में उपज बढ़ाने के लिए प्रयुक्त रसायन हैं जो पेड़-पौधों की वृद्धि में सहायता के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। पानी में शीघ्र घुलने वाले ये रसायन मिट्टी में या पत्तियों पर छिड़काव करके प्रयुक्त किये जाते हैं। पौधे मिट्टी से जड़ों द्वारा एवं ऊपरी छिड़काव करने पर पत्तियों द्वारा उर्वरकों को अवशोषित कर लेते हैं। उर्वरक, पौधों के लिये आवश्यक तत्वों की तत्काल पूर्ति के साधन हैं लेकिन इनके प्रयोग के कुछ दुष्परिणाम भी हैं। ये लंबे समय तक मिट्टी में बने नहीं रहते हैं। सिंचाई के बाद जल के साथ ये रसायन जमीन के नीचे भौम जलस्तर तक पहुँचकर उसे दूषित करते हैं। मिट्टी में उपस्थित जीवाणुओं और सुक्ष्मजीवों के लिए भी ये घातक साबित होते हैं। इसलिए उर्वरक के विकल्प के रूप में जैविक खाद का प्रयोग तेजी से लोकप्रीय हो रहा है। भारत में रासायनिक खाद का सर्वाधिक प्रयोग पंजाब में होता है इनका उपयोग हमें बहुत कम करना चाहिए ।

⏩ उर्वरक का वर्गीकरण

गोबर की खाद

- कार्बनिक/जैविक उर्वरक (कम्पोस्ट, यूरिया) या अकार्बनिक उर्वरक (अमोनियम नाइट्रेट)
- प्राकृतिक (पीट) या कृत्रिम उर्वरक (सुपर फॉस्फेट)
- पादप पोषण के अन्तर्गत पादपों के विकास के लिए आवश्यक रासायनिक तत्त्वों एवं यौगिकों का अध्ययन किया जाता है।
- सत्रह (17) अत्यावश्यक पादप-पोषक तत्व हैं। कार्बन, आक्सीजन, तथा जल के अलावा निम्नलिखित खनिज तत्त्व आवश्यक हैं-

⏩ पौधों के लिये आवश्यक पोषक तत्व

मुख्य तत्व

पौधों के लिये तीन प्रमुख पोषक तत्व हैं नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटैशियम या पोटाश

द्वितीयक पोषक तत्व- कैल्शियम, गंधक या सल्फर, मैग्नीशियम

सूक्ष्म पोषक तत्व- बोरॉन, क्लोरीन, मैगनीज, लोहा, जस्ता (जिंक), ताँबा (कॉपर), मॉलीब्लेडनम्, सेलेनियम (केवल कुछ देशों में)

⏩ सीमाएं

उर्वरक, पौधों के लिये आवश्यक तत्वों की तत्काल पूर्ति के साधन हैं लेकिन इनके प्रयोग के कुछ दुष्परिणाम भी हैं। ये लंबे समय तक मिट्टी में बने नहीं रहते हैं। सिंचाई के बाद जल के साथ ये रसायन जमीन के नीचे भौम जलस्तर तक पहुँचकर उसे दूषित करते हैं। मिट्टी में उपस्थित जीवाणुओं और सुक्ष्मजीवों के लिए भी ये घातक साबित होते हैं। भारत में रासायनिक खाद का सर्वाधिक प्रयोग पंजाब में होता है। वर्तमान समय में वहाँ पानी का जलस्तर एवं मृदा की पोषकता में भारी कमी देखी गई है। इसके साथ ही मृदा तथा उपज में हानीकारक रसायनों की मात्रा में बहुत वृद्धी पाई गई है। इसलिए उर्वरक के विकल्प के रूप में जैविक खाद का प्रयोग तेजी से लोकप्रीय हो रहा है।

⏩ प्रमुख रासायनिक उर्वरक

=== **यूरिया पहचान विधि**

- सफेद चमकदार, लगभग समान आकार के गोल दाने।
- पानी में पूर्णतया घुल जाना तथा घोल छूने पर शीतल अनुभूति।
- गर्म तवे पर रखने से पिघल जाता है और आंच तेज करने पर कोई अवशेष नही बचता।

⏩ डाई अमोनियम फास्फेट (डी.ए.पी.) पहचान विधि

- सख्त, दानेदार, भूरा, काला, बादामी रंग नाखूनों से आसानी से नहीं टूटने वाला उर्वरक है।
- डी.ए.पी. के कुछ दानों को लेकर तम्बाकू की तरह उसमें चूना मिलाकर मलने पर तीक्ष्ण गन्ध निकलती है, जिसे सूंघना असह्य हो जाता है।
- तवे पर धीमी आंच में गर्म करने पर दाने फूल जाते है।

⏩ सुपर फास्फेट पहचान विधि

- यह सख्त दानेदार, भूरा काला बादामी रंगों से युक्त तथा नाखूनों से आसानी से न टूटने वाला उर्वरक है। यह चूर्ण के रूप में भी उपलब्ध होता है। इस दानेदार उर्वरक की मिलावट बहुधा डी.ए.पी. व एन.पी.के. मिक्चर उर्वरकों के साथ की जाने की सम्भावना बनी रहती है।

⏩ जिंक सल्फेट पहचान विधि

- जिंक सल्फेट में मैंग्नीशिम सल्फेट प्रमुख मिलावटी रसायन है। भौतिक रूप से समानता के कारण नकली असली की पहचान कठिन होती है।
- डी.ए.पी. के घोल में जिंक सल्फेट के घोल को मिलाने पर थक्केदार घना अवक्षेप बन जाता है। मैग्नीशियम सल्फेट के साथ ऐसा नहीं होता।
- जिंक सल्फेट के घोल में पतला कास्टिक का घोल मिलाने पर सफेद, मटमैला मांड़ जैसा अवक्षेप बनता है, जिसमें गाढ़ा कास्टिक का घोल मिलाने पर अवक्षेप पूर्णतया घुल जाता है। यदि जिंक सल्फेट की जगह पर मैंग्नीशिम सल्फेट है तो अवक्षेप नहीं घुलेगा।

⏩ पोटाश खाद पहचान विधि

- सफेद कणाकार, पिसे नमक तथा लाल मिर्च जैसा मिश्रण।
- ये कण नम करने पर आपस में चिपकते नहीं।
- पानी में घोलने पर खाद का लाल भाग पानी में ऊपर तैरता है।
- खनिज, जिसमें 8% नाइट्रोजन, 8% फास्फोरस तथा 8% पोटाश है।

⏩ खाद डालने की मुख्य विधियाँ

- (1) थाला में डालना - तौलिए में छोटे पौधों में आधा व बड़े पौधों में एक फुट की तने से दूरी रखते हुये खादें डाल दी जाती है। खादें पौधों की टहनियों के फैलाव के नीचे बिखेर कर डालने के बाद मिट्टी में मिला दी जातीहै। मिट्टी में खादें मिलाना अति आवश्यक होता है। जब बहुत ज्यादा नमी हो या बहुत ज्यादा सूखा पड़ रहा हो तो खादें न डालें।
- (2) पट्टी में खाद डालना - टहनियों के फैलाव के बाहरी घेरे में 20-25 सेंटीमीटर पट्टी में खादें डाल दी जाती है और ऊपर से ढक दिया जाता है। ऐसे विधि वहीं प्रयोग में लाई जाती है जहां ज्यादा बरसात होती है।
- (3) छिड़काव विधि-पत्तों के ऊपर छिड़काव किया जाता है। ज्यादात्तर यूरियाखाद को पानी में घोल कर उसे छिड़काव द्वारा पत्तों पर डाला जाता है। 1 किलो यूरिया को 50 लीटर पानी में घोलकर छिडकाव करें। पानी कम होने पर पत्तियों के झुलसने की संभावना रहती है।
- (4) बिखेर कर डालना - पौधों की दो पंक्तियों के बीच में पौधों से उचितदूरी बनाते हुये खेत में बिखेर कर खादें डाल दी जाती हैं।

जैव उर्वरक /बायोफर्टिलाइजर उन उर्वरकों को कहते हैं जो जन्तुओं या वनस्पतियों से प्राप्त होते हैं। जैसे कम्पोस्ट खाद, आदि

भूमि की उर्वरता को टिकाऊ बनाए रखते हुए सतत फसल उत्पादन के लिए कृषि वैज्ञानिकों ने प्रकृतिप्रदत्त जीवाणुओं को पहचानकर उनसे बिभिन्न प्रकार के पर्यावरण हितैषी उर्वरक तैयार किये हैं जिन्हे हम जैव उर्वरक (बायोफर्टिलाइजर) या जीवाणु खाद कहते है। दूसरे शब्दों में हम कह सकते है की जैव उर्वरक जीवित उर्वरक है जिनमे सूक्ष्मजीव विद्यमान होते है।

फसलों में जैव उर्वरकों को इस्तेमाल करने से वायुमण्डल में उपस्थित नत्रजन पौधो को (अमोनिया के रूप में) सुगमता से उपलब्ध होती है तथा भूमि में पहले से मौजूद अघुलनशील फास्फोरस आदि पोषक तत्व घुलनशील अवस्था में परिवर्तित होकर पौधों को आसानी से उपलब्ध होते हैं।

चूंकि जीवाणु प्राकृतिक हैं, इसलिए इनके प्रयोग से भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ती है और पर्यावरण पर विपरीत असर नहीं पड़ता। जैव उर्वरक रासायनिक उर्वरकों के पूरक है, विकल्प कतई नहीं है। रासायनिक उर्वरकों के पूरक के रूप में जैव उर्वरकों का प्रयोग करने से हम बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकते है।

वास्तव में जैव उर्वरक विशेष सूक्ष्मजीवों एवं किसी नमी धारक पदार्थ के मिश्रण हैं। विशेष सूक्ष्म जीवों की निर्धारित मात्रा को किसी नमी धारक धूलीय पदार्थ (चारकोल, लिग्नाइट आदि) में मिलाकर जैव उर्वरक तैयार किये जाते हैं। यह प्राय: कल्चर के नाम से बाजार में उपलब्ध है। वास्तव में जैव उर्वरक एक प्राकृतिक उत्पाद है। इनका उपयोग विभिन्न फसलों मे एवं स्फूर की आंशिक पूर्ति हेतु किया जा सकता है। इनके उपयोग का भूमि पर कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता है बल्कि ये भूमि के भौतिक व जैविक गुणों में सुधार कर उसकी उर्वरा शक्ति को बढ़ाने में सहायक होते हैं। जैविक खेती में जैव उर्वरकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

जीवाणु खाद का प्रभाव धीरे-धीरे होता है। हमारे खेत की एक ग्राम मिट्टी में लगभग दो-तीन अरब सूक्ष्म जीवाणु पाये जाते हैं जिसमें मुख्यत: बैक्टिरीया, फफूंद, कवक, प्रोटोजोआ आदि होते हैं जो मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाने व फसलोत्पादन की वृद्धि में अनेक कार्य करते हैं।

⏩ केंचुआ खाद (रोटरी स्क्रीन विधि से निर्मित)

केंचुआ खाद या वर्मीकम्पोस्ट पोषण पदार्थों से भरपूर एक उत्तम जैव उर्वरक है। यह केंचुआ आदि कीड़ों के द्वारा वनस्पतियों एवं भोजन के कचरे आदि को विघटित करके बनाई जाती है।

वर्मी कम्पोस्ट में बदबू नहीं होती है और मक्खी एवं मच्छर नहीं बढ़ते है तथा वातावरण प्रदूषित नहीं होता है। तापमान नियंत्रित रहने से जीवाणु क्रियाशील तथा सक्रिय रहते हैं। वर्मी कम्पोस्ट डेढ़ से दो माह के अंदर तैयार हो जाता है। इसमें 2.5 से 3% नाइट्रोजन, 1.5 से 2% सल्फर तथा 1.5 से 2% पोटाश पाया जाता है।

केंचुआ खाद की विशेषताएँ- इस खाद में बदबू नहीं होती है, तथा मक्खी, मच्छर भी नहीं बढ़ते है जिससे वातावरण स्वस्थ रहता है। इससे सूक्ष्म पोषित तत्वों के साथ-साथ नाइट्रोजन 2 से 3 प्रतिशत, फास्फोरस 1 से 2 प्रतिशत, पोटाश 1 से 2 प्रतिशत मिलता है।

- इस खाद को तैयार करने में प्रक्रिया स्थापित हो जाने के बाद एक से डेढ़ माह का समय लगता है।
- प्रत्येक माह एक टन खाद प्राप्त करने हेतु 100 वर्गफुट आकार की नर्सरी बेड पर्याप्त होती है।
- केंचुँआ खाद की केवल 2 टन मात्रा प्रति हैक्टेयर आवश्यक है।

⏩ खाद्य कचरे को वर्मीडाइजेस्टर में डालकर निर्मित वर्मीकम्पोस्ट

केंचुआ कृषकों का मित्र एवं भूमि की आंत कहा जाता है। यह सेन्द्रिय पदार्थ, ह्यूमस व मिट्टी को एकसार करके जमीन के अन्दर अन्य परतों में फैलाता है इससे जमीन पोली होती है व हवा का आवागमन बढ़ जाता है, तथा जलधारण की क्षमता भी बढ़ जाती है। केचुँए के पेट में जो रासायनिक क्रिया व सूक्ष्म जीवाणुओं की क्रिया होती है, उससे भूमि में पाये जाने वाले नत्रजन, स्फुर (फॉस्फोरस), पोटाश, कैलशियम व अन्य सूक्ष्म तत्वों की उपलब्धता बढ़ती है। ऐसा पाया गया है कि मिट्टी में नत्रजन 7 गुना, फास्फोरस 11 गुना और पोटाश 14 गुना बढ़ता है।

केचुँए अकेले जमीन को सुधारने एवं उत्पादकता वृद्धि में सहायक नहीं होते बल्कि इनके साथ सूक्ष्म जीवाणु, सेन्द्रित पदार्थ, ह्यूमस इनका कार्य भी महत्वपूर्ण है।

केचुँए सेन्द्रिय पदार्थ, एवं मिट्टी खाने वाले जीव है जो सेप्रोफेगस वर्ग में आते है। इस वर्ग में दो प्रकार के केचुँए होते हैं

- (1) डेट्रीटीव्होरस - डेट्रीटीव्होरस जमीन के ऊपरी सतह पर पाये जाते है। ये लाल चाकलेटी रंग, चपटी पूँछ के होते है इनका मुख्य उपयोग खाद बनाने में होता है। ये ह्यूमस फारमर केचुँए कहे जाते है।
- (2) जीओफेगस - जीओ फेगस केचुँए जमीन के अन्दर पाये जाते है। ये रंगहीन सुस्त रहते हैं। ये ह्यूमस एवं मिट्टी का मिश्रण बनाकर जमीन पोली करते है।

⏩ केंचुआ खाद तैयार करने की विधि

- जिस कचरे से खाद तैयार की जाना है उसमे से कांच, पत्थर, धातु के टुकड़े अलग करना आवश्यक हैं।
- केचुँआ को आधा अपघटित सेन्द्रित पदार्थ खाने को दिया जाता है।
- भूमि के ऊपर नर्सरी बेड तैयार करें, बेड को लकड़ी से हल्के से पीटकर पक्का व समतल बना लें।
- इस तह पर 6-7 से0मी0 (2-3 इंच) मोटी बालू रेत या बजरी की तह बिछायें।
- बालू रेत की इस तह पर 6 इंच मोटी दोमट मिट्टी की तह बिछायें। दोमट मिट्टी न मिलने पर काली मिट्टी में रॉक पाऊडर पत्थर की खदान का बारीक चूरा मिलाकर बिछायें।
- इस पर आसानी से अपघटित हो सकने वाले सेन्द्रिय पदार्थ की (नारीयल की बूछ, गन्ने के पत्ते, ज्वार के डंठल एवं अन्य) दो इंच मोटी सतह बनाई जावे।
- इसके ऊपर 2-3 इंच पकी हुई गोबर खाद डाली जावे।
- केचुँओं को डालने के उपरान्त इसके ऊपर गोबर, पत्ती आदि की 6 से 8 इंच की सतह बनाई जावे। अब इसे मोटी टाट् पट्टी से ढांक दिया जावे।
- झारे से टाट पट्टी पर आवश्यकतानुसार प्रतिदिन पानी छिड़कते रहे, ताकि 45 से 50 प्रतिशत नमी बनी रहे। अधिक नमी/गीलापन रहने से हवा अवरूद्ध हो जावेगी और सूक्ष्म जीवाणु तथा केचुएं कार्य नहीं कर पायेगे और केचुएं मर भी सकते है।
- नर्सरी बेड का तापमान 25 से 30 डिग्री सेन्टीग्रेड होना चाहिए।
- नर्सरी बेड में गोबर की खाद कड़क हो गयी हो या ढेले बन गये हो तो इसे हाथ से तोड़ते रहना चाहिये, सप्ताह में एक बार नर्सरी बेड का कचरा ऊपर नीचे करना चाहिये।
- 30 दिन बाद छोटे छोटे केंचुए दिखना शुरू हो जावेंगे।
- 31 वें दिन इस बेड पर कूड़े-कचरे की 2 इंच मोटी तह बिछायें और उसे नम करें।
- इसके बाद हर सप्ताह दो बार कूडे-कचरे की तह पर तह बिछाएं। बॉयोमास की तह पर पानी छिड़क कर नम करते रहें।
- 3-4 तह बिछाने के 2-3 दिन बाद उसे हल्के से ऊपर नीचे कर देवें और नमी बनाए रखें।
- 42 दिन बाद पानी छिड़कना बंद कर दें।
- इस पद्धति से डेढ़ माह में खाद तैयार हो जाता है यह चाय के पाउडर जैसा दिखता है तथा इसमें मिट्टी के समान सोंधी गंध होती है।
- खाद निकालने तथा खाद के छोटे-छोटे ढेर बना देवे। जिससे केचुँए, खाद की निचली सतह में रह जावे।
- खाद हाथ से अलग करे। गैती, कुदाली, खुरपी आदि का प्रयोग न करें।
- केंचुए पर्याप्त बढ़ गए होंगे आधे केंचुओं से पुन: वही प्रक्रिया दोहरायें और शेष आधे से नया नर्सरी बेड बनाकर खाद बनाएं। इस प्रकार हर 50-60 दिन बाद केंचुए की संख्या के अनुसार एक दो नये बेड बनाए जा सकते हैं और खाद आवश्यक मात्रा में बनाया जा सकता है।
- नर्सरी को तेज धूप और वर्षा से बचाने के लिये घास-फूस का शेड बनाना आवश्यक है।

केंचुआ और केंचुआ खाद के उपयोग

⏩ मिट्टी की दृष्टि से

- केचुँए से भूमि की गुणवत्ता में सुधार आता है।
- भूमि की जलधारण क्षमता बढ़ती है।
- भूमि का उपयुक्त तापक्रम बनाये रखने में सहायक।
- भूमि से पानी का वाष्पीकरण कम होगा। अत: सिंचाई जल की बचत होगी। केचुँए नीचे की मिट्टी ऊपर लाकर उसे उत्तम प्रकार की बनाते हैं।
- केचुँआ खाद में ह्यूमस भरपूर मात्रा में होने से नाइट्रोजन, फास्फोरस पोटाश एवं अन्य सूक्ष्म द्रव्य पौधों को भरपूर मात्रा में व जल्दी उपलब्ध होते हैं।
- भूमि में उपयोगी जीवाणुओं की संख्या में वृद्धि होती है।

⏩ कृषकों की दृष्टि से

- सिंचाई के अंतराल में वृद्धि होती है।
- रासायनिक खाद पर निर्भरता कम होने के साथ काश्त-लागत में कमी आती है।

⏩ पर्यावरण की दृष्टि से

- भूमि के जलस्तर में वृद्धि होती है।
- मिट्टी खाद्य पदार्थ और जमीन में पानी के माध्यम से होने वाले प्रदूषण में कमी आती है।
- कचरे का उपयोग खाद बनाने में होने से बीमारियों में कमी होती है।

⏩ अन्य उपयोग

- केचुँए से प्राप्त कीमती अमीनों ऐसिड्स एवं एनजाइमस् से दवाये तैयार की जाती है।
- पक्षी, पालतू जानवर, मुर्गियां तथा मछिलयों के लिये केचुँए का उपयोग खाद्य सामग्री के रूप में किया जाता है।
- आयुर्वेदिक औषधियां तैयार करने में इसका उपयोग होता है।
- पाउडर, लिपिस्टिक, मलहम इस तरह के कीमती प्रसाधन तैयार करने हेतु केचुँए का उपयोग होता है।
- केचुँए के सूखे पाउडर में 60 से 65 प्रतिशत प्रोटीन होता है, जिसका उपयोग खाने में किया जाता है।

⏩ केंचुआ खाद का महत्व

- यह भूमि की उर्वरकता, वातायनता को तो बढ़ाता ही हैं, साथ ही भूमि की जल सोखने की क्षमता में भी वृद्धि करता हैं।
- वर्मी कम्पोस्ट वाली भूमि में खरपतवार कम उगते हैं तथा पौधों में रोग कम लगते हैं।
- पौधों तथा भूमि के बीच आयनों के आदान प्रदान में वृद्धि होती हैं।
- वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग करने वाले खेतों में अलग अलग फसलों के उत्पादन में 25-300% तक की वृद्धि हो सकती हैं।
- मिट्टी में पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ जाती हैं।
- वर्मी कम्पोस्ट युक्त मिट्टी में नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश का अनुपात 5:8:11 होता हैं अत: फसलों को पर्याप्त पोषक तत्व सरलता से उपलब्ध हो जाते हैं।
- केचुओं के मल में पेरीट्रापिक झिल्ली होती हैं, जो जमीन से धूल कणों को चिपकाकर जमीन का वाष्पीकरण होने से रोकती हैं।
- केचुओं के शरीर का 85% भाग पानी से बना होता हैं इसलिए सूखे की स्थिति में भी ये अपने शरीर के पानी के कम होने के बावजूद जीवित रह सकते हैं तथा मरने के बाद भूमि को नाइट्रोजन प्रदान करते हैं।
- वर्मी कम्पोस्ट मिट्टी में कार्बनिक पदार्थों की वृद्धि करता हैं तथा भूमि में जैविक क्रियाओं को निरंतरता प्रदान करता हैं।
- इसका प्रयोग करने से भूमि उपजाऊ एवं भुरभुरी बनती हैं।
- यह खेत में दीमक एवं अन्य हानिकारक कीटों को नष्ट कर देता हैं। इससे कीटनाशक की लागत में कमी आती हैं।
- इसके उपयोग के बाद 2-3 फसलों तक पोषक तत्वों की उपलब्धता बनी रहती हैं।
- मिट्टी में केचुओं की सक्रियता के कारण पौधों की जड़ों के लिए उचित वातावरण बना रहता हैं, जिससे उनका सही विकास होता हैं।
- यह कचरा, गोबर तथा फसल अवशेषों से तैयार किया जाता हैं, जिससे पर्यावरण प्रदूषित नहीं होता हैं।
- इसके प्रयोग से सिंचाई की लागत में कमी आती हैं।
- लगातार रासायनिक खादों के प्रयोग से कम होती जा रही मिट्टी की उर्वरकता को इसके उपयोग से बढ़ाया जा सकता हैं।
- इसके प्रयोग से फल, सब्जी, अनाज की गुणवत्ता में सुधार आता हैं, जिससे किसान को उपज का बेहतर मूल्य मिलता हैं।
- केंचुए में पाए जाने वाले सूक्ष्मजीव मिट्टी का pH संतुलित करते हैं।
- उपभोक्ताओं को पौष्टिक भोजन की प्राप्ति होती हैं।
- ग्रामीण क्षेत्रों में इसके उपयोग से रोजगार की संभावनाएं उपलब्ध हो जाती हैं।
- यह बहुत कम समय में तैयार हो जाता हैं।
- केंचुए नीचे की मिट्टी को ऊपर लाकर उसे उत्तम प्रकार की बनाते हैं।

⏩ केंचुआ खाद के उपयोग में सावधानियाँ

- जमीन में केचुँआ खाद का उपयोग करने के बाद रासायनिक खाद व कीटनाशक दवा का उपयोग न करें।
- केचुँआ को नियमित अच्छी किस्म का सेन्द्रिय पदार्थ देते रहना चाहिये।
- उचित मात्रा में भोजन एवं नमी मिलने से केचुँए क्रियाशील रहते है।

⏩ मृदा परीक्षण

कृषि में मृदा परीक्षण या भूमि की जाँच एक मृदा के किसी नमूने की रासायनिक जांच है जिससे भूमि में उपलब्ध पोषक तत्वों की मात्रा के बारे में जानकारी मिलती है। इस परीक्षण का उद्देश्य भूमि की उर्वरकता मापना तथा यह पता करना है कि उस भूमि में कौन से तत्वों की कमी है।

⏩ मृदा परिक्षण क्यों ?

मृदा पोषक तत्वों का भंडार है तथा पौधों को सीधे खडा रहने के लिए सहारा देती है। पौधों को अपना जीवन चक्र पूरा करने के लिए 16 पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। ये तत्व है

मुख्य तत्व कार्बन, हाइडोजन, आक्सीजन, नत्रजन, फास्फोरस, पोठाश, कैल्सिशयम, मैग्नीशियम।

सूक्ष्म तत्व जस्ता, मैग्नीज, ताँबा, लौह, बोरोन, मोलिबडेनम व क्लोरीन। इन सभी तत्वों का संतुलित मात्रा में प्रयोग करने से ही उपयुक्त पैदावार ली जा सकती है। यदि किसी भंडार से केवल निष्कासन ही होता रहे और उसमें निष्कासित मात्रा की पूर्ति न की जाय जो कुछ समय बाद वह भंडार खाली हो जाता है।